रांची, धनबाद एवं पटना से प्रकाशित

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in | रांची, शुक्रवार 19 जुलाई 2024 ● आषाढ़ शुक्ल पक्ष 13 संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ ~~6~~ ● वर्ष : 2, अंक : 101 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

मौसम

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
धनबाद	34.7	28.0
जमशेदपुर	34.7	26.2
डालटनगंज	36.1	26.9

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

नीट पेपर लीक मामले में सुप्रीम कोर्ट सख्त, कहा- एनटीए कल दोपहर तक केंद्रवार रिजल्ट ऑनलाइन डाले

सीजेआई ने जताया अचरज, 45 मिनट में कैसे हल हो गए 180 सवाल?

- **मामले की अगली सुनवाई सोमवार को**

एजेंसी। नयी दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने नीट यूजी 2024 परीक्षा में पेपर लीक और गड़बड़ी का आरोप लगाने वाली याचिकाओं पर गुरुवार को सुनवाई की. इस दौरान कोर्ट ने एनटीए को निर्देश दिया कि वह अपनी वेबसाइट पर नीट यूजी परीक्षा में छात्रों को मिले अंकों को प्रकाशित करे.

छात्रों की पहचान गुप्त रखी जाए और परिणाम शहर और केंद्र के हिसाब से अलग-अलग घोषित किए जाने जाएं. सुप्रीम कोर्ट ने एनटीए को 20 जुलाई दोपहर 12 बजे तक परिणाम घोषित करने का निर्देश दिया है. अगली सुनवाई के लिए 22 जुलाई की तारीख तय की गई है. सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ और जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की बेंच ने विवादों में घिरी राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा-स्नातक (नीट-यूजी) 2024 से जुड़ी याचिकाओं पर अहम सुनवाई की. सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा कि हर सेंटर के लिए अलग-अलग रिजल्ट घोषित किया जाए.इस दौरान बिहार पुलिस और ईओडब्ल्यू की भी रिपोर्ट सीजेआई ने मांगी है. सुनवाई के दौरान एनटीए ने कोर्ट को बताया कि नीट यूजी की काउंसलिंग की शुरुआत 24 जुलाई से हो जाएगी.

सुनवाई के दौरान चीफ जस्टिस चंद्रचूड़ ने इस बात पर अचरज जताया कि 45 मिनट के अंदर 180 सवाल कैसे हल किए गए. दरअसल, वह जानना चाहते थे कि पेपर लीक परीक्षा शुरू होने से कितनी देर पहले हुआ था. सीजेआई चंद्रचूड़, जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की पीठ यह जानने की कोशिश कर रही है कि पेपर लीक कब हुआ? और पेपर लीक और परीक्षा शुरू होने के बीच के गैप में क्या पेपर ज्यादा से ज्यादा लोगों तक सर्कुलेट तो नहीं हुआ. सीजेआई ने कहा, पटना का हजारीबाग से क्या संबंध है? मुझे यकीन नहीं हो रहा है कि 45 मिनट में पूरा प्रश्नपत्र हल किया जा सकता है. इस पर वरिष्ठ अधिवक्ता संजय हेगड़े ने कहा कि पटना पुलिस का कहना है कि पेपर परीक्षा से एक दिन पहले ही शाम में लीक हुआ था.

दोबारा एग्जाम कराने के लिए होना चाहिए ठोस आधार

पटना का हजारीबाग से क्या संबंध?

सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा, पुनः परीक्षा कराने के लिए यह ठोस आधार होना चाहिए कि पूरी परीक्षा की शुचिता पर असर पड़ा है. इस मामले की जांच के मुद्दे पर पीठ ने कहा, सीबीआई जांच कर रही है. सीबीआई ने हमें जो बताया हैअगर उसका खुलासा कर दिया जाता है, तो इससे जांच पर असर पड़ेगा. इस मामले की सुनवाई जारी है. उच्चतम न्यायालय 40 से अधिक याचिकाओं पर सुनवाई कर रहा है. इनमें राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) की याचिका भी शामिल है, जिसमें उसने, परीक्षा में कथित अनियमितताओं को लेकर विभिन्न उच्च न्यायालयों में उसके खिलाफ लंबित मामलों को उच्चतम न्यायालय में स्थानांतरित करने का अनुरोध किया है. उच्चतम न्यायालय ने 11 जुलाई को नीट-यूजी 2024 से जुड़ी याचिकाओं पर सुनवाई 18 जुलाई तक टाल दी थी.

- ***सीजेआई चंद्रचूड़, जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की पीठ*** *यह जानने की कोशिश कर रही है कि पेपर लीक कब हुआ? सीजेआई ने कहा, पटना का हजारीबाग से क्या संबंध है? मुझे यकीन नहीं हो रहा है कि 45 मिनट में पूरा प्रश्नपत्र हल किया जा सकता है.*

सीबीआई ने पटना एम्स के चार छात्रों को किया गिरफ्तार

नयी दिल्ली। सीबीआई ने नीट-यूजी प्रश्नपत्र लीक मामले के संबंध में गुरुवार को पटना एम्स के एमबीबीएस के चार छात्रों को गिरफ्तार कर लिया. एमबीबीएस के तीसरे वर्ष के तीन छात्रों चंदन सिंह, राहुल अनंत व कुमार शानू और दूसरे वर्ष के एक छात्र करन जैन को पूछताछ के बाद सीबीआई टीम ने गिरफ्तार कर लिया. एम्स के संकाय सदस्यों की मौजूदगी में छात्रों को छात्रावास के उनके कमरों से ले जाया गया. उन्हें बताया गया कि जांच के लिए छात्रों की जरूरत है. सीबीआई ने छात्रावास के उनके कमरों को भी सील कर दिया. एम्स पटना के निदेशक जीके पॉल ने बताया, सीबीआई चार छात्रों को अपने साथ ले गई. चंदन, राहुल और शानू तीसरे और करण जैन दूसरे वर्ष का छात्र है. एक अधिकारी ने उन्हें छात्रों की तस्वीरें और मोबाइल नंबर भेजे हैं. इससे दो दिन पहले सीबीआई ने राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान जमशेदपुर के 2017 बैच के सिविल इंजीनियर पंकज कुमार उर्फ आदित्य को गिरफ्तार किया था. आरोप है कि कुमार ने हजारीबाग में एनटीए के ट्रंक से नीट-यूजी का प्रश्नपत्र चुराया था. कारो निवासी कुमार को पटना से गिरफ्तार किया गया.

सर्राफा

सोना (बिक्री)	69,900
चांदी (किलो)	98,000

ब्रीफ खबरें

गांवों में खर्च बढ़ा, मांग की स्थिति हुई बेहतर

मुंबई। चालू वित्त वर्ष 2024-25 की दूसरी तिमाही की शुरुआत अर्थव्यवस्था में तेजी के संकेतों के साथ हुई है. ग्रामीण क्षेत्र में खर्च में सुधार से मांग की स्थिति बेहतर हुई. भारतीय रिजर्व बैंक ने गुरुवार को को बुलेटिन में यह कहा. आरबीआई के बुलेटिन में अर्थव्यवस्था की स्थिति शीर्षक से प्रकाशित लेख में कहा गया कि विकसित अर्थव्यवस्थाओं और उभरती बाजार अर्थव्यवस्थाओं में वैश्विक आर्थिक गतिविधियां मजबूत हो रही है. साथ ही वस्तुओं तथा सेवाओं में वैश्विक व्यापार गति पकड़ रहा है.

गढ़चिरौली मुठभेड़ में 12 नक्सली मारे गए

गढ़चिरौली। महाराष्ट्र के गढ़चिरौली में सुरक्षा बलों ने मुठभेड़ में 12 नक्सलियों को मार गिराया. नक्सलियों पर कुल 86 लाख का नकद इनाम था. पुलिस ने दावा किया कि अभियान की सफलता के कारण माओवादियों के कोरची-टीपागढ़ दलम एवं चटगांव-कासनसूर दलम का सफाया हो गया है. छत्तीसगढ़ सीमा के पास हुई मुठभेड़ में पांच महिला उग्रवादियों समेत कुल 12 नक्सली मारे गए.

छग में सुरंग विस्फोट दो जवान हुए शहीद

बीजापुर। छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित बीजापुर जिले में नक्सलियों ने बारूदी सुरंग में विस्फोट कर दिया, जिससे एसटीएफ के दो जवानों की जान चली गई और चार अन्य घायल हो गए. पुलिस अधिकारियों ने गुरुवार को यह जानकारी दी.

कुपवाड़ा में घुसपैठ की कोशिश, दो आतंकी ढेर

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा जिले में सुरक्षाबलों ने गुरुवार को नियंत्रण रेखा के पास घुसपैठ की कोशिश नाकाम कर दी और दो आतंकवादियों को ढेर कर दिया. अधिकारियों ने यह जानकारी दी.

इमर्जिंग झारखंड

निवेश को बढ़ावा देने के लिए रोड मैप तैयार

सड़कों के नेटवर्क के जरिए विशेष औद्योगिक गलियारा बनाने की है योजना

- **सड़क कनेक्टिविटी और रेल नेटवर्क की उपलब्धता**
- **निर्यात के बुनियादी ढांचे के निर्माण की भी है योजना**

रवि भारती। रांची

इमर्जिंग झारखंड के तहत उद्योग विभाग ने निवेश को बढ़ावा देने के लिए एक रोडमैप तैयार किया है. इसमें निवेशकों के लिए कई सुविधाएं देने की बात कही गई है. साथ ही साथ कई सुविधाए देने की योजना बनाई गई है. रोड मैप में उद्योग विभाग ने ऑनगोइंग सड़क प्रोजेक्ट की भी जानकारी दी है. इसमें रांची-बोकारो-धनबाद सिक्स लेन एक्सप्रेस-वे के साथ रांची, धनबाद और जमशेदपुर को जोड़ने वाला औद्योगिक गलियारा भी शामिल है.

उद्योग विभाग द्वारा निर्यात से लाभ के लिए बुनियादी सुविधाओं का निर्माण, नई प्रौद्योगिकी को अपनाने, कौशल उन्नयन, बड़े निवेश का प्रवाह, श्रम उत्पादकता में वृद्धि, रोजगार सृजन की योजनाओं को अमली जामा पहनाया जा रहा है. इसके पीछे तर्क है कि इन सभी सुविधाओं का राज्य के औद्योगिक माहौल पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ता है. साथ ही अंतर्राष्ट्रीय बाजार में एमएसएमई क्षेत्र के संपर्क से विदेशी खरीदारों, व्यापार मेलों, सीखने की गुणवत्ता की जरूरतों और कई देशों की वैधानिक और प्रथागत प्रथाओं में भाग लेकर कौशल को उन्नत करने में मदद मिलती है.

सड़क कनेक्टिविटी का भी किया है जिक्र : रोड मैप में यह भी बताया गया है कि वर्तमान सड़क नेटवर्क में 1844 किलोमीटर राष्ट्रीय राजमार्ग, 1886 किलोमीटर राज्य राजमार्ग और 4988 किलोमीटर राज्य भर में प्रमुख जिला सड़कें शामिल हैं. इसमें 62 किलोमीटर रांची-पतरातू-रामगढ़ सड़क, 36.79 किलोमीटर रांची रिंग रोड (खंड तीन ,चार, पांच और छह), 68.7 किमी चाईबासा-सरायकेला-कंडारा-चौका रोड, 15.5 किमी आदित्यपुर-कांड्रा सड़क और 45 किमी पूर्वी सिंहभूम में हाता-स्वासपुर-मुसाबनी रोड शामिल हैं.

झारखंड होकर गुजरता है सुपर हाइवे

गोल्डन चतुर्भुज सुपर हाईवे, जो झारखंड से होकर गुजरता है, कुछ शहरों जैसे धनबाद, हज़ारीबाग, बोकारो, गिरिडीह और बरही के करीब है. ये शहर शाखा सड़कों के माध्यम से सुपर हाईवे से जुड़े हुए हैं. इसके अलावा, पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार और छत्तीसगढ़ के भीतर और आसपास के राज्यों के बाजारों में इसकी आपूर्ति में भी फायदा हो रहा है. झारखंड और इन चार निकटवर्ती राज्यों की संयुक्त आबादी लगभग 247.5 मिलियन है, जो देश की आबादी का लगभग 25 फीसदी है, जो इसे व्यावसायिक दृष्टिकोण से बहुत फायदेमंद बनाने में मददगार साबित होगी.

लंबी सड़क कनेक्टिविटी से निवेशकों को होगा फायदा

- राष्ट्रीय राजमार्ग 33- 333.5 किलोमीटर (बरही, हजारीबाग, रांची, रड़गांव, महोलिया, बहरागोड़ा)
- **बरही से हजारीबाग- 40.5 किलोमीटर (फोर लेन)**
- हजारीबाग से रांची- 73.5 किलोमीटर (फोर लेन)
- **रांची से महोलिया- 163.5 किलोमीटर (फोर लेन)**
- महोलिया से बहरागोड़ा- 71.5 किलोमीटर (फोर लेन)
- **राष्ट्रीय राजमार्ग 2- 150 किलोमीटर (सिक्स लेन)**
- राष्ट्रीय राजमार्ग 23- टू लेन
- **राष्ट्रीय राजमार्ग 32- टू लेन**

रेलवे नेटवर्क का भी बिछा है जाल

रेलवे के सहयोग से मौजूदा, व्यापक, अच्छी तरह से विकसित रेलवे प्रणाली का आधुनिकीकरण, विस्तार, उन्नयन किया जा रहा है. राज्य में 3292 करोड़ की 6 रेलवे परियोजनाएं चल रही हैं. देवघर-दुमका और रांची-लोहरदगा प्रोजेक्ट चालू हैं. नए तेज़ रेलवे लिंक से कनेक्टिविटी में सुधार हुआ है. निर्यात की सुविधा के लिए टाटानगर में अंतर्देशीय कंटेनर डिपो स्थापित किया जा रहा है. हाई-स्पीड फ्रेट और यात्री ट्रेन सेवाएं भी शुरू की जा रही हैं. ईस्टर्न डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर झारखंड से होकर गुजरता है और सभी उत्तरी राज्यों और बंदरगाहों तक कनेक्टिविटी को कवर करता है.

इन रेलवे नेटवर्क का है जिक्र

- देवघर-दुमका-रामपुरहाट परियोजना- 124 किलोमीटर
- **कोडरमा-रांची परियोजना- 200 किलोमीटर**
- कोडरमा-गिरिडीह परियोजना- 100 किलोमीटर
- **रांची - लोहरदगा परियोजना- 113 किलोमीटर**
- कोडरमा - तिलैया परियोजना- 14 किलोमीटर
- हंसडीहा-गोड्डा परियोजना- 32.46 किलोमीटर

बंदरगाहों से समीपता : रोड मैप में इस बात का जिक्र है कि सड़कों का नेटवर्क झारखंड से कई बंदरगाहों के समीप है. कोलकाता (400 किमी), हल्दिया (420 किमी) और पारादीप (560 किमी) के बंदरगाहों से झारखंड की निकटता, राज्य को उभरते बाजारों में प्रवेश करने में रुचि रखने वाली निर्यात उन्मुख इकाइयों के लिए एक आदर्श स्थान बनाती है. दक्षिण पूर्व एशिया अपनी उपज की सुरक्षित, सुचारू और तेज आवाजाही के साथ ही साथ माल ढुलाई लाभ पर भी विचार कर रहा है.

शैक्षणिक संस्थानों का भी होगा उपयोग

उद्योगों को स्किल्ड मैन पावर उपलब्ध कराने के लिए राज्य के तकनीकी शैक्षणिक संस्थानों में कोर्स की संख्या बढ़ाने पर जोर दिया गया है. छात्रों की रोजगार क्षमता को बढ़ाने के लिए उन्हें प्रदान की जाने वाली तकनीकी शिक्षा की गुणवत्ता और मानकों को बढ़ाया जा रहा है.

इन संस्थानों का है जिक्र

- जेवियर लेबर रिलेशंस इंस्टीट्यूट, जमशेदपुर
- भारतीय प्रबंधन संस्थान, रांची
- भारतीय कोयला प्रबंधन संस्थान, रांची
- इंडियन स्कूल ऑफ माइंस, धनबाद
- बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, रांची
- जेवियर इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल सर्विस, रांची
- झारखण्ड केन्द्रीय विश्वविद्यालय, रांची
- नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ स्टडी एंड रिसर्च इन लॉ, रांची
- राष्ट्रीय वित्त एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, हजारीबाग
- राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, जमशेदपुर
- राजेंद्र इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, रांची
- महात्मा गांधी मेमोरियल मेडिकल कॉलेज, जमशेदपुर
- पाटलिपुत्र मेडिकल कॉलेज, धनबाद
- बिरसा प्रौद्योगिकी संस्थान, सिंदरी
- कई पॉलिटेक्निक, कंप्यूटर और अन्य कौशल समृद्ध प्रशिक्षण सेटअप
- नए निजी इंजीनियरिंग कॉलेज

यूपी में रेल हादसा

चार यात्रियों की मौत, 26 घायल

यूपी के गोंडा में डिरेल हुई चंडीगढ़-डिब्रूगढ़ एक्सप्रेस ट्रेन के डिब्बे

एजेंसी। गोंडा/लखनऊ

यूपी के गोंडा जिले में गुरुवार को चंडीगढ़ से डिब्रूगढ़ जा रही एक ट्रेन के आठ डिब्बे मोतीगंज तथा झिलाही रेलवे स्टेशनों के बीच पटरी से उतर गये. इस घटना में चार लोगों की मौत हो गयी तथा 26 अन्य घायल हो गये. यूपी के डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने बताया कि इस दुर्घटना में चार लोगों की मौत की खबर है. जिलाधिकारी डॉ. नेहा शर्मा ने बताया कि दुर्घटना में ट्रेन के आठ डिब्बे पटरी से उतर गये और अब तक चार लोगों की मौत की सूचना है.

उन्होंने कहा कि राहत और बचाव कार्य जारी है तथा सभी मृतकों और घायलों को बाहर निकाला जा चुका है. घायलों को अस्पतालों में भर्ती कराया गया है. राहत आयुक्त जीएस नवीन कुमार ने बताया कि हादसे में 26 अन्य लोग जख्मी हुए हैं. हताहतों की संख्या बढ़ सकती है. उन्होंने कहा कि राहत एवं बचाव कार्य जारी है तथा करीब 40 सदस्यीय मेडिकल टीम और 15 एम्बुलेंस मौके पर मौजूद हैं. घटना के बाद हेल्पलाइन नम्बर 8957400965 और 8957409292 जारी किये गये हैं.

रेल मंत्रालय ने किया मुआवजे का ऐलान : रेल मंत्रालय ने कहा कि गोंडा ट्रेन दुर्घटना के मृतकों के परिवार को 10 लाख रुपए, गंभीर रूप से घायलों को 2.5 लाख और मामूली रूप से घायलों को 50,000 रुपए की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की गई है. सीआरएस जांच के अलावा, उच्च स्तरीय जांच के आदेश दिए गए हैं. पूर्वोत्तर रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी पंकज कुमार सिंह ने बताया कि राहत और बचाव कार्य युद्धस्तर पर चल रहा है. हादसे के कारण संबन्धित रेल खंड पर कटिहार-अमृतसर और गुवाहाटी-श्रीमाता वैष्णो देवी कटरा एक्सप्रेस का मार्ग परिवर्तन करके इन्हें दूसरे रास्ते से रवाना किया गया है.

चंडीगढ़-डिब्रूगढ़ एक्सप्रेस के आठ डिब्बे पटरी से उतरे

- हेल्पलाइन नंबर 8957400965 और 8957409292 जारी

ट्रेन हादसे के पीछे साजिश? : चंडीगढ़ डिब्रूगढ़ एक्सप्रेस के हादसे के पीछे साजिश की आशंका भी सामने आ रही है. ट्रेन के लोको पायलट के अनुसार हादसे से ठीक पहले उसने धमाके की आवाज सुनी थी. लोको पायलट की सूचना के बाद रेलवे प्रशासन ने कई एंगल पर जांच शुरू कर दी है. पूर्वोत्तर रेलवे के सीपीआरओ पंकज सिंह के अनुसार सीआरएस की जांच कराई जाएगी.

असम के सीएम हिमंता संपर्क में : असम के सीएम हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि चंडीगढ़-डिब्रूगढ़ एक्सप्रेस के पटरी से उतरने की घटना के बाद उनकी सरकार संबंधित अधिकारियों के संपर्क में हैं. सीएम नजर रख रहे हैं और असम सरकार संबंधित अधिकारियों के संपर्क में है.

जमशेदपुर समेत 15 ठिकानों पर ईडी की रेड

1393 करोड़ के बैंक घोटाले से जुड़ा है मामला

सौरभ सिंह। रांची

1392.86 करोड़ के बैंक घोटाले में ईडी ने गुरुवार को जमशेदपुर समेत पांच शहरों के 15 ठिकानों पर रेड की. जमशेदपुर के अलावा दिल्ली, गुरुग्राम, महेंद्रगढ़ और बहादुरगढ़ के 15 ठिकानों पर ईडी ने तलाशी ली.

बता दें कि सीबीआई ने 1392.86 करोड़ के बैंक घोटाले का पर्दाफाश किया था. जांच एजेंसी ने इस मामले में दिल्ली की कंपनी एलायड स्ट्रिप्स, उसके तीन डायरेक्टर, जमशेदपुर की कंपनी हाईको इंजीनियर्स सहित नौ कंपनियों के खिलाफ केस दर्ज किया था. एलायड स्ट्रिप्स ने 5 बैंकों से 931 करोड़ का लोन लिया. लोन की रकम आठ कंपनियों को थमा दी. अब बैंकों की देनदारी 1392.86 करोड़ रुपए हो गयी है. एलायड ने आदित्यपुर इंडस्ट्रियल एरिया की स्टील मैन्युफैक्चरिंग कंपनी हाईको इंजीनियर्स लि. को भी मशीन खरीदारी के नाम पर 7.50 करोड़ दिये थे. पर न तो कंपनी ने मशीन की सप्लाई की और न ही एलाइड स्ट्रिप्स ने पैसे वापस मांगे.

इन्हें बनाया गया है आरोपी

- एलायड स्ट्रिप्स लिमिटेड, रोहतक रोड, वेस्ट दिल्ली और इसके डायरेक्टर-मोहिंदर अग्रवाल, गौरव अग्रवाल व सुनीता अग्रवाल
- श्वेता एग्रोकेम, कोलकाता
- दीक्षा विनियोग, कोलकाता
- सुरवी कॉमोट्रेड, कोलकाता
- प्रोमिनेंट व्यापार, कोलकाता
- चंद्रमुखी वाणिज्य, कोलकाता
- साई सहारा कॉमर्शियल, कोलकाता
- पावर 2 एसएमई, गुड़गांव, हरियाणा
- हाईको इंजीनियर्स, आदित्यपुर, जमशेदपुर

आओ संविधान-संविधान खेलें

प्रसंगवश

बैजनाथ मिश्र
वरिष्ठ पत्रकार और झारखंड के पूर्व सूचना आयुक्त

केंद्र सरकार ने 25 जून को संविधान हत्या दिवस घोषित कर दिया है. ऐसा क्यों किया गया, यह कोई अबूझ पहेली नहीं है. यह विपक्ष खासतौर से कांग्रेस के उस शिगूफे का जवाब है जिसमें कहा गया था कि भाजपा प्रचंड बहुमत से सत्ता में आयी तो संविधान बदल देगी. चुनाव में भाजपा को इसका नुकसान भी हुआ. लेकिन अब कांग्रेस और उसके संगी-साथी संविधान बदलनेवाली चाल न चल सकें, इसका बंदोबस्त इस घोषणा के जरिये करने का प्रयास किया गया है. यानी यह विशुद्ध रूप से एक राजनीतिक चाल है. इसका मकसद कांग्रेस को असहज करना और उसके उन साथियों को छिनगाना है जो आपातकाल का दंश झेल चुके हैं. इनमें सपा, राजद और द्रमुक प्रमुख हैं. आपातकाल का जब भी जिक्र होगा, कांग्रेस तिलमिलायेगी और उसके साथी दल कम से कम इस मुद्दे पर उसका साथ नहीं देंगे. दूसरी बात यह है कि संसद में संविधान की प्रतियां लहरानेवालों से हर साल समारोहपूर्वक पूछा जाएगा कि आपने संविधान की हत्या क्यों की और उसका जवाब देना मुश्किल होगा.

उल्लेखनीय है कि 25 जून 1975 को ही इंदिरा गांधी ने देश पर आपातकाल थोप दिया था. वह भी सिर्फ अपनी कुर्सी बचाने के लिए. मेरे एक मित्र का इस बाबत कहना था कि हत्या तो लोकतंत्र की हुई थी, फिर संविधान हत्या दिवस क्यों घोषित किया गया ? लेकिन उन्हें शायद यह मालूम नहीं है या है भी तो जानबूझकर यह तथ्य गोल कर देना चाहते हैं कि तब नागरिकों के मौलिक अधिकार भी निरस्त कर दिये गये थे. अपील, दलील, वकील की कोई गुंजाइश नहीं थी. न्यायपालिका का टेटुआ दबा दिया गया था. लगभग सभी विपक्षी नेता जेल में डाल दिये गये थे. मीडिया की आजादी पर पाबंदी थी. बेइंतहा जुल्म-सितम ढाये गये. लाखों छात्र, युवा पीटे गये और जेल में डाल दिये गये. डीआईआर और मीसा जैसे अपरिभाषित कानून हुक्मरान और अफसरान के हथियार बन गये थे. संविधान की उद्देशिका में भी बदलाव कर दिया गया. इसलिए यह कहना सर्वथा उचित है कि आपातकाल आजाद भारत का सबसे काला अध्याय है. इसकी यादें ताजा रखना और नयी पीढ़ी को इसके बारे में बताना या शिक्षित करना आवश्यक है, ताकि कोई तानाशाह प्रधानमंत्री फिर कभी ऐसी गलती करने की हिमाकत न कर सके. लेकिन सवाल यह है कि संविधान हत्या दिवस का सुविचार सरकार के दिमाग में अभी क्यों कौंधा ? यह निर्णय तो मोदी सरकार के पहले ही कार्यकाल में हो जाना चाहिए था. तब नहीं हुआ और अब हो रहा है तो जाहिर है, यह आक्रमण ही सर्वोत्तम सुरक्षा होता है जैसी एक रणनीति है. दूसरा सवाल यह है कि जब हर साल 25 जून को विभिन्न संगठन संगोष्ठियां आयोजित कर आपातकाल को कोसते हैं, उसकी भर्त्सना करते हैं, अखबारों में लेख छपते ही हैं, तब क्या केंद्र के नये निर्णय के बाद सरकारी या सरकार प्रोत्साहित कार्यक्रम होने लगेंगे ? केंद्र सरकार ने विभाजन विभीषिका दिवस की भी तो घोषणा की थी. उसका क्या हुआ ? क्या इस बाबत कोई जनजागरूकता अभियान चला ? मुझे तो याद नहीं आ रहा. इसलिए संभव है यह संविधान हत्या दिवस भी मात्र घोषणा बन कर रह जाए या फिर इसका यदा-कदा इस्तेमाल कांग्रेस तथा उसके साथ खड़े नेताओं को चिढ़ाने-डराने के लिए कर लिया जाए.

बहरहाल एक सवाल यह भी उठाया जा रहा है कि इतने पुराने मामले को इस तरह उठाने का क्या औचित्य है ? लेकिन जब कांग्रेस खम ठोंककर कहती है कि वह स्वाधीनता समर की कोख से पैदा हुई है तो उससे आपातकाल पर सवाल क्यों नहीं पूछना चाहिए ?

-शेष पेज 7 पर

पीएम जन-मन योजना और बाड़ी पत्रिका कारगर साबित होगी

झारखंड के नौनिहालों और महिलाओं की संवरेगी तकदीर

रवि भारती। रांची

झारखंड सरकार ने राज्य के नौनिहालों के साथ महिलाओं की तकदीर संवारने की कवायद शुरू कर दी है. खासकर महिला बाल विकास विभाग की दो योजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी लाई जा रही है. इसमें पहली योजना प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महा अभियान (पीएम -जनमन) योजना है. इसके साथ ही महिलाओं के बीच जागरूकता फैलाने के लिए बाड़ी पत्रिका का भी शीघ्र प्रकाशन किया जाएगा.

इस पत्रिका का वितरण राज्य के सभी आंगनबाड़ी केंद्र में किया जाएगा. वर्तमान में राज्य में 38432 आंगनबाड़ी केंद्रों का संचालन हो रहा है.

बच्चों की देखभाल के भी बताए जाएंगे उपाय : झारखंड बाड़ी पत्रिका में बच्चों के देख भाल के भी उपाय बताए जाएंगे. खासकर संस्थागत प्रसव, नौनिहालों को स्तनपान, 06 माह के उपरांत शिशुओं को संतुलित पोषाहार खिलाना, तीन वर्ष उपरांत शिशुओं की पूर्व शिक्षा व छह वर्ष बाद प्राथमिक शिक्षा प्राप्त कराने के लिए तत्पर रहना संबंधी जन-जागरूकता के उपाय को भी शामिल किया जाएगा.

शिशुओं में कुपोषण उन्मूलन समुचित देखभाल, पूर्ण चक्र टीकाकरण, कुपोषण उन्मूलन, स्वास्थ्य, पोषण के साथ पारिवारिक एवं सामुदायिक दायित्वों का पत्रिका में उल्लेख किया जाएगा.

100 जनसंख्या वाले आदिम जनजाति क्षेत्र में खुलेंगे आंगनबाड़ी केंद्र

पीएम जनमन योजना के तहत 100 जनसंख्या वाले आदिम जनजाति क्षेत्र में एक आंगनबाड़ी केंद्र स्थापित किया जाएगा. आदिम जनजाति क्षेत्रों में कुल 91 आंगबाड़ी केंद्र स्थापित किए जाएंगे. इन केंद्रें के लिए भवन निर्माण के लिए प्रति केंद्र 12 लाख रुपए दिए जाएंगे. राज्य के 11 जिले चतरा, दुमका, जामताड़ा, लातेहार, लोहरदगा, पलामू , पश्चिमी सिंहभूम, पूर्वी सिंहभूम, रांची, सरायकेला व सिमडेगा के आदिम जनजाति क्षेत्रों में आंगनबाड़ी केंद्र की स्थापना की जाएगी.

बाड़ी पत्रिका के जरिये जागरूक करने की होगी कोशिश

बिहार की तर्ज पर झारखंड में भी झारखंड बाड़ी पत्रिका का प्रकाशन होगा. इस पत्रिका का वितरण सभी आंगनबाड़ी केंद्रों में किया जाएगा. वहीं बिहार के आंगनबाडी केंद्रों में बिहार के आंगन नामक मासिक पत्रिका की उपलब्ध कराई जा रही है. झारखंड बाड़ी पत्रिका में उन सभी विषयों को शामिल किया जाएगा, जिससे महिलाएं स्वस्थ रह सकेंगी. इसमें खास तौर पर गर्भवस्था एवं प्रसवोपरांत आदर्श आहार की ग्राह्यता, चिकित्सीय जांच, पूर्ण चक्र टीकाकरण, स्वच्छता व स्वास्थ्य आदतों की व्यवहार्यता के लेख प्रकाशित किए जाएंगे.

राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन से गुरुवार को राज्यसभा सांसद एम. थंबीदुरई ने राजभवन में शिष्टाचार भेंट की.

ब्रीफ खबरें

रघुवर दास ने देवघर मंदिर में पूजा-अर्चना की

रांची। ओडिशा के राज्यपाल रघुवर दास ने गुरुवार को देवघर में बाबा बैद्यनाथ मंदिर में पूजा अर्चना की. इसके बाद सड़क मार्ग से बासुकीनाथ धाम गए. वहां पूजा-अर्चना करने के बाद कहा कि सावन में आने वाले सभी भक्तों की मनोकामना पूरी हो. साथ ही उन्होंने देशवासियों के मंगलमय जीवन की कामना की. पूजा-अर्चना के बाद मीडिया से बातचीत में कहा कि .पुरी के जगन्नाथ मंदिर का खजाना को खोलने की मांग काफी पुरानी है. जनता काफी सालों से यह मांग कर रही थी. इस मांग को लेकर पीएम मोदी ने जनता से वादा किया था कि अगर ओडिशा में बीजेपी की सरकार बनी तो खजाना खोला जाएगा. खजाने में जमा पाई-पाई का हिसाब जनता को देंगे. सरकार बनने के एक महीने के अंदर ही खजाना खोला गया है. केंद्र और राज्य सरकार ने अपना वादा पूरा किया है.

अनियमितता की शिकायत पर पांच डीलरों को शोकॉज

रांची। खाद्यान्न वितरण में अनियमितता की मिल रही शिकायत पर रांची विशिष्ट अनुभाजन पदाधिकारी मोनी कुमारी ने गुरुवार को जनवितरण प्रणाली दुकानों का औचक निरीक्षण किया. वार्ड संख्या-2 की जन वितरण प्रणाली दुकानों में वेइंग मशीन पर अलग से वजन (बटखरा) रखकर कम वजन कर खाद्यान्न की आपूर्ति की जी रही थी. साथ ही किसी को सिर्फ गेहूं तो किसी को सिर्फ चावल देने की शिकायत प्राप्त हुई थी. विशिष्ट अनुभाजन पदाधिकारी ने विनोद कुमार सिंह, कलावती देवी, शकुन्तला देवी की दुकानों का औचक निरीक्षण किया. एसओआर द्वारा तीनों डीलरों से स्पष्टीकरण की मांग की गयी है. औचक निरीक्षण के दौरान पंकज कुमार, प्रदीप कुमार शर्मा की दुकानें बंद पायी गयीं. इन दोनों से भी स्पष्टीकरण की मांग की गयी.

महिला कॉलेज में वोटर निबंधन कैंप लगा

रांची। रांची जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त राहुल कुमार सिन्हा के निर्देशानुसार गुरुवार को रांची महिला महाविद्यालय में मतदाता निबंधन कैंप का आयोजन किया गया. द्वितीय विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम 2024 के तहत मतदाता निबंधन कैंप का किया गया. जिसमें कॉलेज परिसर में छात्र-छात्राओं को प्रपत्र-6 तथा प्रपत्र-8 के बारे में जानकारी दी गई. इस दौरान डॉ विनीता सिंह, डॉ प्रज्ञा गुप्ता, डॉ उषा किरण, डॉ आरती मोदक एवं अन्य उपस्थित रहे.

झारखंड पुलिस के लिए चुनौती बने पर्व-त्योहार

24 घंटे में छह जिलों के आठ स्थानों पर हुई हिंसक झड़प

हजारीबाग जिले में पत्थरबाजी की घटनाएं हुईं.

सौरभ सिंह। रांची

झारखंड में छोटे-छोटे पर्व-त्योहार भी संवेदनशील होते जा रहे हैं. ऐसे में त्योहार शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराना झारखंड पुलिस के लिए चुनौती साबित हो रही है. पिछले 24 घंटे के दौरान राज्य के छह जिलों के आठ जगहों पर मोहर्रम के दौरान दो समुदायों के बीच हिंसक झड़प हुई. इस झड़प की घटना में करीब 32 से अधिक लोग घायल हुए, जिनमें कई पुलिस के जवान भी शामिल हैं. झारखंड पुलिस की रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि इन दिनों लगभग सभी पर्व-त्योहारों में निकलने वाले जुलूसों में युवा, बच्चे और विशेषकर महिलाओं की बड़ी भागीदारी है.

छह जिले में आठ जगहों पर हुई दो समुदाय के बीच हिंसक झड़प

- **17 जुलाई :** हजारीबाग जिला के बड़कागांव थाना क्षेत्र के नयाटांड़ में धार्मिक जुलूस के दौरान दोनों पक्षों में कहासुनी हो गयी. इसके बाद बात बढ़ी और पत्थरबाजी शुरू हो गयी.
- **17 जुलाई :** सरायकेला जिला के सरायकेला थाना क्षेत्र के घाघी नारायणपुर गांव में देर शाम मुहर्रम के जुलूस को लेकर दो पक्षों में हिंसक झड़प हुई.
- **17 जुलाई :** झारखंड-बिहार की सीमा पर पलामू के हरिहरगंज और औरंगाबाद के महाराजगंज में एक धार्मिक जुलूस के दौरान पथराव हुआ. पथराव के बाद इलाके में कुछ देर के लिए तनाव की स्थिति उत्पन्न हो गई थी. बाद में झारखंड और बिहार की पुलिस ने स्थिति को संभाला और लोगों को शांत करवाया.
- **17 जुलाई :** धनबाद के भूली ओपी क्षेत्र के पांडरपाला स्थित कुम्हारटोली में शाम पांच बजे तय रूट से अलग मुहर्रम का जुलूस निकाले जाने को लेकर तनाव पैदा हो गया. पत्थरबाजी भी हुई.
- **17 जुलाई :** धनबाद के झरिया थाना क्षेत्र के थाना मोड़ के पास दो अखाड़ा दलों में जमकर मारपीट और पत्थरबाजी की घटना हुई.
- **17 जुलाई :** गिरिडीह के मौलाना आजाद चौक के पास ताजिया जुलूस के दौरान दो समुदायों के बीच रात में झड़प हो गयी. पथराव भी हुआ.
- **17 जुलाई :** गिरिडीह के बगोदर प्रखंड के बालक गांव में मुहर्रम जुलूस के दौरान झड़प हो गयी. रूट को लेकर हुए पथराव भी हुआ.
- **18 जुलाई :** पाकुड़ जिले के नीलामी गांव में दो समुदायों के बीच हिंसक झड़प हुई. गुरुवार की सुबह एक समुदाय के घरों पर दूसरे समुदाय के लोगों ने हमला किया.

शिवराज व हिमंता के बाद आएंगे अमित शाह, कल बनाएंगे रणनीति

भाजपा के फायर ब्रांड नेता माप रहे झारखंड का राजनीतिक तापमान

प्रमुख संवाददाता। रांची

बीजेपी फायर ब्रांड नेता झारखंड का राजनीति तापमान माप रहे हैं. केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान और असम के सीएम हिमंता बिस्व सरमा झारखंड में कई सभाओं के जरिये जनता का मिजाज मापने में लगे हैं. तो वहीं लोकसभा चुनाव के बाद पहली बार केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह रांची आएंगे. 20 जुलाई को रांची के धुर्वा स्थित प्रभात तारा मैदान में आयोजित एक दिवसीय विस्तारित प्रदेश कार्यसमिति की बैठक में शामिल होंगे.इ समें मंडल से लेकर प्रदेश स्तर के पार्टी के पदाधिकारी, कार्यसमिति सदस्य और सभी सातों मोर्चा के पदाधिकारी, कार्यसमिति सहित विभाग व प्रकोष्ठ के सूचीबद्ध करीब 20 हजार कार्यकर्ता शामिल होंगे. इस बैठक में अगामी विधानसभा चुनाव को लेकर मंथन-चिंतन भी किया जाएगा.

महागठबंधन में हेमंत हैं सीएम फेस, पर एनडीए में क्लीयर नहीं: अगामी विधानसभा चुनाव में महागठबंधन की ओर से तय है कि हेमंत सोरेन ही सीएम फेस होंगे. हेमंत सोरेन के नेतृत्व में ही चुनाव लड़ा जाएगा. अगामी विधानसभा चुनाव को लेकर महागठबंधन में बदलाव की कोई उम्मीद नहीं है. जब 2019 में हेमंत सोरेन ने झारखंड की कमान संभाली थी, तब सरकार में झामुमो के साथ कांग्रेस और राजद था. आज भी वही स्थिति है. इसमें खास बात यह है कि इस गठबंधन में नई पार्टी सीपीआइ(एमएल) भी साथ हो गई है. इस दल से विनोद सिंह विधायक हैं, लेकिन एनडीए कि ओर से सीएम फेस कौन होगा, इस पर पिक्चर क्लीयर नहीं हो पाया है, वहीं भाजपा की सबसे बड़ी चिंता यह भी है कि लोकसभा चुनाव में पांच आदिवासी सीटों में हार का सामना करना पड़ा था, इस पांच लोकसभा क्षेत्र में विधानसभा की 28 सीटें शामिल हैं,

बड़े आदिवासी चेहरों को भांप रही भाजपा

भाजपा विधानसभा चुनाव के लिए बड़े आदिवासी चेहरे को भांप रही है. लोकसभा चुनाव में अर्जुन मुंडा की हार के बाद अब यह कयास लगाया जा रहा है कि प्रदेश की राजनीति में उनकी इंट्री हो गई है. इसके अलावा चर्चा यह भी हो रही है कि लोकसभा में हारे उम्मीदवारों पर भी भाजपा विधानसभा चुनाव में दांव खेल सकती है. इसमें गीता कोड़ा, सुदर्शन भगत, समीर उरांव, सीता सोरेन और अर्जुन मुंडा का नाम सामने आ रहा है. फिलहाल पिक्चर क्लीयर नहीं है कि भाजपा से सीएम का चेहरा कौन होगा. वहीं ओडिशा का राज्यपाल बनने के बाद रघुवर दास की झारखंड की राजनीति में वापसी की संभावनाएं काफी कम हो गई हैं.

समीक्षा बैठक अगले आदेश तक रद्द

झारखंड के 15 जिलों में चल रहे अभियान व नक्सल गतिविधियों पर होने वाली थी बैठक

संवाददाता। रांची

झारखंड के 15 जिलों में चल रहे नक्सल अभियान और नक्सल गतिविधि की गुरुवार को डीजीपी को अध्यक्षता में समीक्षा होनी थी. यह समीक्षा बैठक अगले आदेश तक रद्द कर दिया गया. इसे लेकर यह बताया जा रहा है कि गृह मंत्री अमित शाह 20 जुलाई को रांची आ रहे हैं. गृह मंत्री की सुरक्षा को लेकर झारखंड मंत्रालय में बैठक होनी है, जिसमें मुख्य सचिव, गृह सचिव, डीजीपी समेत कई अधिकारी शामिल होंगे. जिस वजह से नक्सल समीक्षा को लेकर होनी वाली बैठक को रद्द कर दिया गया.

15 जिले के एसपी, एसएसपी लेते हिस्सा : इस बैठक में रांची, धनबाद, जमशेदपुर, बोकारो, चाईबासा, चतरा, गढ़वा, गिरिडीह, गुमला, खूंटी, लातेहार, लोहरदगा, सरायकेला, पलामू और दुमका जिले के एसएसपी व एसपी शामिल होते. बता दें कि केंद्रीय गृह मंत्रालय की समीक्षा के बाद देश के नौ राज्यों के 38 जिले सिर्फ माओवाद प्रभावित हैं. इनमें झारखंड के पांच जिले (पश्चिमी सिंहभूम, गिरिडीह, गुमला, लातेहार और लोहरदगा) भी शामिल हैं. केंद्र सरकार ने माओवाद प्रभाव के आधार पर एलडब्लूई (लेफ्ट विंग एक्सट्रीम) जिलों को तीन श्रेणियों में बांटा है.

समय लिखेगा उनके भी अपराध : बाबूलाल मरांडी

प्रमुख संवाददाता। रांची

बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने शायराना अंदाज में सीएम हेमंत सोरेन पर तंज कसा है. उन्होंने लिखा है कि समर शेष है, नहीं पाप का भागी केवल व्याध, जो तटस्थ हैं, समय लिखेगा उनके भी अपराध. ट्वीट में आगे लिखा है कि राज्य का मुख्यमंत्री होने के नाते बांग्लादेशी घुसपैठ के मुद्दे पर आपको संज्ञान लेकर उचित कार्रवाई करनी चाहिए थी, लेकिन अफसोस है कि आप सत्ता के लिए घुसपैठियों की गोद में बैठकर झारखंड के गरीब आदिवासियों के अस्तित्व की बलि चढ़ा रहे हैं.

अब पानी सर से उपर जा चुका है : आगे लिखा है कि झारखंड में बांग्लादेशी मुसलमानों के घुसपैठ जैसे अति संवेदनशील मुद्दों पर आपकी चुप्पी जेएमएम-कांग्रेस सरकार के आदिवासी मूलवासी विरोधी मानसिकता का सबूत दे रही है।पाकुड़ जिले के तारानगर गांव में घुसपैठियों द्वारा हिंदू परिवारों पर हमला किया गया है. स्थिति इतनी भयावह है कि इन हिंदू परिवारों को सुरक्षा प्रदान करने के लिए जिला प्रशासन को दल-बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचना पड़ा है. डेमोग्राफी बदलने से पाकुड़ के स्थानीय मूलवासी अपने ही घर में घुसपैठियों के आतंक से खौफजदा हैं.

कोर्ट की खबरें

हाईकोर्ट के एक्टिंग चीफ जस्टिस होंगे सुजीत नारायण प्रसाद

रांची। झारखंड हाईकोर्ट के जस्टिस सुजीत नारायण प्रसाद हाईकोर्ट के एक्टिंग चीफ जस्टिस होंगे. केंद्रीय कानून मंत्रालय ने इसकी अधिसूचना जारी कर दी है. दरअसल हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस विद्युत रंजन सारंगी 20 जुलाई को रिटायर हो रहे हैं. शुक्रवार को उनका अंतिम कार्य दिवस है. इसलिए उनके बाद हाईकोर्ट के सबसे सीनियर जज जस्टिस सुजीत नारायण प्रसाद को एक्टिंग चीफ जस्टिस का कार्यभार दिया गया है.

संथाल के उपायुक्तों से हाईकोर्ट ने फिर मांगा जवाब

बांग्लादेशी घुसपैठ पर जूनियर अफसरों के शपथ पत्र को दरकिनार कर दिया

विधि संवाददाता। रांची

बांग्लादेशी मूल के व्यक्तियों द्वारा झारखंड में घुसपैठ कर संथाल परगना इलाके में लैंड जिहाद किये जाने की जांच की मांग को लेकर दायर याचिका पर हाईकोर्ट में शुक्रवार को सुनवाई हुई. पिछली सुनवाई के दौरान अदालत ने राज्य सरकार को निर्देश दिया था, कि संथाल परगना क्षेत्र के सभी उपायुक्त शपथ पत्र के माध्यम से दो सप्ताह के भीतर एक स्टेटस रिपोर्ट दायर करें. लेकिन उपायुक्तों की ओर से खुद शपथ पत्र न दायर कर अपने जूनियर अधिकारियों के माध्यम से शपथ पत्र दायर कर दिया गया, जिसे स्वीकार करने से कोर्ट ने इंकार करते हुए एक बार फिर संथाल इलाके के सभी उपायुक्तों को शपथ पत्र दाखिल करने का निर्देश दिया है. झारखंड हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस और जस्टिस सुजीत नारायण प्रसाद की खंडपीठ में इस मामले की सुनवाई हुई.

मनी लॉन्ड्रिंग केस में हृदयनंद के खिलाफ इश्तहार जारी हुआ

रांची। टेंडर घोटाला से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग केस के आरोपी जेल में बंद ग्रामीण विकास विभाग के निलंबित चीफ इंजीनियर वीरेंद्र कुमार राम के सीए हृदय नंद तिवारी के खिलाफ कोर्ट ने इश्तहार जारी कर दिया है. गुरुवार को रांची पीएमएलए (प्रीवेन्शन ऑफ़ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट) की विशेष कोर्ट ने हृदय नंद तिवारी के खिलाफ इश्तहार जारी किया है. हृदय नंद तिवारी गढ़वा जिला के कचहरी रोड का रहने वाला है. उनपर वीरेंद्र राम के द्वारा टेंडर घोटाला के जरिए कमाए गए अकूत पैसों को विभिन्न प्रक्रियाओं से गुजार कर वाइट मनी में तब्दील करने का आरोप है. एजेंसी हृदय नंद तिवारी के खिलाफ आरोप पत्र भी दाखिल कर चुकी है.

इंडियन नेवी
बौद्धिक विकास व युवा मस्तिष्क को प्रेरित करने की अनूठी पहल

नौवीं से 12वीं के छात्रों के लिए थिंक-2024 क्विज

संवाददाता। रांची/ नई दिल्ली

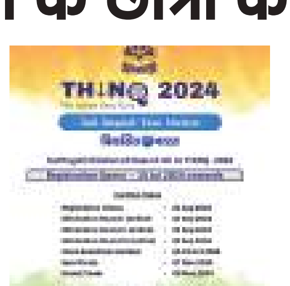

बौद्धिक विकास को बढ़ावा देने के साथ ही साथ युवा मस्तिष्क को प्रेरित करने का एक विशिष्ट अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से भारतीय नौसेना ने थिंक 2024- भारतीय नौसेना क्विज का शुभारंभ किया है. राष्ट्रीय स्तर की इस क्विज प्रतियोगिता में क्लास 9 से 12 तक के स्टूडेंट्स हिस्सा ले सकते हैं. हमें अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत पर गर्व करने के साथ ही साथ देशभक्ति की भावना बढ़ाने में इस तरह के आयोजन हमें मदद करते हैं. भारतीय नौसेना ने इससे पहले भी थिंक -22 और जी-20 थिंक का आयोजन किया था. दोनों आयोजन की अप्रत्याशित व शानदार सफलता ने भारतीय नौसेना को यह पहल जारी रखने के लिए प्रेरित व प्रोत्साहित किया है.

जी-20 थिंक में पिछले साल जी-20 देशों के प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया था. इस साल भारतीय नौसेना थिंक- 2024 का आयोजन कर रहा है, जिसका विषय 'विकसित भारत' है. यह भारत सरकार के स्वतंत्रता के 100 वर्ष होने के उपलक्ष्य में वर्ष 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र में बदलने के दृष्टिकोण के अनुरूप है. यह प्रतियोगिता छात्रों की सामान्य जागरूकता के परीक्षण की अवधारणा को आगे बढ़ाती है. यह युवा मस्तिष्क को ज्ञानवान बनाने और राष्ट्र निर्माण में उनकी भूमिका को अधिक ऊंचाइयों तक पहुंचाने के लिए छात्रों में जागरूकता फैलाने वाला एक मंच है.

प्रतियोगिता हाइब्रिड मोड में आयोजित की जाएगी, जिसमें नौवीं से 12 तक के बच्चे हिस्सा ले सकते हैं. प्रतियोगिता का आयोजन प्रतिभागियों का व्यापक मूल्यांकन करते हुए चार चरणों में किया जाएगा. पहले दो चरण ऑनलाइन मोड में शुरू होंगे, जिसमें तीन एलिमिनेशन राउंड का आयोजन होगा. इसके बाद एक जोनल सेलेक्शन राउंड का भी आयोजन किया जाएगा. जोनल सेलेक्शन राउंड में शीर्ष 16 टीमें क्वालिफाई करेंगी और उसके बाद सेमीफाइनल में पहुंचेंगी. सेमीफाइनल से आठ टीमें ग्रैंड फिनाले के लिए क्वालिफाई करेंगी. सेमीफाइनल और ग्रैंड फिनाले प्रतियोगिता दक्षिणी नौसेना कमान में ऑफलाइन मोड में आयोजित की जाएंगी. विजेताओं को आकर्षक पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे.

क्लासिफाइड

राज्यभर की खबरों के लिए स्कैन करें

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in

जमशेदपुर, शुक्रवार 19 जुलाई 2024 ● आषाढ़ शुक्ल पक्ष 13 संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ ● वर्ष : 2, अंक : 101

आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

ब्रीफ खबर

जंगली हाथी की चपेट में आने से चरवाहा घायल

बहरागोड़ा। पूरनापानी पंचायत अंतर्गत दांदूडीह साल जंगल में गुरुवार को महुलचुई गांव निवासी रघु राणा (62 वर्ष) बैल चराने के लिए जंगल गया था . वहां जंगली हाथियों के हमले में घायल हो गया. घटना के काफी देर बाद उसी जंगल में बैल चरा रहे अन्य लोगों की नजर पड़ी तो उसे जंगल से उठाकर घर लाये. वनरक्षी किशोर करण महतो एवं उत्तम भगत पीड़ित के घर पहुंचे और घटना की जानकारी ली.

बिरसानगर में दो लाख के गांजा के साथ एक धराया

जमशेदपुर । बिरसानगर थाना अंतर्गत जोन नंबर 8 मोची बस्ती निवासी देव कुमार गुप्ता के घर गुरुवार शाम धालभूम एसडीओ पारुल सिंह ने बिरसानगर पुलिस के साथ छापेमारी की. मौके से करीब 2 लाख रुपया कीमत का 10.890 किलो गांजा बरामद किया गया वहीं 44 हजार रुपये भी जब्त किए गए है. छापेमारी के दौरान देव कुमार गप्ता को गिरफ्तार किया गया है जबकि देव का बेटा मनीष फरार हो गया.

बहन से छेड़छाड़ का विरोध करने पर किया हमला

जमशेदपुर । मानगो थाना अंतर्गत क्रॉस रोड नंबर 14 निवासी एक नाबालिग से छेड़छाड़ करने का विरोध करने पर तीन युवकों ने नाबालिग के भाई पर धारदार हथियार से हमला कर दिया. घटना बुधवार की है. पीड़ित ने मानगो थाना में जिशान आलम अंसारी, शहनवाज अंसारी और शहजादा के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई. मानगो पुलिस ने आरोपी जिशान को गिरफ्तार कर लिया है.

कारगिल विजय दिवस के आज पूरे होंगे 25 वर्ष

जमशेदपुर । कारगिल विजय दिवस का 25 वर्ष 19 जुलाई को पूरा हो रहा है. इस उपलक्ष्य में ग्रेटर नोएडा के इंडिया एक्सपो सेंटर में रजत कार्यक्रम आयोजित किया गया है. उक्त कार्यक्रम में शहर के तीनों सेनाओं के पूर्व सैनिक शामिल होंगें. इसके लिए बृहस्पतिवार को शहर से छह सदस्यीय अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद पूर्वी सिंहभूम की टीम रवाना हुई.

मायुमं ने दो जरुरतमंद बच्चों को लिया गोद

जमशेदपुर । मारवाड़ी युवा मंच टाटानगर अचीवर्स शाखा द्वारा झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी युवा मंच के स्थापना दिवस सप्ताह के अवसर पर पूर्व प्रांतीय अध्यक्ष विनय अग्रवाल के सम्मान में गुरुवार को दयानंद पब्लिक स्कूल, साकची के दो जरुरतमंद बच्चों को एक साल की शिक्षा प्रदान करने के लिए गोद लिया. यह कार्यक्रम कोषाध्यक्ष प्रतीक अग्रवाल और सदस्य मेघा चौधरी के सौजन्य से पूर्ण हुआ.

विद्युत तार की समस्या से लोगों को मिली निजात

घाटशिला । कसीदा पाइन कॉलोनी में 11 हजार वोल्ट का तार 12 वर्षों से लटक रहा था. ग्रामीणों ने गुरुवार को इसकी सूचना घाटशिला विधानसभा क्षेत्र के भाजपा नेत्री गीता मुर्मू को दी. उन्होंने बिजली विभाग के अधिकारी से बात की एवं मिस्त्री ले जाकर 11 हजार के तार को गांव में पुनः पहले जैसे लगवा दिया. इस काम के लिए ग्रामीणों ने गीता मुर्मू के प्रति आभार व्यक्त किया.

सामुदायिक भवन निर्माण कार्य की शुरुआत

जमशेदपुर । हितकु पंचायत अंतर्गत खुकड़ाडीह ग्राम में स्थित श्री श्री राधा गोविन्दो जयंतु सार्वजनिक मंदिर परिसर में विधायक निधि से सामुदायिक भवन निर्माण कार्य की शुरुआत जुगसलाई विधायक मंगल कालिंदी ने नारियल फोड़कर की. खुकड़ाडीह में ही उत्क्रमित उच्च विद्यालय में आयोजित अभिभावक शिक्षक संघ की बैठक में विधायक ने विद्यालय में उत्कृष्ट कार्य करने वाले विद्यार्थियों और शिक्षिकाओं को सम्मानित किया.

चांडिल में झुंड से बिछड़े हाथी मचा रहे उत्पात, लावा में दो मकानों को किया क्षतिग्रस्त, दहशत में ग्रामीण

कुकड़ू प्रखंड के ओड़िया क्षेत्र में 15 जंगली हाथियों के झुंड ने जमाया डेरा

संवाददाता । चांडिल

चांडिल अनुमंडल क्षेत्र में जंगली हाथियों का उत्पात थमने का नाम नहीं ले रहा है. जंगली हाथियों का उत्पात बदस्तूर बढ़ता ही जा रहा है. समूचा अनुमंडल क्षेत्र जंगली हाथियों से प्रभावित है. आए दिन कहीं ना कहीं जंगली हाथियों की उपस्थिति का समाचार मिल ही जाता है. ऐसे में लोग दहशत के साये में रहने पर मजबूर हैं. जंगली हाथियों का झुंड जहां खेतों में किसानों के फसल को अपना आहार बना रहे हैं, वहीं रौंदकर बर्बाद भी कर रहे हैं. गांव में लोगों के मकानों को भी क्षतिग्रस्त कर अंदर रखे अनाज को अपना निवाला बना रहे हैं. ऐसे में क्षेत्र के किसान ना सही ढंग से खेती कर पा रहे हैं और ना घर पर चैन से सो पा रहे हैं. ग्रामीणों ने बताया कि फिलहाल कुकड़ू प्रखंड क्षेत्र के ओड़िया में 15 जंगली हाथियों का झुंड डेरा जमाये हुए है. चांडिल डैम में जलक्रीड़ा करते हाथियों के झुंड को देखा जा सकता है. वहीं झुंड द्वारा मकान व फसलों को क्षति पहुंचाकर अपनी उपस्थिति भी दर्ज करायी जाती रही है. ओड़िया गांव में भी जंगली हाथियों के झुंड ने मकानों को नुकसान पहुंचाया है.

पानी में खेलते हाथी

पश्चिम बंगाल की ओर गए हाथी

वन विभाग का दावा है कि जंगली हाथियों का झुंड पश्चिम बंगाल के अयोध्या पहाड़ की ओर चला गया है. झुंड से बिछड़कर जंगली हाथी एक-दो की संख्या में क्षेत्र में ही विचरण कर रहे हैं. चांडिल के वन क्षेत्र पदाधिकारी ने बताया कि झुंड से बिछड़े दो जंगली हाथी ने बुधवार की रात को लावा में दो मकानों को क्षतिग्रस्त किया है. उन्होंने बताया कि हाथियों को वापस जंगल की ओर ले जाने के लिए दो हाथी भगाओ दस्ता लगाया गया है. जानकारी के अनुसार हाथीनादा में एक, कादला में एक, बागड़ी में एक और लावा के आसपास दो की संख्या में जंगली हाथी विचरण कर रहे हैं. वैसे जंगली हाथी कहीं एक स्थान पर नहीं रह रहे हैं. रोज अपना ठिकाना बदल रहे हैं. जंगली हाथी आने-जाने के दौरान खेतों में लगी फसल को अपना आहार बना रहे हैं और फसलों को रौंदकर बर्बाद कर रहे हैं. ऐसे में लोग दहशत के साए में रहने पर मजबूर हैं. खेती का समय रहने के बाद भी लोग अकेले खेत जाने से भी कतरा रहे हैं.

कुकड़ू प्रखंड के हाथी प्रभावित गांव ओड़िया में गुरुवार को स्वच्छ चांडिल स्वस्थ चांडिल के संस्थापक समाजसेवी सुखराम हेम्ब्रम ने ग्रामीणों के बीच पटाखा और टॉर्च का वितरण किया. जंगली हाथियों से सुरक्षित रहने और अपना बचाव करने में ग्रामीणों को सहयोग के रूप में उन्होंने टॉर्च और पटाखा दिया.

इस अवसर पर ग्रामीणों ने जंगली हाथी से सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए वन विभाग के साथ सकारात्मक वार्ता करने का आग्रह किया. सुखराम हेम्ब्रम ने इस अवसर पर कहा कि जंगली हाथियों के मामले में वन विभाग से वार्ता कर पहल करने का आग्रह किया जाएगा. जरूरत पड़े तो इसके लिए वन मंत्री से भी मुलाकात की जाएगी.

बन्ना गुप्ता ने सरायकेला, नोवामुंडी व झींकपानी में खाद्य गोदामों का किया औचक निरीक्षण

सरायकेला में गजब की गड़बड़ी

एक ही दिन में एक वाहन ने सरायकेला,गम्हरिया व ईचागढ़ के चार-चार ट्रिप लगाये

- मंत्री बन्ना गुप्ता ने दिया वाहन व चालक को खोजने का निर्देश
- सरायकेला में स्टॉक से 3382 बोरा चावल व 85 बैग चना दाल मिला ज्यादा

वरीय संवाददाता । जमशेदपुर

खाद्य आपूर्ति मंत्री बन्ना गुप्ता ने बृहस्पतिवार को सरायकेला-खरसावां तथा पश्चिमी सिंहभूम जिले में स्थित तीन एसएफसीआई गोदामों का निरीक्षण किया. सबसे पहले सरायकेला प्रखंड मुख्यालय के समीप स्थित गोदाम का निरीक्षण किया. जहां अजब-गजब गड़बड़ियां मिलीं. चावल, गेहूं, चीनी, चना दाल के स्टॉक की जांच दौरान कोई खाद्यान्न स्टॉक से काफी कम तो कई स्टॉक से ज्यादा मिला.

यहीं नहीं सबसे चौकाने वाली बात यह सामने आयी कि उक्त गोदाम से 14 मई को एक वाहन (संख्या-बीआर16/0975) खाद्यान्न लेकर एक दिन में सरायकेला, गम्हरिया तथा ईचागढ़ चार-चार बार गया तथा वापस गोदाम आया. मामला अजीब लगने पर मंत्री का माथा ठनका. उन्होंने मौके पर मौजूद अधिकारियों को उक्त वाहन तथा उसके चालक का पता लगाने का निर्देश दिया. साथ ही उक्त वाहन कौन सा है, डिस्पैच चालान के अनुसार उक्त वाहन में कितना खाद्यान्न लोड किया गया था. सरायकेला गोदाम से सरायकेला, गम्हरिया तथा ईचागढ़ में किए गए डीएसडी (डोर स्टेप डिलीवरी) की दूरी का पता लगाने के साथ रिपोर्ट समर्पित करने के लिए कहा.

मंत्री ने जब स्टॉक रजिस्टर की जांच की तो उसमें गड़बड़ियां मिलीं. चीनी 245 बोरा की जगह 158 बोरा मिला. इसी तरह गेहूं भी 2200 की जगह 189 बोरा कम मिला. जबकि चावल का स्टॉक मात्रा से 3382 बोरा ज्यादा पाया गया.

इसी तरह चना दाल भी 96 की जगह 181 बैग पाया गया. इस अनियमितता पर मंत्री ने अधिकारियों को फटकार लगायी तथा कहा कि गड़बड़ी साबित होने पर सभी जेल भेजे जाएंगे. उन्होंने मामले की जांच कर रिपोर्ट समर्पित करने के लिए कहा.

सड़ा हुआ नमक यहां-वहां फेंके जाने पर भड़के

सरायकेला गोदाम का निरीक्षण पूरा करने के बाद मंत्री पश्चिमी सिंहभूम जिले में स्थित नोवामुंडी गोदाम पहुंचे. वहां खुले में सड़ा हुआ नमक देखकर मंत्री भड़क गए. उन्होंने मौके पर मौजूद अधिकारियों को जमकर फटकारा. बताया जाता है कि वहां भी स्टॉक का मिलान किया गया. जिसमें खाद्यान्न में हेरफेर सामने आयी. इसी तरह की गड़बड़ी झींकपानी गोदाम में भी मिली. मंत्री ने मौके से विभागीय उच्चाधिकारियों को दोषियों के खिलाफ विभागीय कार्रवाई करने का निर्देश दिया.

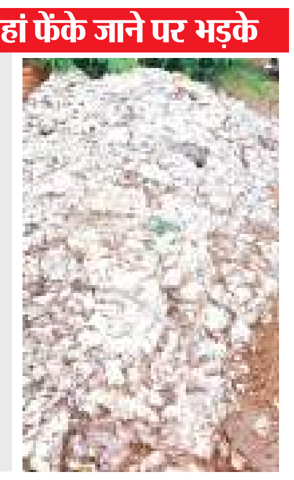

चांडिल में 10 हजार सीएफटी बालू का अवैध भंडार जब्त

संवाददाता । चांडिल

खनन विभाग को एनजीटी रोक के बावजूद ईचागढ़ व तिरूलडीह आदि क्षेत्र में बालू का अवैध खनन और परिवहन जारी रहने की सूचना मिली थी. इसका खुलासा तब हुआ था जब 15 जुलाई को बालू लदे तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने बाइक सवार एक युवक को धक्का मारकर घायल कर दिया था. इसके बाद गुरुवार को जिला खनन विभाग के इंस्पेक्टर समीर ओझा के नेतृत्व में छापामारी करने पर चांदुडीह में बालू का अवैध भंडारण मिला.

बगैर स्टॉक लाइसेंस के बालू का भंडारण मिलने के बाद खनन विभाग की टीम उसे जब्त कर आगे की कार्रवाई में जुट गयी है. खनन विभाग के इंस्पेक्टर ने बताया कि जब्त बालू 10 हजार सीएफटी से अधिक है. बालू का अवैध भंडारण कर कारोबार करने वालों के खिलाफ थाना में मामला दर्ज किया जाएगा. इस मामले में जमीन का सत्यापन कराने के बाद जमीन मालिक पर भी मामला दर्ज कराया जाएगा. बालू के अवैध कारोबार के खिलाफ विभाग का अभियान लगातार जारी रहेगा. छापामारी के बाद बालू कारोबारियों में हड़कंप मचा हुआ है. पूरे कोल्हान में एकमात्र ईचागढ़ के जारगोडीह घाट से जेएसएमडीसी द्वारा बालू का खनन किया जाता है. वर्तमान में बालू खनन पर एनजीटी की रोक लगी हुई है.

मुहर्रम जुलूस में फलस्तीनी झंडा लहराने का मामला

दुमका में एक गिरफ्तार जुगसलाई में केस दर्ज

संवाददाता । दुमका/जमशेदपुर

दुमका और जमशेदपुर मुहर्रम के जुलूस के दौरान फलस्तीनी झंडा लहराने के मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई की है. दुमका में एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है, जबकि एक अन्य व्यक्ति को भी हिरासत में लिया गया है. वहीं जमशेदपुर के जमशेदपुर के जुगसलाई थाना में दंडाधिकारी प्रेम प्रकाश हेंब्रम के बयान पर अज्ञात युवक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है.

दरअसल, बुधवार को दुमका के दुधानी चौक पर मुहर्रम जुलूस के दौरान एक वाहन पर फलिस्तीनी झंडा लहराने और नारेबाजी करने का वीडियो वायरल हुआ था. दुमका नगर थाना प्रभारी अमित कुमार लकड़ा ने बताया कि मुहर्रम जुलूस के दौरान फलस्तीनी झंडा लहराने के आरोप में देवघर सब्जी मंडी के एक निवासी को दुधानी स्थित उसके रिश्तेदार के घर से गिरफ्तार किया है. वहीं एक अन्य व्यक्ति को भी हिरासत में लिया है, जिससे पूछताछ जारी है.

दूसरी ओर जमशेदपुर के जुगसलाई में भी विगत मंगलवार की रात मुहर्रम के जुलूस के दौरान फलस्तीन का झंडा लहराने का वीडियो वायरल हुआ था. इस संबंध में पुलिस ने शांति भंग करने का प्रयास करने और आदेश का उल्लंघन करने का मामला दर्ज किया है. थाना प्रभारी नित्यानंद प्रसाद ने बताया कि एक युवक द्वारा फलस्तीन का झंडा फहराते हुए वीडियो वायरल हुआ था, जिसके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है. पुलिस वायरल वीडियो की जांच कर रही है.

भाजपा को सरयू राय के खिलाफ उम्मीदवार नहीं मिल रहा : सुबोध

जमशेदपुर । विधायक सरयू राय के खिलाफ खुले मंच से बयानबाजी करने पर भारतीय जनतंत्र मोर्चा ने विधायक भानु प्रताप शाही के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है. भानु प्रताप ने बुधवार को यहां भाजपा के एक सम्मेलन में कहा था कि भाजपा के डर से सरयू राय पूर्वी विधानसभा सीट की जगह कोई सुरक्षित सीट की तलाश में भागे-भागे फिर रहे हैं. अब गुरुवार को जिलाध्यक्ष सुबोध श्रीवास्तव ने बयान जारी कर कहा कि भानु प्रताप अपनी गिरेबां में झांके, मंत्री रहते उन्होंने मधु कोड़ा के मुख्यमंत्रित्व काल में सबसे बड़ा दवा घोटाला किया. इस मामले में वे जेल भी चुके हैं. अब सीबीआई जांच से बचने के लिए भाजपा की शरण में जाकर बैठे हैं. अभी तक तो भाजपा को कोई उम्मीदवार ही नहीं मिल रहा है जो जमशेदपुर पूर्वी विधानसभा क्षेत्र से विधायक सरयू राय के खिलाफ चुनाव लड़े.

नगर निकायों को हैंडओवर होंगी जमशेदपुर सहित चार शहरों की जलापूर्ति योजनाएं

विशेष संवाददाता। रांची

जमशेदपुर शहर सहित चार शहरों की 21 जलापूर्ति योजना के साथ पूरा सेटअप अब नगर निकायों के हवाले होगा. इसो लेकर पेयजल एवं स्वच्छता विभाग ने आदेश जारी कर दिया है. पेयजल विभाग अब केवल केंद्र व राज्य प्रायोजित ग्रामीण जलापूर्ति योजनाओं पर ही काम करेगा. सरकार के इस आदेश के बाद वर्षों से शहरी जलापूर्ति को लेकर सरकार के दो विंग के बीच जारी टकराव और रस्साकस्सी भी खत्म हो जाएगा. बतातें चले कि वर्तमान में पेयजल विभाग विभिन्न डैम एवं जलाशयों से वाटर ट्रीटमेंट, ऑपरेशन, मेटेनेंस और राइजिंग पाइप लाइन के जरिए विभिन्न जलमीनार एवं संपों तक पानी पहुंचाने का काम करता है, जबकि नगर निकाय वाटर कनेक्शन देने और वाटर टैक्स वसूलने का काम करता है. इसे लेकर हमेशा ही दोनों विंग में टकराव की स्थिति उत्पन्न होती रहती है. बतातें चलें कि शुभम संदेश ने 30 अप्रैल के अंक में ही खबर प्रकाशित की थी कि जल्द ही शहरी जलापूर्ति योजना नगर निकायों के हवाले होगी.

30 अप्रैल को छपी खबर

कैसी होगी हैंडओवर की प्रक्रिया

पेयजल विभाग के जारी आदेश के अनुसार, 21 शहरी जलापूर्ति योजनाओं की पेयजल एवं स्वच्छता विभाग और नगर विकास एवं आवास विभाग की संयुक्त टीम भौतिक निरीक्षण करेगी. इसके बाद संबंधित नगर निकाय को योजनाएं हस्तांतरित की जाएंगी. पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के संबंधित कार्यपालक अभियंता वर्तमान में योजना के रखरखाव एवं परिचालन के लिए बनाए गए वार्षिक बजट एवं मानवबल की विस्तृत विवरणी संबंधित नगर निकाय को उपलब्ध कराएंगे. योजना के जलस्रोत से जल निकासी के लिए जल संसाधन विभाग से प्राप्त आवंटन पत्र या अनापत्ति पत्र और उनके रखरखाव का विस्तृत ब्योरा भी विभिन्न नगर निकाय को उपलब्ध करा दिया जाएगा.

ये शहरी जलापूर्ति योजनाएं होंगी हैंडओवर

रांची के हटिया, गोंदा और स्वर्णरखा शहरी जलापूर्ति योजना को रांची नगर निगम, पूर्वी सिंहभूम की मानगो शहरी जलापूर्ति योजना को मानगो और आदित्यपुर नगर निगम द्वारा पूरा किया जाएगा.

भोलू हत्याकांड के आरोपी विक्की नंदी ने कोर्ट में किया सरेंडर

जमशेदपुर । कदमा में भोलू कुम्हार हत्याकांड के मुख्य आरोपी विक्की नंदी ने गुरुवार को कोर्ट में सरेंडर कर दिया. पुलिस विक्की की गिरफ्तारी के लिए लगातार दबाव बना रही थी. वहीं पुलिस विक्की के गैंग के सदस्यों से भी लगातार पूछताछ कर रही थी. पुलिस की गिरफ्तारी के डर से विक्की ने कोर्ट में सरेंडर कर दिया.

इधर, विक्की के सरेंडर के बाद पुलिस उसे रिमांड में लेने की तैयारी कर रही है. विक्की नंदी आदित्यपुर में कई अवैध कारोबार में संलिप्त है. बता दे कि 23 मई को कदमा बाजार में कार्तिक मुंडा के सहयोग भोलू कुम्हार की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी.

इस मामले में विक्की नंदी का नाम सामने आया था. हालांकि पुलिस ने कार्रवाई करते हुए घटना में संलिप्त दो लोगों को गिरफ्तार कर जेल भी भेज दिया था.

राजनीति | खेमों में बंटी पूर्वी सिंहभूम जिला कांग्रेस कमिटी, एक ही मुद्दे पर नेता कर रहे अलग-अलग कार्यक्रम

विधानसभा चुनाव में जमशेदपुर पूर्वी से टिकट के लिये कांग्रेस में मचेगा घमासान, दिखने लगे आसार

सुनील पांडेय । जमशेदपुर

पूर्वी सिंहभूम जिला कांग्रेस कमिटी में सब कुछ ठीक-ठाक नहीं चल रहा है. जिलाध्यक्ष पद पर अपने-अपने चहेते को बैठाने को लेकर खेमे में बंटी कांग्रेस की गुटबाजी अब खुलकर सामने आ गई है. इसका असर आगामी विधानसभा चुनाव में देखने को मिल सकता है. जमशेदपुर पूर्वी विधानसभा क्षेत्र से टिकट को लेकर आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस में घमासान मचना तय है. 2014 का चुनाव लड़ चुके जिलाध्यक्ष आनंद बिहारी दुबे भी इस बार टिकट की आस लगाए बैठे हैं. इसी उम्मीद के साथ उन्होंने क्षेत्र में छोटे-बड़े कार्यक्रमों के साथ अपनी सक्रियता जारी रखी है. वहीं लोकसभा चुनाव खत्म होने के बाद डॉ. अजय कुमार ने जमशेदपुर में अपनी सक्रियता बढ़ा दी है. ऐसे में विधानसभा चुनाव में टिकट के लिए अभी से जोर आजमाइश शुरू हो गई है. 2019 के चुनाव में आनंद बिहारी दुबे ने जोर लगाया था. लेकिन कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता डॉ. गौरव बल्लभ बाजी मार ले गए. हालांकि गौरव बल्लभ चुनाव हार गए. बाद में उन्होंने कांग्रेस छोड़कर भाजपा ज्वाइन कर ली. डॉ. अजय कुमार सीडब्ल्यूसी के सदस्य के साथ-साथ राष्ट्रीय प्रवक्ता तथा मणिपुर एवं ओडिशा के प्रभारी हैं. वे कांग्रेस आलाकमान निकटवर्ती भी हैं. जिला कांग्रेस में कार्यक्रम आयोजन को लेकर गुटबाजी इन दिनों खुलकर सामने आ गई है. डॉ. अजय कुमार की तत्परता के बाद उनके समर्थक खासे उत्साहित एवं सक्रिय हो गए हैं. उनके निर्देश पर जगह-जगह मेडिकल कैंप, पेंशन शिविर, फुटबॉल किट का वितरण सरीखे कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं. जिससे जिलाध्यक्ष आनंद बिहारी दुबे दूरी बनाए हुए हैं. वहीं आनंद बिहारी दुबे भी अपने समर्थकों के साथ अलग-अलग कार्यक्रम आयोजित कर रहे हैं. 30 जून को भालूबासा मुखी बस्ती में डॉ. अजय कुमार ने मेगा हेल्थ कैंप आयोजित किया. उक्त कैंप में उनके समर्थक मौजूद रहे. लेकिन जिला कांग्रेस अध्यक्ष एवं उनके समर्थक नहीं आए. रथयात्रा के दिन 7 जुलाई को आनंद बिहारी दुबे के निर्देश पर गोलमुरी प्रखंड कांग्रेस कमिटी की ओर से लाल भट्ठा, भुइयांडीह में निःशुल्क चिकित्सा शिविर एवं पेंशन शिविर का आयोजन किया. उसी दिन डॉ. अजय कुमार ने भी बागुननगर, टुईलाडूंगरी और बाराद्वारी में समानांतर हेल्थ चेकअप कैंप सह पेंशन शिविर लगाया. बारीडीह चौक से 9 जुलाई को डॉ. अजय कुमार ने जनकल्याण वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया. उक्त कार्यक्रम से भी जिलाध्यक्ष ने दूरी बनाए रखी. इससे पहले 2 जुलाई को डॉ. अजय कुमार ने भुइयांडीह लकड़ी टाल बस्ती का दौरा किया.

मैं पार्टी के प्रोटोकॉल से बंधा हूं : आनंद बिहारी

पूर्वी सिंहभूम जिला कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष आनंद बिहारी दुबे ने कहा कि वे कांग्रेस के प्रोटोकॉल से बंधे हैं. अब प्रोटोकॉल के विपरीत कोई व्यक्ति कार्यक्रम आयोजित कर रहा है, इसकी हमें जानकारी नहीं है.

हमारे लिये जनहित का मुद्दा सर्वोपरी : डॉ. अजय

पूर्व सांसद डॉ. अजय कुमार ने इस मुद्दे पर कहा कि हमारे लिए जनहित का मुद्दा सर्वोपरी है. कांग्रेस का हर बड़ा और छोटा कार्यकर्ता गुटबाजी से हटकर जनहित के कार्यों में लगा हुआ है.

150 घरों को तोड़ने के मामले में दोनों ने पकड़ी अलग-अलग राह

कांग्रेस जिलाध्यक्ष आनंद बिहारी दुबे एवं डॉ. अजय कुमार के बीच बनी दूरी तब खुलकर सामने आ गई. जब अंचल कार्यालय की ओर से भुइयांडीह से सटे इंदिरानगर, कल्याण नगर के 150 घरों को तोड़ने के लिए नोटिस जारी किया. नोटिस की जानकारी मिलते ही डॉ. अजय कुमार ने इस मामले में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को ट्वीट कर तथा पत्र लिखकर इसकी जानकारी दी. साथ ही मीडिया में मुख्यमंत्री के हवाले से बयान जारी कर कहा कि कोई भी घर नहीं टूटेगा. डॉ. अजय के ट्वीट के दूसरे दिन 15 जुलाई को घर टूटने के मामले में आनंद बिहारी दुबे ने रांची जाकर स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता को मांग पत्र सौंपकर आवश्यक कार्रवाई की मांग की. इससे जाहिर है कि दोनों की राहें जुदा हैं.

पोस्टर-बैनर से जिला, प्रदेश व राष्ट्रीय नेताओं के फोटो गायब

डॉ. अजय कुमार की शहर में सक्रियता एवं कार्यक्रमों के आयोजन के दौरान लगने वाले पोस्टर एवं बैनरों में जिलाध्यक्ष तो दूर की बात प्रदेश एवं राष्ट्रीय नेताओं के फोटो नदारद रहे. कांग्रेस के एक नेता ने नाम नहीं छापने की शर्त पर बताया कि डॉ. अजय कुमार प्रारंभ से ही अपनी मनमानी करते आए हैं. जिसके कारण समर्पित कांग्रेसियों ने उनसे दूरी बना ली. उन्होंने जिला संगठन से ज्यादा अपने समर्थकों को तवज्जो दी. जिसके कारण कांग्रेसियों ने उनके कार्यक्रम से दूरी बना ली.

एनआईटी के रजिस्ट्रार की कार्यशैली पर उठ रही उंगली, महालेखा परीक्षक से जांच की मांग

सेवानिवृत कर्मियों की आंतरिक अंकेक्षक पद पर बहाली से उठे सवाल

संवाददाता | जमशेदपुर

एनआईटी जमशेदपुर में सेवानिवृत कर्मियों के आंतरिक अंकेक्षक पद पर बहाली होने से सवाल उठ रहे हैं. इसमें संस्थान के रजिस्ट्रार डॉ एन के राय की कार्यशैली पर उंगली उठ रही है और इस बहाली प्रक्रिया की जांच की मांग हो रही है. भाजपा ओबीसी मोर्चा जिला मंत्री संतोष मंडल ने एनआईटी के डायरेक्टर और बोर्ड ऑफ गवर्नेंस को ई मेल भेजकर इस बहाली प्रक्रिया की जांच की मांग की है. उन्होंने यह जांच नियंत्रक और महालेखा परीक्षक द्वारा कराने की मांग की है ताकि निष्पक्ष और गहन जांच एवं आवश्यक कारवाई सुनिश्चित हो सके.

अपने पत्र में भाजपा नेता ने बताया है कि रजिस्ट्रार डॉ निशीथ कुमार राय द्वारा संस्थान में आंतरिक अंकेक्षक के पद तीन-तीन सेवानिवृत कर्मियों की बहाली की गई है. योग्य कर्मियों को स्थापना शाखा, वित्त एवं लेखा शाखा, भंडार एवं क्रय शाखा जैसे स्थानों पर स्थानांतरित कर दिया गया है. उनके स्थान पर संविदा पर अनुभवहीन कर्मचारियों को नियुक्त किया गया है. आरोप है कि संस्थान में आंतरिक अंकेक्षक का कोई भी पद स्वीकृत नहीं है, इसके बावजूद उन्होंने नियम के विरुद्ध तीन सेवानिवृत कर्मचारियों सैयद फैजल रहमान, आरके सिन्हा और अजय कुमार शामिल को इस पद पर नियुक्त किया है. इससे भविष्य में कोई भी वित्तीय अनियमितता सीएजी द्वारा नियुक्त ऑडिट फर्म द्वारा संस्थान के ध्यान में लाई जाती है तो कर्मचारियों की जवाबदेही सुनिश्चत करना संस्थान के लिए असंभव होगा.

आंतरिक अंकेक्षक के पद पर बहाली नियम संगत : प्रवक्ता

संस्थान के रजिस्ट्रार डॉ एनके राय द्वारा संस्थान में आंतरिक अंकेक्षक के पद पर की गई सेवानिवृत कर्मियों की बहाली को प्रबंधन ने नियम संगत बताया है. संस्थान के प्रवक्ता एसके भगत ने कहा कि जहां तक रजिस्ट्रार के ऊपर उंगली उठाने की बात है तो यह जांच का विषय है, महालेखाकार जांच करेंगे तो दूध का दूध पानी का पानी हो जाएगा. उन्होंने कहा कि जिस व्यक्ति ने जांच की मांग की है वो पूर्वाग्रह से ग्रस्त हैं, इससे पूर्व भी वे रजिस्ट्रार की नियुक्ति को चुनौती दे चुके हैं जिसमें जांच हुई और वे पाक साफ निकले हैं.

जमशेदपुर में एटीएम से ठगी का सिलसिला फिर से शुरू

एटीएम में कार्ड फंसा, 30 हजार की हो गयी ठगी

मशीन के पास के बैनर पर लिखे नंबर पर किया था फोन

संवाददाता | जमशेदपुर

शहर में एक बार फिर एटीएम से ठगी का सिलसिला शुरू हो चुका है. हालांकि अब ठगों ने ठगी का तरीका बदल दिया है. ठग अब एटीएम मशीन में एटीएम कार्ड को फंसाकर ठगी कर रहे हैं. बुधवार रात साकची में एक महिला से इस तरह की ठगी कर खाते से 34 हजार रुपये की निकासी कर ली गई थी. ताजा मामला मानगो का है जहां गुरुवार को मानगो पोस्ट ऑफिस रोड निवासी अजीत कुमार ठगी का शिकार हो गए. अजीत अपने एसबीआई बैंक का एटीएम कार्ड लेकर डिमना रोड स्थित पीएनबी के एटीएम से रुपये निकालने गए थे. इस दौरान उनका एटीएम कार्ड मशीन में फंस गया. मशीन के पास ही एक बैनर लगा हुआ था जिसमें एटीएम कार्ड फंसने पर सहायता के लिए फोन करने को कहा गया. उक्त फोन नंबर पर फोन करने पर संबंधित व्यक्ति ने कुछ जानकारी ली जिसके बाद खाते से तीन बार में 10-10 हजार कर कुल 30 हजार रुपये कटने का मैसेज आया.

सब्जी बेच रही महिला ने फोन करने को कहा

अजीत ने बताया कि एटीएम कार्ड फंसने के बाद सड़क पार सब्जी बेच रही एक महिला आई और बैनर की ओर इशारा करते हुए कहा कि उक्त नंबर पर फोन कर मदद ले लिजिए. दिए गए नंबर पर फोन करने के बाद सामने वाले व्यक्ति ने कहा कि एटीएम कार्ड निकालकर दूसरे एटीएम में चले जाए. फोन पर बात करने वाला व्यक्ति उनका हुलिया भी बता रहा था. संभवतः उसका कोई सदस्य रेकी कर रहा हो. दूसरे एटीएम मशीन में जाने के दौरान पैसे कटने का मैसेज आया. अजीत ने बताया कि ठग द्वारा बिष्टुपुर के एक ज्वेलरी दुकान से खरीदारी की गई है. इस संबंध में साइबर थाना में लिखित शिकायत की गई है.

बोड़ाम में नहर से मिला चाईबासा की युवती का शव

- बैग से मिले कागजात से हुई पहचान
- घर से इतनी दूर कैसे पहुंची युवती, उठ रहे सवाल

संवाददाता | जमशेदपुर

बोड़ाम थाना अंतर्गत सालदोहा जाहेरथान के पीछे स्थित नहर से पुलिस ने गुरुवार सुबह एक युवती का शव बरामद किया. सूचना पर पटमदा डीएसपी बचनदेव कुजूर और थाना प्रभारी उपेंद्र नारायण सिंह मौके पर पहुंचे. स्थानीय लोगों की मदद से शव को नहर से बाहर निकाला गया. युवती की पहचान चाईबासा के जामुनबेरा गांव निवासी 20 वर्षीय खुशीमती सोय के रूप में की गई.

थाना प्रभारी उपेंद्र नारायण सिंह ने बताया कि बुधवार शाम नहर के पास एक वृद्ध महिला नहा रही थी. इसी दौरान युवती भी नहाने पहुंची थी. नहर में अचानक पानी बढ़ने से युवती पानी के बहाव में बह गई. महला ने इसकी जानकारी गांव वालों को दी जिसके बाद पुलिस को सूचित किया गया था. गुरुवार सुबह पुलिस ने घटना स्थल से आधा किमी दूर युवती का शव बरामद किया.

घटना स्थल पर जांच के लिए पहुंची पुलिस.

थाना प्रभारी ने बताया कि जहां युवती नहाने के लिए उतरी थी वहां युवती का बैग और कपड़े बरामद किए गए. बैग में 11वीं कक्षा का एक प्रश्नपत्र मिला जिसपर खुशीमती सोय लिखा हुआ था. उस पर कुछ लोगों के नाम और फोन नंबर अंकित थे. जिसके आधार पर युवती की पहचान की गई.

युवती के परिजनों ने बताया कि वे लोग चाईबासा में रहते हैं. खुशीमती मंगलवार को ही घर से निकली थी फिर वापस नहीं लौटी. आज पुलिस ने शव मिलने की जानकारी दी. परिजनों ने बताया कि खुशीमती घर से इतनी दूर क्या करने आई इसके बारे में उन्हें जानकारी नहीं है.

जेपी आंदोलन में शहीद छात्रों को दी श्रद्धांजलि

जमशेदपुर। वर्ष 1974 के जेपी आंदोलन में शहीद हुए जमशेदपुर के तीन छात्रों (प्रणब मुखर्जी, राजीव रंजन व मोहम्मद मूसीन) को बृहस्पतिवार को साकची शहीद चौक में श्रद्धांजलि अर्पित की गई. शहीद स्मारक निर्माण समिति एवं जेपी युवा छात्र संघर्ष मोर्चा के बैनर आयोजित कार्यक्रम में जेपी आंदोलन में शामिल शहर के लोग शामिल हुए. विष्णु भगवान पाठक एवं कमल प्रसाद सिंह ने कहा कि आज पूरे देश में जेपी जैसे एक और आंदोलन की जरूरत है.

सीनी में दो नाबालिग से दुष्कर्म, एक आरोपी पकड़ाया

दो युवक भाग निकले, पकड़े गए युवक की ग्रामीणों ने रात भर की पिटाई

- घायल युवक को ग्रामीणों से बचाकर पुलिस ने अस्पताल में भर्ती कराया

संवाददाता | आदित्यपुर

सरायकेला-खरसांवा जिले के सीनी में दो नाबालिग के साथ दुष्कर्म का मामला प्रकाश में आया है. दुष्कर्म में शामिल एक युवक को ग्रामीणों ने पकड़ लिया और बंधक बनाकर पूरी रात पिटाई की. गंभीर रूप से घायल युवक को ग्रामीणों की चंगुल से छुड़ाकर पुलिस ने सदर अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया है. घटना में शामिल अन्य दो युवक मौके का फायदा उठाकर भागने में सफल रहे.

घटना सिनी ओपी अंतर्गत बुधवार की रात करीब डेढ़ बजे एक गांव की है. ग्रामीणों के अनुसार सरायकेला संजय ग्राम के तीन युवक विजय कुरली, गणेश सोय और विकास हेंब्रम एक बाइक पर सवार होकर संकोडीह मेला देखने गए थे.

लौटने के क्रम में सिनी ओपी अंतर्गत एक गांव में शौच के लिए निकली दो नाबालिगों को युवकों ने धर दबोचा और उनके साथ सामूहिक दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया. इसी दौरान शोर शराबा के बाद ग्रामीणों ने तीनों को धर दबोचा. गणेश और विकास अंधेरे का फायदा उठाकर मौके से भाग निकले, जबकि विजय कुरली को ग्रामीणों ने पकड़ लिया और उसे बंधक बनाकर पिटाई की है.

सूचना मिलते ही सिनी ओपी पुलिस मौके पर पहुंची और किसी तरह से युवक को ग्रामीणों की चंगुल से बाहर निकालकर अपने कब्जे में ले लिया. युवक को इलाज के लिए गुरुवार तड़के सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है.

घरेलू हिंसा रोकने के लिए घाटशिला में जेंडर रिसोर्स सेंटर की होगी स्थापना

महिला हिंसा को सेंटर स्तर पर ही रोका जाएगा : बीडीओ

संवाददाता | घाटशिला

घाटशिला प्रखंड कार्यालय सभागार में गुरुवार को घरेलू हिंसा रोकने के लिए बीडीओ युनिका शर्मा की अध्यक्षता में बैठक हुई. बैठक में महिलाओं पर हो रहे अत्याचार पर किस तरह अंकुश लगाया जाए. इसके लिए जेएसएलपीएस संस्था की ओर से जेंडर रिसोर्स सेंटर की स्थापना को लेकर चर्चा की गई. जेंडर रिसोर्स सेंटर में पदेन बीडीओ, थाना प्रभारी, पंचायत प्रतिनिधि, सीडीपीओ, डालसा एवं अन्य रिसोर्स पर्सन को शामिल किया जाएगा. बीडीओ ने कहा कि ग्रामीण इलाके में अभी भी महिलाओं पर हिंसा हो रही है. गांव स्तर पर तो कुछ प्रखंड स्तर पर हो रही है. इसे सेंटर के माध्यम से रोकने के लिए ही सेंटर की स्थापना की जाएगी. महिला हिंसा को सेंटर स्तर पर ही रोका जाएगा एवं आवश्यक कार्रवाई के लिए पुलिस एवं डालसा के सदस्य कानूनी सलाह देते हुए पीएलवी एवं मुखिया अपने स्तर से रोकने की पहल करेंगे. गांव में प्रचार-प्रसार के माध्यम से महिलाओं को अपने हक और अधिकार के लिए कानूनी सलाह देना एवं जागरूक करना मुख्य उद्देश्य है. घरेलू हिंसा रोकने के लिए कहां आवेदन करें, इन सब चीजों पर विस्तृत चर्चा की गई. बैठक में प्रखंड प्रमुख सुशीला टुडू, जेएसएलपीएस के वीपीएम मोतीलाल बेसरा, बीपीओ मनोज बिरुवा, डालसा की सदस्य सुप्रिती अधिकारी, मुखिया पार्वती मुर्मू, कल्पना सोरेन, कुलदीप रजक, संयुक्ता नायक, नमिता रानी महतो, पीएलबी जूली हेम्ब्रम आदि उपस्थित थे.

बंदोबस्ती से पहले ही दुकानों को लेकर शुरू हो गया विवाद

- लोगों ने की प्रमुख से शिकायत तिथि बढ़ाने की मांग

संवाददाता | घाटशिला

प्रखंड कार्यालय परिसर में पंचायत समिति सदस्य के निधि से बनायी गयी छह दुकानों की बंदोबस्ती होने के पहले ही विवाद शुरू हो गया है. दुकान बंदोबस्ती को लेकर कई लोगों ने प्रमुख सुशीला टुडू से आपत्ति जताते हुए विरोध किया कि 3 जुलाई से 16 जुलाई तक कुल 49 लोगों ने दुकान बंदोबस्ती के लिए प्रखंड नाजिर से एक हजार रुपया देकर फॉर्म खरीदा है. ऐसा प्रतीत होता है कि अलग-अलग नाम से एक ही परिवार के 10 लोगों ने फार्म खरीदा है. ऐसे में गरीबों को दुकान मिल पाना संभव नहीं है.

स्थानीय लोगों ने प्रमुख से मांग की है कि 18 जुलाई फॉर्म जमा करने की अंतिम तिथि है जबकि फार्म बिक्री 16 जुलाई को ही खत्म हो गयी. 20 जुलाई को दुकान बंदोबस्ती के लिए लॉटरी होना है. लोगों ने मांग की है कि फॉर्म बिक्री तथा जमा करने की तिथि एक सप्ताह बढ़ाई जाए या फिर खुली डाक के माध्यम से दुकानों की बंदोबस्ती कराई जाए. लोगों ने आरोप लगाया कि बंदोबस्ती को लेकर प्रखंड कार्यालय द्वारा प्रचार प्रसार भी सही तरीके से नहीं किया गया है.

इसके कारण काफी संख्या में लोग फार्म नहीं खरीद पाए हैं. प्रमुख सुशीला टुडू ने कहा कि इस संबंध में बीडीओ से बात कर तिथि बढ़ाई जाएगी. ताकि अधिक अधिक से अधिक लोग आवेदन कर सकें.

समस्या यूरेनियम अयस्क की सर्वे के दौरान तीन महीने पहले की गई थी बोरिंग

राजदोहा के मुख्य सड़क किनारे बोरिंग का हजारों लीटर पानी रोज हो रहा बर्बाद

- मुखिया व जिप सदस्य ने की पानी को खेतों तक पहुंचाने की मांग

संवाददाता | जादूगोड़ा

एक ओर जहां मानसून दगा दे गया है और किसानों के खेत सूखे पड़े हुए हैं वही दूसरी ओर पोटका प्रखंड अंतर्गत नरवा पहाड़ से सटे राजदोहा गांव के मुख्य सड़क किनारे बोरिंग का हजारों लीटर पानी रोजाना बर्बाद हो रहा है. इससे क्षेत्र के 25 से अधिक किसानों के खेतों तक पानी पहुंच सकता है. क्षेत्र में परमाणु ऊर्जा विभाग की ओर से यूरेनियम अयस्क की सर्वे के दौरान तीन महीने पहले बोरिंग की गई थी, जिसे बंद नहीं किया गया. ऐसे में इस बोरिंग से 24 घंटे पानी बहता रहता है. इस बोरिंग से निकले वाले पानी का असर यह है कि क्षेत्र के कुएं और तालाब सूखने लगे हैं.

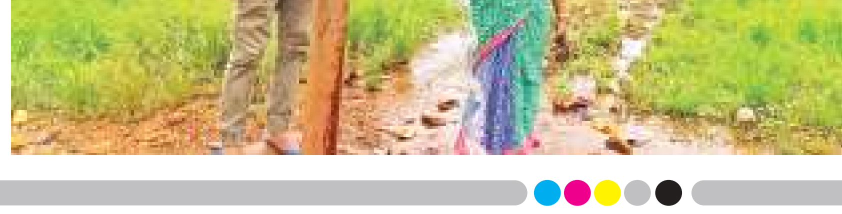

अगर इस बोरिंग को बंद नहीं किया गया तो क्षेत्र के सभी जल स्रोत सूख जायेंगे व लोग बूंद-बूंद पानी को तरसेंगे. इसे लेकर क्षेत्र की मुखिया अनिता मुर्मु व जिला परिषद सदस्य हिरण्यमय दास ने सरकार व प्रशासन से राजदोहा गांव की बोरिंग को बंद करने या बहते पानी को किसानों के खेतों तक पहुंचाने की मांग उठाई है, ताकि पानी की बर्बादी रूक सके.

ब्रीफ खबरें

बहरागोड़ा में मनरेगा कर्मी सांकेतिक हड़ताल पर

बहरागोड़ा। प्रखंड कार्यालय परिसर में बहरागोड़ा प्रखंड क्षेत्र के कार्यरत सभी रोजगार सेवकों ने 18 जुलाई से 20 जुलाई तक की सांकेतिक हड़ताल के पहले दिन धरना दिया. इस अवसर पर उन्होंने अपने झारखंड राज्य मनरेगा कर्मचारी संघ की ओर से प्रस्तावित आंदोलन वादा निभाओ ,स्थाई करो के तहत सरकार के खिलाफ नारेबाजी की. वहीं 22 जुलाई से अनिश्चित हड़ताल पर जाने की घोषणा भी की गई. इस मौके पर देवी प्रसाद घोष, दीपक कुमार बेरा, समीर कुमार मंगल, शंकर मंडल, मदन टुडू, असीम बेरा, पुदेंदु घोष ,जयंत कुमार बारिक आदि उपस्थित थे.

मर्सी से आस्था ट्वीन सिटी तक सड़क का सर्वेक्षण

जमशेदपुर। बारीडीह मर्सी अस्पताल से आस्था ट्वीन सिटी के बीच सड़क का पथ निर्माण विभाग के सचिव के आदेश पर बृहस्पतिवार को विभाग कार्यपालक अभियंता दीपक सहाय और एसडीओ ने दोनों जगहों का स्थल सर्वेक्षण किया. इस संबंध विधायक सरयू राय ने बताया कि उक्त एरिया में ट्रैफिक का लोड लगातार बढ़ता ही जा रहा है, जिसके कारण लोगों को दिक्कत हो रही है. उन्होंने इस संबंध में पथ निर्माण विभाग के सचिव से बात की थी और उनसे दिशा में काम करने का आग्रह किया था.

कांग्रेस ने वितरित किये पेंशन के प्रमाण पत्र

जमशेदपुर। पूर्वी सिंहभूम जिला कांग्रेस कमेटी के तत्वाधान में जनसेवा कार्यक्रम के तहत टिनप्लेट चौक के समीप सर्वजन पेंशन योजना से संबंधित लोगों का प्रमाण पत्र वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया. जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष आनंद बिहारी दुबे ने पेंशनधारी लाभुकों के बीच प्रमाण पत्र का वितरण किया. जिला अध्यक्ष आनंद बिहारी दुबे ने बताया कि वैसे सभी लोग जो सर्वजन पेंशन योजना के अंतर्गत आते हैं, जिसमें वृद्धावस्था पेंशन, विधवा पेंशन, दिव्यांग पेंशन के लाभुकों को प्रमाण पत्र दिया गया.

फुट ओवरब्रिज के विस्तार व अंडरपास की मांग

घाटशिला । सांसद कार्यालय जमशेदपुर में भारतीय जनता पार्टी धालभूमगढ़ के कार्यकर्ताओं ने पूर्व प्रत्याशी लखन मार्डी के नेतृत्व में सांसद विद्युत वरण महतो से धालभूमगढ़ रेलवे स्टेशन में फुट ओवर ब्रिज का विस्तार व अंडरपास की मांग को लेकर मिला एवं ज्ञापन सौंपा. सांसद ने कहा धालभूमगढ़ में फुट ओवर ब्रिज का विस्तार व अंडरपास की मांग मेरी प्राथमिकता में है. पटनायकशोल व आसपास के ग्रामीणों को फुट ओवर ब्रिज और अंडर पास नहीं होने के वजह से बहुत दिक्कतें हो रही है.

न्यू सनराइज क्लब ने गणेश पूजा तैयारियों पर की चर्चा

जमशेदपुर। बागबेड़ा, सिदो-कान्हू मैदान स्थित लोहिया भवन में न्यू सनराइज क्लब के पदाधिकारियों की बैठक हुई. जिसमें आगामी गणेश पूजा को लेकर तैयारियों पर चर्चा की गई. जिसमें भूमि पूजन, पंडाल निर्माण, मेला आयोजन, सांस्कृतिक कार्यक्रम को लेकर प्रारूप तैयार किया गया. बैठक में मुख्य रूप से बबलू पाठक, धर्मेंद्र चौहान, डब्बू सिंह, राहुल झा, सत्यम पाण्डेय, राजू रजक, मुकेश सिंह, सुजीत राम,परशुराम सिंह, राजन रजक, बबलू राम, सूरज जैसवाल, अमित शर्मा, चंदन कुमार, रविन्द्र यादव, शिवेश कुमार, पवन सिंह, अवधेश ठाकुर एवं अन्य सदस्य उपस्थित रहे.

कुश करवा छऊ दल को मंत्री ने किया सम्मानित

आदित्यपुर। आदित्यपुर-गम्हरिया के कुश करवा छऊ दल ने रांची में आयोजित जगन्नाथ महोत्सव में अपनी कला से धूम मचाई. छऊ दल को मंत्री चंपाई सोरेन ने सम्मानित किया. कुश करवा अंतरराष्ट्रीय स्तर के बांसुरी और शहनाई वादक हैं जो दुनिया के करीब 16 देशों में अपनी कला से पहचान बना चुके हैं. जगन्नाथ महोत्सव में उनकी टीम ने राधा कृष्ण और गणेश आरती की प्रस्तुति से लोगों का मन मोह लिया. उनकी टीम में विवेक कुम्भकार, विशाल कुमार करवा, रमन कुमार और अरुण कुमार करवा शामिल थे जिन्होंने सरायकेला छऊ शैली की प्रस्तुति दी.

न्यूज अपडेट

अज्ञात वाहन की चपेट में आकर शिक्षिका घायल

घाटशिला। फुलपाल गांव के समीप एनएच 18 फोरलेन पर गुरुवार को अज्ञात वाहन की चपेट में आने से स्कूटी सवार शिक्षिका गंभीर रूप से घायल हो गई. कांग्रेस नेता निर्मल भट्टाचार्य ने सड़क पर गिरे पति-पत्नी को उठाकर अनुमंडल अस्पताल घाटशिला पहुंचा. अनुमंडल अस्पताल के चिकित्सक डा. आर एन टुडू ने प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर रूप से घायल शिक्षिका परवीन बेगम को बेहतर इलाज के लिए एमजीएम अस्पताल जमशेदपुर रेफर कर दिया. घटना के संबंध में शिक्षिका के पति इनामुल हक ने बताया कि हम दोनों डीएससी ऑफिस जमशेदपुर स्कूटी से जा रहे थे. अचानक पीछे से अज्ञात वाहन ने जोरदार धक्का मार दिया. पत्नी परवीन बेगम उत्क्रमित मध्य विद्यालय अमाईनगर में शिक्षिका के पद पर कार्यरत हैं.

बाइक व स्कूटी की टक्कर, स्कूटी सवार घायल

घाटशिला । थाना क्षेत्र के कॉलेज रोड स्थित सेंट्रल बैंक के समीप कॉलेज रोड पर गुरुवार को बाइक सवार ने स्कूटी को टक्कर मार दी. स्कूटी सवार गंभीर रूप से घायल हो गया. स्थानीय लोगों की मदद से घायल स्कूटी सवार को तत्काल अनुमंडल अस्पताल पहुंचाया. प्राथमिक उपचार के बाद घायल बांधडीह गांव निवासी चितरंजन मन्ना को एमजीएम अस्पताल जमशेदपुर रेफर कर दिया गया. बताया जाता है कि चितरंजन मन्ना सेंट्रल बैंक से कॉलेज रोड की ओर जा रहे थे. इस दौरान तेज रफ्तार बाइक सवार दिलीप कुमार भगत ने स्कूटी को जोरदार टक्कर मार दी. स्थानीय लोगों ने बाइक सवार दिलीप कुमार भकत को पकड़ कर पुलिस के हवाले कर दिया. पुलिस बाइक और स्कूटी को जब्त कर दिलीप को हिरासत में ले लिया है.

आजसू पार्टी प्रभारी ने की महिलाओं संग बैठक

बहरागोड़ा । प्रखंड क्षेत्र के नेताजी शिशु उद्यान परिसर में आजसू पार्टी ने चूल्हा प्रमुख, ग्राम प्रभारी व पीलर मेंबर के साथ विधानसभा चुनाव को लेकर गुरुवार को बैठक की. इसमें बहरागोड़ा विधानसभा प्रभारी फनी भूषण महतो की अध्यक्षता में प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न गांव से आए हुए सैकड़ों महिलाओं में चूल्हा प्रमुख, ग्राम प्रभारी व पीलर मेंबरों का चयन किया गया. फनी भूषण महतो ने विधानसभा चुनाव को लेकर बूथ सशक्तीकरण करने के बारे में दिशा निर्देश दिए. इन महिलाओं को पार्टी सुप्रीमो सुदेश महतो द्वारा बहुत जल्द शपथ दिलाई जाएगी. मौके पर शंकरी सीट, सुनीता महतो, लिपिका महतो, लक्ष्मी रानी महतो, नेहा नायक, प्रितिका महापात्र, कल्पना दास, सरस्वती राणा, भारती माइती, लिपिका महापात्र आदि उपस्थित थे.

समाजसेवी ऋषि कुनु षाड़ंगी ने रखा अपना एजेंडा

बहरागोड़ा । युवा समाजसेवी ऋषि कुनु षाड़ंगी ने कहा कि बहरागोड़ा विधानसभा क्षेत्र में अत्याधुनिक तकनीक तथा प्रशिक्षित चिकित्सकों से युक्त नर्सिंग होम का निर्माण करेंगे. ऋषि यहां गुरुवार को प्रेस कांफ्रेंस में इस क्षेत्र के विकास को लेकर अपनी सोच को सामने रखा. उन्होंने कहा कि युवाओं को बेहतर रोजगारपरक भविष्य के लिए वोकेशनल ट्रेनिंग सेंटर की स्थापना करेंगे. स्वर्गीय कुनू षाड़ंगी के स्मृति में प्रति वर्ष दस गरीब एवं प्रतिभावान विद्यार्थीओं के लिए निः शुल्क उच्च शिक्षा की व्यवस्था करेंगे. खेलकूद को लेकर प्रतिष्ठित संस्थानों द्वारा प्रशिक्षण एवं चयन शिविर का आयोजन किया जाएगा. जहां सिंचाई की व्यवस्था नहीं है उन क्षेत्रों में डीप बोरिंग की व्यवस्था की जाएगी. सभी बस पड़ावों में महिलाओं के सुविधा के लिए शौचालय का निर्माण किया जाएगा. हर पंचायत में सड़क किनारे यात्री विश्रामागार का निर्माण होगा.

पूर्व नक्सली महेश्वर मुर्मू को मिला हियरिंग एड

डुमरिया । पूर्वी सिंहभूम के पूर्व नक्सली कमांडर महेश्वर मुर्मू जेल से छूटने के बाद से ही कान से कम सुनाई दे रहा था. कम सुनाई देने के कारण महेश्वर मुर्मू को काफी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा था. डुमरिया के भाजपा नेता टुकाई मरांडी ने कोल्हान के पूर्व कमिश्नर विजय सिंह के सहयोग से पूर्व नक्सली महेश्वर मुर्मू को हियरिंग एड दिया.गुरुवार को साकची स्थित डेसिबेल स्पीच एंड हियरिंग केयर के डॉक्टर संजय मिश्रा के सहयोग से महेश्वर मूर्मू की जांच के उपरांत उन्हें सुनने वाला मशीन निःशुल्क दिया गया. सुनने की मशीन पाकर महेश्वर मूर्मू काफी खुश नजर आये. मौके पर विश्व हिंदू परिषद झारखंड प्रदेश के संजय चौरसिया भी उपस्थित थे.

मुसाबनी में सामुदायिक भवन का शिलान्यास

घाटशिला । मुसाबनी प्रखंड अंतर्गत सुरदा गांव के साहिबचूड़ा मेमोरियल क्लब परिसर में गुरुवार को सामुदायिक विकास भवन निर्माण का विधायक रामदास सोरेन ने शिलान्यास किया. मौके पर विधायक ने कहा कि गांव की जरूरत के मुताबिक विधायक निधि से लगभग 8 लाख 50 हजार रुपये की लागत से सामुदायिक विकास भवन निर्माण किया जाएगा. उन्होंने कहा कि सामुदायिक भवन का उपयोग गांव के सभी लोग कर सकते हैं. इस अवसर पर ग्राम प्रधान लखन टुडू, विधायक प्रतिनिधि जगदीश भकत, कानू सामंत काली पद गोराइ, प्रधान सोरेन सोमाइ सोरेन, विक्रम टुडू, प्रियानाथ बास्के, विराम मुर्मू, बलराम नायक, गणेश टुडू, शाखो माझी, धनु मुर्मू, कमल भट्टाचार्य, मिर्जा टुडू, सुभाष मुर्मू आदि उपस्थित थे.

दिवंगत पत्रकार के घर शोक जताने पहुंचे मंत्री

आदित्यपुर । सड़क हादसे में मारे गए सरायकेला के पत्रकार शेख अलाउद्दीन के परिजनों से मिलने गुरुवार को स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता मुड़िया स्थित उनके आवास पहुंचे. उन्होंने परिजनों को ढांढस बांधते हुए कहा कि दुख की इस घड़ी में वह परिवार के साथ हर तरह से खड़े हैं. बन्ना गुप्ता ने संवेदना जताते हुए दिवंगत पत्रकार की आत्मा की शांति की कामना की. इस मौके पर खूंटी सांसद कालीचरण मुंडा, कांग्रेस प्रदेश कार्य समिति सदस्य छोटेराय किस्कू व अन्य मौजूद रहे. समाचार संकलन करने गत मंगलवार को निकले पत्रकार शेख अलाउद्दीन को सरायकेला मार्ग पर स्लैग लदे डंपर ने अपनी चपेट में ले लिया था. जिसमें वह बुरी तरह से घायल हुए थे. इलाज के क्रम में उन्होंने टाटा मेन अस्पताल जमशेदपुर में दम तोड़ दिया था.

झारखंड आदिवासी कुड़मी समाज मेधावी विद्यार्थियों को करेगी सम्मानित

चक्रधरपुर । प्रतिभा सम्मान समारोह 2024 को सफल बनाने के लिए झारखंड आदिवासी कुड़मी समाज की बैठक गुरुवार को मनोहरपुर के एक होटल में हुई. बैठक की अध्यक्षता संगठन के संरक्षक संतोष महतो ने की. बैठक में मनोहरपुर प्रखंड स्तरीय मेधावी छात्र सम्मान समारोह की तैयारी को लेकर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई.

बैठक के दौरान निर्णय लिया गया कि 28 जुलाई को झारखंड आदिवासी कुड़मी समाज की ओर से मनोहरपुर में वर्ष 2024 के मैट्रिक एवं इंटर के प्रत्येक विद्यालय और इंटर कॉलेज के टॉपरों को सम्मानित किया जाएगा.

मौके पर संगठन के केन्द्रीय अध्यक्ष शशिभूषण महतो ने कहा कि सम्मान समारोह के दौरान मनोहरपुर प्रखंड के 20 उच्च विद्यालय के टॉपर एवं इंटर कॉलेज के 6 टॉपरों को सम्मानित किया जाएगा. इस अवसर पर संगठन के उपाध्यक्ष अशोक महतो, संरक्षक संतोष महतो शिक्षाविद् राजधान महतो, सचिव मदन महतो, प्रवक्ता मनसा महतो व अन्य मौजूद थे.

बैठक करते समाज के पदाधिकारी.

सरकार सड़क के लिए रैयत नहीं दे रहे जमीन, जमीन के बदले पैसा नहीं, गांव में ही मांग रहे जमीन

जमीन अधिग्रहण नहीं होने के कारण पुल शुरू नहीं हुआ : महेन्द्र जामुदा

बैठक में उपस्थित महेन्द्र जामुदा और गांव के महिला व पुरुष.

पुल के पास रैयत ने बांस लगा कर आवागमन रोका, नहीं दे रहे जमीन.

पुल शुरू नहीं होने से इस कीचड़युक्त सड़क से ग्रामीण आते-जाते हैं.

संवाददाता । चाईबासा

सोनुवा प्रखंड के देवाबीर पंचायत के कोकोवा गांव के दिग्गी टोला में जिला उपाध्यक्ष नितिन जामुदा की अध्यक्षता में बैठक हुई. इसमें झारखंड पार्टी के केंद्रीय सचिव सह अधिवक्ता महेंद्र जामुदा ने कहा कि कोकोवा के संजय नदी पर एक वर्ष से पुल बन कर तैयार है, लेकिन सड़क के लिए रैयत से जमीन अधिग्रहण नहीं करने के कारण ग्रामीण उस पुल का उपयोग नहीं कर पा रहे हैं. रैयत का कहना है कि हमें जमीन के बदले जमीन दें. हमें पैसा नहीं चाहिए. गांव में ही परती जमीन है. सरकारी पदाधिकारी इस पर ध्यान दें और तुरंत कार्रवाई करते हुए लोगों को सुविधा प्रदान करें. इस सड़क के नहीं बनने से ग्रामीणों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है. ग्रामीणों ने कहा कि पुल के बाद 500 से 600 फीट सड़क बन जाने से सरजोमहातु, पुनिपादा, गुरगुडिया, धोबाडिया, बेड़ासाई, कोकोवा आदि गांव के लोग आसनतलिया डीपासाई होते हुए चक्रधरपुर सोनुवा रोड होते हुए प्रखंड या अनुमंडल मुख्यालय जल्द पहुंच जाएंगे. खासकर गर्भवती महिलाएं, बीमार लोग एवं छात्र-छात्राओं को इसका पूर्ण लाभ मिलेगा. अभी लोगों को 5 से 6 किलोमीटर कच्चे रास्ते से घूम कर जाना पड़ता है और बारिश के समय और भी कठिन हो जाता है. बारिश होते ही कच्ची सड़क कीचड़युक्त हो जाती है.

मौके पर अमर सिंह चाकी, तुरी बोदरा, शंकर चाकी, रामलाल चाकी, सोनू चाकी, जगन्नाथ चाकी, रानी चाकी, सुमित्रा दिग्गी, सरस्वती कोड़ाह, मोटाय दिग्गी, जगदीश दिग्गी, गोड़ो दिग्गी, राजेश बोयपाई, आनंद बोदरा एवं ग्रामीण उपस्थित थे.

ईचागढ़ में 120 साइकिल का किया गया वितरण

चांडिल । ईचागढ़ प्रखंड क्षेत्र के राजकीयकृत मध्य विद्यालय टीकर में गुरुवार को वित्तीय वर्ष 2023-24 के शैक्षणिक सत्र के अष्टम वर्ग के बच्चों के बीच साइकिल वितरण का शुभारंभ किया गया. मौके पर विधायक सविता महतो ने 120 बच्चों के बीच साइकिल का वितरण किया. झारखंड सरकार के कल्याण विभाग द्वारा संचालित योजना उन्नति का पहिया कार्यक्रम के तहत विधायक सविता महतो द्वारा ईचागढ़ प्रखंड क्षेत्र में साइकिल वितरण का शुभारंभ किया गया. शुभारंभ के बाद प्रखंड क्षेत्र के अष्टम वर्ग के उत्तीर्ण सभी विद्यालयों के 1334 छात्र-छात्राओं को साइकिल दी जाएगी. प्रखंड विकास पदाधिकारी कीकू महतो, प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी सुनील जोशी, प्रखंड कल्याण पदाधिकारी बद्रीनाथ सिंह मुंडा की उपस्थिति में विधायक ने साइकिल वितरण का शुभारंभ किया गया.

बंदगांव के काड़ेदा में बैठक में लगभग 70 गांव के ग्रामीणों ने की मांग

80 वनग्राम को राजस्व गांव का दर्जा दे सरकार

- ग्रामीणों को हक से वंचित करना दुर्भाग्यपूर्ण : डॉ. सिंह
- जाति, आवासीय, आय प्रमाण पत्र नहीं बन पा रहा है
- वनग्रामों का नहीं हो पा रहा है विकास कार्य

संवाददाता । चक्रधरपुर

वनग्रामों को राजस्व गांव का दर्जा देने की मांग को लेकर वनग्रामों में रहने वाले ग्रामीण लंबे समय से संघर्षरत हैं. इसके बावजूद उनकी मांगों पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है. वनग्रामों को राजस्व गांव का दर्जा देने की मांग को लेकर गुरुवार को बंदगांव प्रखंड के काड़ेदा गांव स्थित प्राथमिक विद्यालय मैदान में लगभग 70 गांव के ग्रामीणों भारी संख्या में जुटे थे. इसमें ग्रामीणों ने राज्य सरकार से 80 वनग्राम को राजस्व गांव का दर्जा देने की मांग की. ग्रामीणों ने अब तक राजस्व गांव घोषित नहीं करने पर राज्य सरकार के प्रति नाराजगी जताई. बैठक में मुख्य वक्ता पीपुल्स वेल्फेयर एसोसिएशन के सचिव डॉ विजय सिंह गागराई ने कहा कि आदिवासियों की पहचान जल, जंगल, जमीन से है. झारखंड अलग राज्य गठन के 24 साल बाद भी वनग्राम के ग्रामीणों को उनके हक से वंचित किया जाना दुर्भाग्यपूर्ण है. 80 वनग्रामों को उनका हक अवश्य मिलना चाहिए. इसे लेकर वे जल्द ही वन अधिकार समिति सदस्य के प्रतिनिधियों के साथ वनग्राम के ग्रामीणों का हस्ताक्षरयुक्त पत्र लेकर मुख्यमंत्री से मुलाकात करेंगे, ताकि जल्द से जल्द वनग्रामों को राजस्व गांव घोषित किया जाए. बैठक की अध्यक्षता वन अधिकार समिति के सदस्य मानीहंस मुंडा ने की.

बैठक को संबोधित करते डॉ.विजय सिंह व उपस्थित अन्य पदाधिकारी.

काड़ेदा गांव स्थित प्राथमिक विद्यालय मैदान में उपस्थित 70 गांव के लोग.

कई प्रकार की परेशानियां हैं : विलसन सोय

बैठक के दौरान वन अधिकार समिति ने जिलाध्यक्ष विलसन सोय ने कहा कि वनग्रामों को राजस्व गांव घोषित नहीं किये जाने से ग्रामीणों को कई प्रकार की परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है. ग्रामीण अपने अधिकार व हक से वंचित हो रहे हैं. वनग्राम के स्कूली छात्र-छात्राओं के अलावे युवाओं का जाति, आवासीय, आय प्रमाण पत्र नहीं बन पा रहा है. पंचायत स्तर पर ग्रामीणों को मिलने वाली सुविधाएं भी नहीं मिल पा रही हैं. वनग्रामों में विकास कार्य नहीं हो पा रहे हैं.

जोरदार आंदोलन किया जाएगा

बैठक के दौरान वन अधिकार समिति के सदस्य मानीहंस मुंडा, सोमा पूर्ति, थोमस पूर्ति समेत अन्य ने कहा कि अगर जल्द ही वनग्रामों को राजस्व गांव घोषित नहीं किया जाता है तो जोरदार तरीके से आंदोलन किया जाएगा. मानीहंस मुंडा ने कहा कि वन अधिकार 2006 नियम 2008 व संशोधन नियम के तहत जिन वनग्रामों को खुटखुटी गांव घोषित कर राजस्व गांव का दर्जा देने एवं सर्वे करने के लिए कई बार राज्य सरकार के अलावे केन्द्र सरकार को डाक द्वारा पत्र भेजा गया है, लेकिन ध्यान नहीं दिया जा रहा है.

बैठक में ये थे उपस्थित : बैठक में उप सचिव सुलेमन हंस, उपाध्यक्ष धर्मदास बांकिरा, कोषाध्यक्ष माधो पूर्ति, उप कोषाध्यक्ष मोरगा सोय, सदस्य अब्राम हंस, सोमा पूर्ति, जोबान पूर्ति, बोबास पूर्ति के अलावे वनग्राम काड़ेदा, बड़ेलोर, बोंगारापा, दिशाउलीबेड़ा, उलीलोर, जुईबेड़ा, मसुरीबेड़ा, कन्दुरुबेड़ा, पोटोसाई, लोसोदीकी, तुम्बलीबेड़ा के अलावे वन अधिकार समिति सोतो संगोम अखाड़ा संगठन मुरुदबेड़ा के अलावे अन्य विभिन्न वनग्रामों के ग्रामीण मौजूद थे.

न्यूज अपडेट

मांगों को पूरा करने की प्रबंधन ने शुरू की प्रक्रिया : रामा

किरीबुरू । सेल की गुवा प्रबंधन ने संयुक्त यूनियन की चार सूत्री मांगों पर काम करना शुरू कर दिया है. यह जानकारी मजदूर नेता रामा पांडेय ने 17 जुलाई की रात झारखंड मजदूर संघर्ष संघ कार्यालय में आयोजित बैठक में मजदूरों को दी. मजदूरों ने इस दौरान रामा पांडेय को बुके व उपहार देकर सम्मानित भी किया. रामा पांडेय ने भी मजदूर नेता राजेश कोड़ा को बुके देकर सम्मानित किया. रामा पांडेय ने कहा कि गुवा प्रबंधन हर विभाग को विशेष संदेश भेजकर वहां रिक्त मैनपावर की सूची मांग रही है, ताकि अलग-अलग चरणों में उसकी निविदा कर सारंडा व स्थानीय शिक्षित बेरोजगारों को बतौर ठेका श्रमिक के रूप में रोजगार दे सके. उन्होंने कहा कि कुछ लोग गलत अफवाह फैला रहे हैं.

युवा कांग्रेस के प्रदेश उपाध्यक्ष बने सौरभ अग्रवाल

चक्रधरपुर । चक्रधरपुर निवासी युवा कांग्रेस के प्रदेश महासचिव सौरभ अग्रवाल को युवा कांग्रेस का प्रदेश उपाध्यक्ष मनोनीत किया गया है. गुरुवार को इससे संबंधित मनोनय पत्र प्रदेश अध्यक्ष अभीजित राज ने जारी किया. वहीं सौरभ अग्रवाल ने प्रदेश उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी मिलने पर युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष, राष्ट्रीय प्रभारी, प्रदेश अध्यक्ष अभीजित राज, प्रदेश प्रभारी इशिता सेढा का आभार जताया. उन्होंने कहा कि युवा कांग्रेस संगठन को मजबूत करना हमेशा उनकी पहली प्राथमिकता रही है और आगे भी रहेगी. कांग्रेस पार्टी समाज के शिक्षित और जागरूक युवाओं को राजनीति करने के अवसर प्रदान करती है. अब संगठन में शिक्षित और जागरूक युवाओं को अपने कंधों पर संगठन और राजनीति की जिम्मेदारी लेने की जरूरत है.

चांडिल : पत्रकार शेख अलाउद्दीन को दी गई श्रद्धांजलि

चांडिल । ईचागढ़ प्रखंड क्षेत्र के मिलन चौक पर गुरुवार को स्थानीय पत्रकार, समाजसेवी व पंचायत प्रतिनिधियों ने दिवंगत वरिष्ठ पत्रकार शेख अलाउद्दीन के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी. पत्रकारों ने श्रद्धांजलि सभा में एक मिनट का मौन रखकर उनकी आत्मा की शांति की कामना की. प्रबुद्ध जनों ने पुष्प अर्पित कर श्रद्धासुमन अर्पित किया. मौके पर वरिष्ठ पत्रकार अलाउद्दीन अमर रहे, पत्रकार सुरक्षा कानून लागू करो आदि नारे लगाए गए. पत्रकारों ने उनकी मौत की उच्च स्तरीय जांच की मांग की. मालूम हो कि मंगलवार को उनकी मौत एक सड़क हादसे में हो गई थी. उनकी मौत पर आम से खास सभी ने शोक संवेदना व्यक्त की है. वहीं एएसआईएम जेडब्लूए के प्रदेश प्रवक्ता अरूण कुमार माझी ने कहा कि शेख अलाउद्दीन की मौत पत्रकारों के लिए अपूर्णीय क्षति है.

ब्रीफ खबरें

दो मोटरसाइकिल की भिड़ंत में दो घायल

चक्रधरपुर । चक्रधरपुर की रोलाडीह गांव समीप गुरुवार को दो तेज रफ्तार मोटरसाइकिल में सीधी भिड़ंत हो गई. इससे मोटरसाइकिल पर सवार दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए. बताया जाता है कि हतनातोडांग पंचायत के गलीयालोर निवासी वीर सिंह गागराई मोटरसाइकिल से चक्रधरपुर जा रहा था. इसी दौरान सामने से आ रहे मोटरसाइकिल सवार बाईहातु गांव निवासी से उसकी टक्कर हो गई. इस घटना में दोनों संतुलन खोकर गिर पड़े. इसके बाद स्थानीय लोगों के सहयोग से एंबुलेंस से दोनों घायल को अनुमंडल अस्पताल में भर्ती कराया गया है.

40 मरीजों का किया गया मोतियाबिंद का ऑपरेशन

चक्रधरपुर । मनोहरपुर स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में नेत्र चिकित्सा विभाग द्वारा मोतियाबिंद ऑपरेशन शिविर के तहत 40 मरीजों का मोतियाबिंद का सफल ऑपरेशन कराया गया. मनोहरपुर व आनंदपुर प्रखंड के विभिन्न गांवों से आये ग्रामीणों का ऑपरेशन किया गया. मौके पर डॉ. मनोज मुंडा, नेत्र सहायक राकेश पूर्ति आदि मौजूद थे. इस दौरान आजसू नेताओं ने मरीजों के बीच फल का वितरण किया. इस मौके पर आजसू के प्रखंड अध्यक्ष अनादि महतो, मीडिया प्रभारी गणेश सिंह, डॉक्टर मनोज मुंडा, नेत्र सहायक राकेश पूर्ति समेत आजसू के कार्यकर्ता मौजूद थे.

जराईकेला के रावंगदा घाटी में कार दुर्घटनाग्रस्त

चक्रधरपुर । मनोहरपुर प्रखंड के जराईकेला थाना क्षेत्र रावंगदा घाटी में गुरुवार शाम एक तेज रफ्तार कार दुर्घटनाग्रस्त हो गई. इस घटना में कार में सवार तीन लोग भी घायल हो गए. बताया जाता है कि राउरकेला की ओर से मनोहरपुर की ओर तेज रफ्तार से कार (ओडी-14के- 9257) आ रही थी. इसी दौरान कार के चालक का संतुलन बिगड़ गया और कार रावंगदा घाटी में अनियंत्रित होकर एक पेड़ से जा टकराई. कार सवार तीन लोग घायल हो गए. उन्हें इलाज के लिए राउरकेला ले जाया गया.

आज सांगाजाटा में तीन घंटा बाधित रहेगी विद्युत आपूर्ति

चक्रधरपुर । ऊलीझारी पावर ग्रिड से सांगाजाटा पावर सब स्टेशन के बीच 33 हजार केवी मेन लाइन में मरम्मत कार्य को लेकर सांगाजाटा क्षेत्र में शुक्रवार को तीन घंटे बिजली आपूर्ति बाधित रहेगी. बिजली विभाग के कनीय अभियंता अजय हंस ने बताया कि चिरू, सांगाजाटा, बाईहातु, रूईडीह, चिरू अस्पताल क्षेत्रों की विद्युत आपूर्ति सुबह के 8:30 बजे से सुबह 11:30 बजे तक बाधित रहेगी. इस दौरान मरम्मत के साथ साथ पेड़ों की शाखाओं की कटाई होगी.

सम्मेलन के श्रावणी मेला का सांसद ने किया उद्घाटन

संवाददाता । चक्रधरपुर

चक्रधरपुर के सालुजा कॉम्पलेक्स में गुरुवार को अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन के श्रावणी मेला का आयोजन किया गया. मेला का उद्घाटन मुख्य अतिथि सिंहभूम की सांसद जोबा माझी ने भगवान गणेश की प्रतिमा के सामने दीप प्रज्ज्वलित कर किया.

अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन से जुड़ी महिलाओं ने सांसद जोबा माझी को श्रावणी मेला के बारे में जानकारी दी. वहीं सांसद जोबा माझी ने शहर में इस तरह के आयोजन की सराहनीय की. उन्होंने कहा कि इससे महिलाओं को आगे बढ़ने का अवसर प्राप्त होता है. महिलाएं इसी तरह आगे बढ़ें, उन्हें हरसंभव सहयोग किया जाएगा. मेला में कपड़े, राखी, आयुर्वेदिक दवाएं, जन्माष्टमी को लेकर कान्हा की पोशाक, तरह-तरह के सजावटी सामान, एक्वाप्रेशर से संबंधित सामान, ज्वेलरी, चुड़ियां, खानपान के समानों के अलावे कई प्रकार के खेल इत्यादि के स्टॉल लगाये गये थे. जहां सांसद जोबा माझी ने मेले में लगाये गये सभी स्टॉलों को जाकर देखा और इसकी सराहना की. इस मौके पर आयोजन समिति से जुड़ी महिलाओं ने बताया कि स्टॉल में चक्रधपुर के अलावे राउरकेला, कोलकाता, रांची से पहुंची महिलाओं ने भी स्टॉल लगाए हैं. इस मोके पर अखिल भारतीय महिला सम्मेलन चक्रधरपुर शाखा से जुड़ी महिलाएं मौजूद थीं.

श्रावणी मेला में जानकारी लेती सांसद जोबा माझी व उपस्थित अन्य.

108 महिलाएं वामनी नदी से कलश में जल लेकर पहुंची मंदिर

वामनी नदी से कलश में पवित्र जल लेकर मंदिर में स्थापित करने जातीं गांव की 108 महिलाएं.

- दालग्राम में नवनिर्मित शिव मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा अनुष्ठान

संवाददाता । चांडिल

चांडिल प्रखंड क्षेत्र के रुदिया पंचायत अंतर्गत दालग्राम में गुरुवार को नवनिर्मित सार्वजनिक शिव मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा अनुष्ठान का शुभारंभ हुआ. प्राण प्रतिष्ठा अनुष्ठान के लिए सुबह मंदिर समिति की ओर से कलश यात्रा निकाली गई. कलश यात्रा में दालग्राम के अलावा आस-पास की 108 महिलाओं ने वामनी नदी से पवित्र जल कलश में लेकर मंदिर परिसर में स्थापित किया. कलश यात्रा के दौरान श्रद्धालु भजनों की धुन पर थिरकते हुए हर-हर महादेव के जयकारे लगाते चल रहे थे. मंदिर पहुंचने के बाद पंडित द्वारा वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ कलश स्थापित किया गया. इसके साथ ही मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा अनुष्ठान शुरू हुआ. पुजारी ने बताया कि अनुष्ठान तीन दिनों तक चलेगा. इस अवसर पर श्रद्धालुओं ने भगवान भोलेनाथ की पूजा-अर्चना कर गांव की सुख-समृद्धि और शांति की कामना की. दालग्राम का प्राचीन शिव मंदिर लोगों की आस्था का प्रमुख केंद्र है. प्राचीन मंदिर को भव्य रूप दिया गया है. मंदिर के जीर्णोद्धार कार्य में दालग्राम निवासी संदीप मंडल सहित अन्य लोगों ने सराहनीय भूमिका निभाई है. प्राण प्रतिष्ठा अनुष्ठान के शुभारंभ के अवसर पर शिवराम मंडल, शंभू सिंह, सुबोध साव, समीर तंतुबाई, चुनु साव, रमेश तंतुबाई, भीमसेन मुंडा, गिरीधारी कुंडू, अमित तंतुबाई, गीता तंतुबाई, मोनिका मंडल, नमिता मुंडा सहित बड़ी संख्या में महिलाएं व पुरुष शामिल हुए.

ग्रामीण फुटबॉल चैम्पियनशिप के लिए 32 खिलाड़ी चयनित

अधिकारियों के साथ शिविर में चयन किये गए 32 खिलाड़ी.

- चयन शिविर का आयोजन पीसीएस मैदान में किया गया

संवाददाता । किरीबुरू

सेल, बीएसएल, बोकारो में 21 जुलाई से आयोजित ग्रामीण फुटबॉल चैम्पियनशिप प्रतियोगिता के लिए सेल की झारखंड खान समूह (जेजीओएम) की दो टीमों के लिये 32 खिलाड़ियों का चयन किया गया.

इस चयन शिविर का आयोजन पीसीएस मैदान, किरीबुरु में 18 जुलाई को जेजीओएम के महाप्रबंधक (पीएंडए) एसएन पंडा, गुआ के महाप्रबंधक (एसएपी) दीपक प्रकाश, मेघाहातुबुरु के महाप्रबंधक वीके सुमन, किरीबुरु के सहायक महाप्रबंधक (एचआर) रमेश कुमार सिन्हा, उप प्रबंधक बी बासा, खेल प्रशिक्षक सूरज सिंह, सुरेश प्रसाद, प्रवीण केरकेट्टा की देखरेख में सम्पन्न हुआ. चयन किये गये खिलाड़ियों में संतोष थापा, अनीश बारला, आकाश कांजीलाल, विश्वजीत पात्रा, सुमित बेहरा, अमित कुमार दास, मनीष करुवा, राजेन्द्र करुवा, जॉनसन किड़ो, जतीन चातर, अंकित कुमार नायक, गणेश नाग, समर्थ कन्डुलना, आकाश हंसदा, समीर बिश्रा, विक्टर डांग, बाबूराम हंसदा, मनीष माझी, विष्णु हांसदा, लेबेया चाम्पिया, ओसीम लुगुन, करण हरिजन, मनीष होनहागा, लक्ष्मण पुरती, महेश्वर मारला, मोटाय गागराई, साहिल केराई, विशाल सिंकु, अशोक पात्रा, रिमिल हेस्सा, सुखराम तिरिया, सोमिया बिरहोर, स्टीफन बिरहोर, असीम कोन्गाड़ी, गोपाल बिरहोर, डोमन पुरती शामिल हैं.

खिलाड़ी सेल की किरीबुरु, मेघाहातुबुरु, गुवा और चिड़िया खदान क्षेत्र के गांवों एवं बिरहोर बस्ती के हैं. ये खिलाड़ी 25 जुलाई को बोकारो जाएंगे. वहां 26 जुलाई से क्वार्टर फाइनल मुकाबला खेलेंगे.

मांग | खाद्य सुरक्षा जन अधिकार मंच ने कोल्हान के विधायकों को याद दिलाई सरकार की घोषणा

राज्य सरकार का स्कूली बच्चों को रोज अंडा देने का वादा अधूरा

- प्रतिनिधिमंडल ने तुरंत लागू कराने की मांग की

संवाददाता । चाईबासा

राज्य की झामुमो गठबंधन वाली सरकार ने अपने कार्यकाल में कई बार मध्याह्न भोजन और आंगनबाड़ी केंद्र के बच्चों को रोज अंडा देने का वादा किया था. राज्य सरकार के कई बार घोषणा किये जाने के बाद भी अब तक अंडा देना शुरू नहीं किया गया है.

राज्य सरकार का वादा तो पूरा नहीं हुआ, बल्कि उसका पांच साल का कार्यकाल जरूर पूरा होने जा रहा है. इस संबंध में खाद्य सुरक्षा जन अधिकार मंच, पश्चिमी सिंहभूम का प्रतिनिधिमंडल खरसावां, मझगांव और चक्रधरपुर के विधायकों दशरथ गागराई, निरल पूर्ति और सुखराम उरांव से मुलाकात की. उन्होंने सभी विधायकों को उनकी सरकार द्वारा किया गया वादा याद दिलाया और मांग पत्र सौंप कर इसे तुरंत लागू करने की मांग की.

पश्चिमी सिंहभूम में बच्चें कुपोषण

पश्चिमी सिंहभूम जिले में बच्चों में व्यापक कुपोषण है. 2019-21 के सरकारी आंकड़ों के अनुसार जिला के पांच वर्ष के कम उम्र के 62% बच्चे कुपोषित हैं, (उम्र के अनुसार वजन कम है) और 6-23 महीने उम्र के केवल 11% बच्चों को पर्याप्त आहार मिल पाता है. 6-59 महीने की उम्र के 75% बच्चे खून की कमी के शिकार हैं. ऐसी गंभीर परिस्थिति में बच्चों को अंडा से वंचित रखना अपराध से कम नहीं है. बच्चों के शारीरिक व मानसिक विकास के लिए अंडा एक बेहतरीन खाद्य पदार्थ है. इसमें विटामिन सी के अलावा अन्य अधिकांश आवश्यक पोशक तत्व हैं. अंडे पौष्टिक, स्वादिष्ट और किफायती भी हैं.

विधायक को मांग पत्र सौंपते प्रतिनिधिमंडल के सदस्य.

विधायकों ने सरकार का वादा जल्द पूरा कराने का दिया आश्वासन

विधायकों ने आश्वासन दिया कि वे सरकार के समक्ष इस मुद्दे को उठाएंगे. मंच द्वारा सदर विधायक सह मंत्री दीपक बिरुवा से भी इस संबंध में मिला जायेगा. प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि राज्य सरकार ने पिछले पांच सालों में कई बार घोषणा की है कि आंगनबाड़ी में 3-6 साल उम्र के बच्चों को 6 दिन प्रति सप्ताह अंडा मिलेगा और विद्यालयों में मध्याह्न भोजन में बच्चों को 5 दिन अंडा मिलेगा. लेकिन अब भी ये घोषणाएं महज वादे तक ही सीमित हैं. एक ओर पश्चिमी सिंहभूम से अरबों रुपए की खनन की जाती है और सैकड़ों करोड़ रुपए का जिला खनिज फंड है. दूसरी ओर जिले में व्यापक कुपोषण को खत्म करने के लिए सरकार बच्चों को चंद करोड़ राशि खर्च करके हर दिन अंडा नहीं दे पा रही है. यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि जन समर्थन से बनी राज्य सरकार बच्चों के पोषण के प्रति इतनी उदासीन है.

कागजों में करोड़ों रुपये खर्च होने के बावजूद लोगों को नहीं मिल पा रहा एक बूंद पानी

हजारीबाग में भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ रही नल जल योजना

शुभम संदेश पड़ताल

प्रमोद उपाध्याय। हजारीबाग

कुएं का गंदा पानी पीने को विवश हैं ग्रामीण, सरकार भी कुछ नहीं कर रही

जिले में संचालित नल जल योजना भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ती जा रही है. इस महत्वाकांक्षी योजना पर सरकार की ओर से करोड़ो रुपये खर्च किए जाने के बावजूद लाभुक पानी के इंतजार में बैठे हैं. जिले के विभिन्न प्रखंडों में नल जल योजना के तहत साढ़े पांच लाख रुपये की लागत से ग्रामीण इलाकों में खड़े किए गए टावर शोभा की वस्तु बनकर रह गए हैं. लोगों का कहना है कि विभागीय अधिकारियों और ठेकेदारों की मिलीभगत न केवल इस योजना के उद्देश्य को खत्म कर सरकारी खजाने को चूना लगा रही है, बल्कि आम लोगों के उनके घरों तक पानी पहुंचने के सपने को भी तार-तार कर रही है. मजे की बात है कि नल जल योजना के तहत ग्रामीणों को पांच साल पानी देने की गारंटी दी जाती है, जबकि कागज पर कई योजनाओं की दो साल से तीन साल की गारंटी बिना पानी के पूरी हो चुकी है. हैरानी की बात है कि नेता और मंत्री भी इस योजना में चले गड़बड़झाले के बारे में बात नहीं कर रहे हैं. यह बात अलग है कि जब नल जल योजना की शुरुआत हुई थी, यही नेता और मंत्री जोर-शोर से इसके लाभ गिना रहे थे. रही बात ग्रामीणों की तो वे वर्षों से गंदा पानी पीते आ रहे हैं और नल जल योजना पर करोड़ों रुपये खर्च किए जाने के बाद भी पीने को मजबूर हैं. ऐसा लगता है कि सरकार ने भी भ्रष्ट अधिकारियों के सामने घुटने टेक दी है. वरना अब तक इस योजना की विफलता के लिए जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही होती.

जिले के सदर प्रखंड के अलावे इचाक, पदमा, बरही, चौपारण, बरकट्ठा, चालकुशा, कटकमसांडी, कटकमदाग, चुरचू , बड़कागांव, करेडाडी, चरही, विष्णुगढ़, दारू और टाटी झरिया की सभी पंचायतों और गांवों में 25 घरों में पानी देने के लिए 5: 50 लाख रुपये की योजना शुरू की गई थी. इसके लिए विभाग के माध्यम टेंडर जारी किया गया था. विभाग बिना स्थल का निरीक्षण किए ठेकेदारों को लगभग 60 प्रतिशत से लेकर 70 प्रतिशत तक भुगतान भी कर चुकी है, लेकिन साढ़े तीन साल पूरा होने के बाद भी आज तक उक्त योजना धरातल पर नहीं उतर पाई है. कुछ जगहों पर टावर बोरिंग से कुछ दिन ग्रामीणों को नल जल योजना का लाभ मिला है, लेकिन इनमें से भी 60 प्रतिशत से अधिक खराब हो चुके हैं और करीब 20 प्रतिशत अधूरे हैं. किसी में मोटर नहीं है, तो कहीं बोरिंग में पानी नहीं है. यहां तक कि 10 रुपये की कीमत का जो नल लगाया गया था वह भी टूट चुका है.

क्या कहते हैं आम लोग : इस संबंध में इचाक प्रखंड के निचतपुर निवासी कृष्ण को शिव शंकर यादव, पिंटू सिंह, संजययादव, तिलरा राजपूत के नर्मदेश उपाध्याय, भीम सिंह, शंकर सिंह, राणा मोहल्ला के करू राणा, छात्रधारी राणा, कवातु संतोष कुमार, बिरजू राम, महेश राम ने बताया कि हम गरीब लोगों के जीवन से सरकार खिलवाड़ कर रही है. वह बड़े-बड़े सपने दिखाकर योजना लाती है, लेकिन धरातल उतरे बिना योजना की राशि भ्रष्टाचारियों की जेब में चली जाती है. इस पर सरकार भी मौन धारण कर लेती है. आम जनता के लिए जो योजना लाई गई है उसकी क्या स्थिति है, इस बारे में सरकार भी चिंता नहीं करती है. वरना योजना का निरीक्षण उच्च अधिकारी से करवाती. उनका कहना है कि अगर नल जल योजना का ईमानदारी से निरीक्षण हो तो पूरा राज खुल जाएगा और भ्रष्टाचारियों की पोल भी खुल जाएगी.

क्या कहते हैं ठेकेदार

इस संबंध में इचाक प्रखंड के डुमरैन और नवाडीह पंचायत के ठेकेदार ने पूछे जाने पर बताया कि यह योजना दो पंचायत में चालू कर दी गई है, जिसका 70 प्रतिशत भुगतान भी विभाग द्वारा हो चुका है. यह केवल ट्रायल था, गारंटी की शुरुआत नहीं हुई है. उन्होंने बताया कि जानकारी मिलने के बाद सोमवार को कवातु में लगे दो मोटरों को ठीक करवा कर वीडियो बनाया गया है और आसपास में भी जो चीजें खराब हैं उनको भी जल्द बना दिया जाएगा. नाम पूछा गया तो उसने खुद को पेटी कॉन्ट्रैक्टर कहकर फोन काट दिया.

क्या कहते हैं कार्यपालक अभियंता

इस संबंध में कार्यपालक अभियंता ने पूछे जाने पर कहा कि यह योजना 2024 तक चलेगी. युद्ध स्तर पर काम चल रहा है. ग्रामीण अगर भ्रष्टाचार का आरोप लगा रहे हैं तो इसमें भ्रष्टाचार कहां है.

जनता की समस्याओं का समाधान प्राथमिकता

कांग्रेस नेता मुन्ना सिंह ने किया कटकमसांडी प्रखंड का दौरा

कार्यकर्ताओं के साथ वरिष्ठ कांग्रेस नेता मुन्ना सिंह व अन्य.

संवाददाता। हजारीबाग

कटकमसांडी प्रखंड के विभिन्न गांव में कांग्रेस नेता मुन्ना सिंह ने गुरुवार को तूफानी दौरा किया और विभिन्न कार्यक्रमों में हिस्सा लिया. इस दौरे का मुख्य उद्देश्य लोगों से संवाद स्थापित करना और पार्टी के कार्यकर्ताओं से मुलाकात करना था. मुन्ना सिंह ने अपने दौरे की शुरुआत करते हुए विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लिया और स्थानीय जनता की समस्याओं और उनकी अपेक्षाओं को समझने के लिए उनसे सीधा संवाद स्थापित किया. मुन्ना सिंह ने कहा कि जनता की समस्याओं को समझना और उनका समाधान करना हमारी प्राथमिकता है. हम हर संभव प्रयास करेंगे कि प्रत्येक व्यक्ति की समस्या सुनी जाए और उनका त्वरित समाधान हो. उन्होंने कार्यकर्ताओं से कहा कि वे लोगों के बीच जाकर ज़मीनी स्तर पर कार्य करें. उनके साथ आरजेडी जिला अध्यक्ष चरका यादव, रंजीत यादव, डांड पंचायत के मुखिया इरसाद आलम, कटकमसाड़ी मुखिया प्रतिनिधि पप्पू यादव, शेरू खान, मुनेश्वर यादव, दिनेश यादव, सुजीत सिंह, इजाजुल अंसारी, मुकेश राम, प्रसादी राम, महेश राम, सुनिल सिन्हा, अजिज अंसारी, अशिश राणा, राजदेव राम, चंदन राणा, छोटे लाल आदि मौजूद थे.

ब्रीफ खबरें

कब्रिस्तान चौक के पास मिला शव

हजारीबाग। बड़ा बाजार थाना क्षेत्र के कब्रिस्तान चौक के पास झाड़ियां में एक अज्ञात का शव पुलिस ने गुरुवार को बरामद किया है. बताया जा रहा है कि शव झाड़ियों में था और आसपास के लोगों को नजर पड़ी, जिसके बाद बड़ा बाजार पुलिस को सूचना दी गई. वहीं पुलिस घटनास्थल पर पहुंच कर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हाउस भेज दिया है. खबर लिखे जाने तक शव की पहचान नहीं हो पाई थी.

पेड़ पर फंदे से लटका मिला युवक का शव

हजारीबाग। बड़कागांव थाना क्षेत्र में कांडतरी स्थित रखोता ढेंगा टांड में महुआ के पेड़ पर फंदा से लटका हुआ एक व्यक्ति का शव मिला है. मृतक की पहचान बड़कागांव के कांडतरि निवासी शिवनारायण महतो, पिता स्व. किशुन महतो के रूप में हुई. बताया जा रहा है कि यह युवक पिछले 15 दिनों से लापता था. परिजन खोजबीन कर रहे थे लेकिन गुरुवार को एक महुआ के पेड़ से लटका हुआ शव ग्रामीणों ने देखा. इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई. मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया.

अभिनय प्रतियोगिता का किया आयोजन

रामगढ़। डीएवी बरकाकाना में बृहस्पतिवार को अंतरसदनीय एकल अभिनय प्रतियोगिता का आयोजन किया गया. इसमें बच्चों को चार अलग अलग विषय दिए गए, जिन पर उन्हें स्वयं अपना संवाद लिखना था और उसे अभिनय के माध्यम से प्रस्तुत करना था. बच्चों ने बहुत ही कम समय में बहुत ही अच्छी प्रस्तुति दी. इस प्रतियोगिता में परशुराम सदन की श्रेयशी सौम्या 17 अंक के साथ प्रथम स्थान पर रही. अगस्त्य सदन की आरुषि सिंह 16 अंक के साथ द्वितीय स्थान पर और 15 अंक के साथ वशिष्ठ सदन की अक्षिता और परशुराम सदन की शुमैला अहमद रही. विद्यालय के प्राचार्य मो. मुस्तफ़ा मजीद ने बच्चों के अभिनय की प्रशंसा करते हुए कहा कि हमारे बच्चों में हर एक गुण है, हमें सिर्फ उसे निखारने की आवश्यकता है. ऐसी प्रतियोगिताओं से उनमें आत्मविश्वास बढ़ेगा.

भाजपा के 8 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने बड़कागांव के कई गांवों का किया दौरा

जान देंगे लेकिन डरेंगे नहीं भागेंगे नहीं : अमर बाउरी

लोगों को संबोधित करते भाजपा सांसद मनीष जाययवाल व बैठे अन्य नेता.

प्रशासन भूल सुधार कर मामले का पटाक्षेप करें अन्यथा जाग चुकी है जनता

उन्होंने यह भी कहा कि ये सिर्फ़ महुदी की घटना नहीं है. बड़कागांव के कई गांवों के साथ राज्य के कई जिलों लोहरदगा, रामगढ़, जमशेदपुर दुमका में फिलिस्तीन का झंडा लहराया गया. पाकुड़ में तीन गांवों में बांग्लादेशी घुसपैठियों ने आक्रमण करके रखा है. महुदी की लड़ाई 40 साल की है. आज़ाद भारत में संविधान को मनाने वाले लोग रहते हैं और स्वतंत्र भारत में अपने ही देश में अगर भगवान श्रीराम का झंडा किसी गांव में पार नहीं होने दिया जाएगा. उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन सरकार में बैठे अपने आकाओं से पूछ लें और तत्काल इस समस्या का निराकरण करें. 21 जुलाई को निर्णायक दिन होना चाहिए. प्रशासन अपने भूल का सुधार करते हुए इस मामले का पटाक्षेप करें अन्यथा जनता जाग चुकी है और आने वाले 40 दिन के अंदर अपने नए सीएम और सांसद के साथ बड़े सम्मान के साथ महुदी में रामलला का झंडा हम पार करेंगे.

संवाददाता। हजारीबाग

जिले के बड़कागांव प्रखंड के महुदी गांव के घटनाक्रम के कारण प्रखंड के अन्य गांवों में व्याप्त तनाव की स्थिति जानने के लिए भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी के निर्देश पर नेता प्रतिपक्ष सह चंदनकियारी विधायक अमर कुमार बाउरी के नेतृत्व में भाजपा विधायकों का एक प्रतिनिधिमंडल गुरुवार को बड़कागांव पहुंचा. बुधवार को सांसद मनीष जायसवाल ने आधा दर्जन प्रभावित गांवों का दौरा कर घटना की पूरी जानकारी ली थी. इस संबंध में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष को अवगत कराया था. इसके बाद मरांडी ने भाजपा के एक प्रतिनिधिमंडल का गठन कर स्थिति का जायजा लेने घटनास्थल पर भेजा. नयाटांड़ मंगल बाजार में विधान सभा में नेता प्रतिपक्ष बाउरी ने कहा कि झारखंड में पहली बार पर्व के नाम पर बवाल एवं झमेला हुआ है. कहीं डंडा तो कहीं झंडा दिखाना तो कहीं पथराव करने का कार्य किया गया है. पाकुड़ में अभी भी बवाल चल रहा है. बड़कागांव के पूरे घटना क्रम से सांसद मनीष जायसवाल द्वारा प्रदेश अध्यक्ष को अवगत करा दिया गया है. महुदी गांव की वस्तु स्थिति की जानकारी ले ली गई है और झारखंड के डीजीपी, सरकार तथा गृह मंत्री तक मामले को रखा जाएगा. उन्होंने कहा कि सभी सुख-दुख में आपके साथ हैं, डरने एवं घबराने की बात नहीं है. हमें अपने घर में किसी की सुरक्षा नहीं चाहिए. सुरक्षा तो बाहरी लोगों को सरकार दे रही है. हम यहां के मूलवासी हैं, हमारी भूमि है, हमारा राज्य है, हमें अपने आप में ताकत पैदा करनी होगी. कोई भगाना चाहे या डराना चाहे तो डरना नहीं है. जितना डरिएगा उतना डराया जाएगा और भगाया जाएगा. जान देंगे लेकिन डरेंगे नहीं, भागेंगे नहीं. बाउरी ने कहा कि झारखंड सरकार तुष्टिकरण की राजनीति कर रही है. हिंदुओं का वोट संथाल में घटाया जा रहा है. पूरे झारखंड में डेमोग्राफी चेंज हो रही है. पूरे झारखंड में वोट बैंक की राजनीति चल रही है. इन सभी मुद्दों को लेकर विधानसभा में लड़ाई लड़ी जाएगी. प्रशासन अविलंब लाइसेंस निर्गत कर महुदी का रामनवमी जुलूस निकलवाए अन्यथा विधानसभा चुनाव में सरकार बदलते ही भव्य रूप से जुलूस निकाला जाएगा. प्रशासन एकतरफा कार्रवाई नहीं करे. सरकार आती रहती है और जाती रहती है. भाजपा पूरे झारखंड में अन्य मुद्दों को लेकर जनहित में लड़ाई लड़ रही है. प्रतिनिधिमंडल ने स्थानीय लोगों को आश्वस्त किया की आपकी इस लड़ाई में भाजपा आपके साथ खड़ी है और रहेगी. हजारीबाग सांसद के साथ हम 8 विधायकों का प्रतिनिधि मंडल यहां पहुंचा है. घटनास्थल और आसपास के ग्रामीणों से मिलने के बाद पूरी जानकारी लेकर शुक्रवार को हमलोग डीजीपी और राज्य सरकार से मिलेंगे और जल्द ही देश के गृह मंत्री को भी इस मामले से अवगत कराएंगे.

आरोप गठित होने के एक वर्ष के भीतर दोषी को मिली सजा

पत्नी व बेटी के हत्यारे को मिली उम्र कैद

संवाददाता। हजारीबाग

व्यवहार न्यायालय के प्रधान एवं जिला न्यायाधीश सत्य प्रकाश सिन्हा की अदालत ने पत्नी व बेटी के हत्या के आरोपी को उम्र कैद की सुनाई है. अदालत ने सत्र वाद संख्या 253/23 एवं चैपारण थाना कांड संख्या 337/2022 में हरिश्चंद्र यादव, पिता डब्लू यादव, निवासी केदली कला को भादवि की धारा 302 के तहत आजीवन कारावास एवं धारा 201 में 7 वर्ष की सजा सुनाई एवं 15000 का आर्थिक दंड भी लगाया. दोनों सजाएं साथ-साथ चलेंगी. आर्थिक दंड की राशि मृतका के पुत्र को दी जाएगी.

घटना 26 अक्टूबर 2022 की है. दोषी हरिश्चंद्र यादव हमेशा घरेलू विवाद को लेकर अपनी पत्नी के साथ मारपीट किया करता था. घटना के दिन शाम 7::30 बजे अपनी पत्नी चुनचुन देवी को मार कर कुएं में फेंक दिया. उसे ऐसा करते हुए उसकी 12 वर्षीय बेटी राधिका कुमारी ने देख लिया था. राधिका घटना को देखकर हो हल्ला करने लगी. यह देखकर आरोपी साक्ष्य को मिटाने के लिए बेटी को भी कुएं में डाल दिया, जिससे उसकी मृत्यु हो गई. बाद में मृतका की सास ने दोनों की खोजबीन प्रारंभ की तो दोनों का शव कुएं में मिला जिसके बाद अभियुक्त की गिरफ्तारी हुई. स्पीडी ट्रायल के माध्यम से न्यायालय ने आप गठन की एक वर्ष के अंदर दोषी को सजा सुना दी. अभियोजन पक्ष की ओर से लोक अभियोजक मनोज कुमार ने मजबूती से अपना पक्ष रखते हुए कुल छह गवाह प्रस्तुत किया एवं सात प्रदर्श अंकित किए गए. बचाव पक्ष की ओर से सौरव अंशु एलएडीसी के अधिवक्ता ने अपना पक्ष रखा दोनों पक्ष को सुनने के बाद न्यायालय ने अपना फैसला सुनाया.

16 नामजद व 100 अज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज

चौपारण। पिपरा में बुधवार को हुई सड़क दुर्घटना में दूध विक्रेता की मौत के बाद रोड जाम करने के मामले में पुलिस ने 16 नामजद और 100 से अधिक अज्ञात पर मुकदमा दर्ज किया है. इस संबंध में पुलिस का कहना है कि अज्ञात आरोपियों की पहचान के प्रयास किये जा रहे हैं. जानकारी के अनुसार बुधवार को पिपरा में हुए सड़क हादसे में मयूरहंड के पेटादरी निवासी जगदीश यादव की मौत हो गई थी. इस घटना से नाराज पेटादारी व पिपरा के ग्रामीणों ने एनएच 19 मार्ग को जाम कर दिया और मुआवजे की मांग को लेकर सड़क पर घंटों बैठे रहे. लिहाजा आवागमन पूरी तरह से बाधित हो गया. जाम हटाने के लिए अनुरोध कर रही पुलिस टीम से भी लोगों ने दुर्व्यवहार एवं हाथापाई की कोशिश की थी.

पतरातू प्रखंड में फलस्तीनी झंडा फहराने पर डीसी ने बिठाई जांच

संवाददाता। रामगढ़

पतरातू प्रखंड के चिकोर गांव में मोहर्रम जुलूस के दौरान फलस्तीनी झंडा फहराने को लेकर रामगढ़ जिला प्रशासन काफी गंभीर है. डीसी चंदन कुमार ने इस मामले को काफी गंभीरता से लिया है. उन्होंने इस पूरे प्रकरण की जांच करने का आदेश जारी कर दिया है.

उन्होंने कहा है कि जैसे ही जांच रिपोर्ट आती है, उस आधार पर उचित कार्रवाई की जाएगी. डीसी ने बताया कि मोहर्रम को लेकर जुलूस निकालने वाली कमेटी के साथ दंडाधिकारी और पुलिस पदाधिकारी को अटैच किया गया था. सभी कमेटी को यह निर्देश दिया गया था कि वे कानून के दायरे में सही समय पर जुलूस निकाले और समय पर उसे समाप्त करें. साथ ही जुलूस के दौरान शांति व्यवस्था बरकरार रहे इसके लिए भी पहले से ही दिशा निर्देश जारी किया जा चुका था. इसके बावजूद पतरातू प्रखंड के चिकोर गांव में राष्ट्र के विरोध में झंडे को लहराया गया. यह काफी गंभीर विषय है.

पतरातू प्रखंड के पदाधिकारी और पुलिस पदाधिकारी को इस पूरे प्रकरण की जांच करने का आदेश दिया गया है. साथ ही जिस युवक ने फिलीस्तीनी झंडा लहराया है, उसके खिलाफ कार्रवाई करने का भी निर्देश दिया जा चुका है.

मोहन भागवत का आशीर्वाद मार्गदर्शन सौभाग्य : अजमेरा

संवाददाता। हजारीबाग

जिले के युवा समाजसेवी हर्ष अजमेरा सामाजिक क्षेत्र में एक अलग पहचान स्थापित करते हुए सेवा के प्रति काफी सजग भाव से कार्य कर रहे हैं. सदर विधानसभा क्षेत्र की जनता जनार्दन के हर सुख-दुख का साथी बनकर उनके कदम से कदम चल रहे हैं. इस बीच गुमला जिला के बिशनपुर में स्थित विकास भारती में आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि के रूप में राष्ट्रीय सेवा संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत उपस्थित हुए. कार्यक्रम स्थल पर मोहन भागवत के द्वारा पौधारोपण किया गया. इस बीच राष्ट्रीय सेवा संघ के प्रज्ञा प्रवाह के प्रांतीय कोषाध्यक्ष सह युवा समाजसेवी हर्ष अजमेरा कार्यक्रम स्थल पर मौजूद रहे. इस बीच अजमेरा ने अपने सेवा कार्यों को विस्तार पूर्वक मोहन भागवत के समक्ष रखा. मोहन भागवत 10 दिन के दौरे पर झारखंड पधारे हैं. इस बीच उन्होंने रांची, बोकारो गुमला सहित कई अन्य जिले का भ्रमण किया है. गुमला में आयोजित कार्यक्रम के दौरान स्कूली बच्चों के द्वारा संस्कृत कार्यक्रम पेश करते हुए पर्यावरण संरक्षण तथा झारखंडी गीत प्रस्तुत किया गया. संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत ने कहा कि गांव के दिनचर्या और आदर्श बड़े शहरों में नहीं मिलती है. हर्ष अजमेरा ने कहा की गुरुवार को गुमला में मोहन भागवत का आशीर्वाद प्राप्त हुआ. उनका मार्गदर्शन और आशीर्वाद मुझे सेवा के प्रति काफी प्रबल और सजग बनाएगा.

40 हजार घूस लेते राजस्व कर्मी धराया

संवाददाता। हजारीबाग

जिले के दारू प्रखंड के राजस्व कर्मचारी एवं गांव के ही एक बिचौलिया को 40 हजार रुपये घूस लेते गिरफ्तार किया है. पकड़े गए आरोपी दारू प्रखंड के कर्मचारी सिमरन दत्त एवं झुमरा स्थित रामदेव खैरका निवासी तुलेश्वर कुमार उर्फ छोटन हैं, जो राजस्व कर्मचारी के लिए काम करते थे. बताया जा रहा है कि रामदेव खैरका निवासी संतोष कुमार की जमीन के मोटेशन के नाम पर 60 हजार हजार रुपये में राजस्व कर्मचारी ने सौदा किया था, जिसमें 20 हजार रुपये कुछ महीने पहले एडवांस के रूप में ले चुके थे और बकाया रकम निर्धारित समय पर देने की बात कही गई थी, लेकिन राजस्व कर्मचारी ने संतोष कुमार पर लगातार पैसा पहुंचाने का दबाव बना रहे थे, जिसके बाद एसीबी टीम को सूचना दी और फिर एसीबी मामले का सत्यापन करने लगी. इसी बीच गुरुवार को राजस्व कर्मचारी ने संतोष कुमार को बकाये के रुपये प्रखंड कार्यालय में भेजने की बात कही और रिश्वत के रुपये लेते हुए एसीबी की टीम ने राजस्व कर्मचारी को गिरफ्तार कर लिया. पकड़े गए राजस्व कर्मचारी के बयान पर बिचौलिया तुलेश्वर को भी गिरफ्तार किया गया है. इस संबंध में एसीबी डीएसपी ने बताया कि संतोष कुमार के आवेदन के आधार पर यह कार्रवाई हुई है.

खास बातें

- एक बिचौलिया भी गिरफ्तार जमीन मोटेशन का मामला
- जमीन मालिक की शिकायत पर एसीबी ने की कार्रवाई

श्रम एवं रोजगार मंत्रालय के संयुक्त सचिव पहुंचे कोडरमा

जल शक्ति अभियान कैच दा रैन को लेकर की बैठक

संवाददाता। कोडरमा

श्रम एवं रोजगार मंत्रालय, भारत सरकार के संयुक्त सचिव रूपेश कुमार ठाकुर गुरुवार को कोडरमा पहुंचे. उन्होंने समाहरणालय सभागार में भारत सरकार के द्वारा जल शक्ति अभियान 2024 कैच दा रैन को लेकर जिला स्तरीय पदाधिकारियों के साथ बैठक की. बैठक में उपायुक्त मेघा भारद्वाज ने संयुक्त सचिव को कोडरमा जिले में जल संरक्षण की दिशा में किये गये कार्यों की जानकारी दी. कहा कि जिला व प्रखंड स्तर पर जल शक्ति केंद्र स्थापित हैं और जल शक्ति केंद्र पूरी तरह से सक्रियता से कार्य कर रहा है. जल शक्ति केंद्र के माध्यम से जल संरक्षण के दिशा में किये जा रहे कार्यों की मॉनिटरिंग की जा रही है.

उपायुक्त ने जल संरक्षण के लिए संचालित योजनाओं से अवगत कराया. जितने भी अमृत सरोवर का निर्माण किया गया है, उन सभी का जियो टैगिंग की गयी है. प्री और पोस्ट मानसून के मद्देनजर योजना के क्रियान्वयन की जानकारी दी. उन्होंने जल संरक्षण हेतु मनरेगा अंतर्गत संचालित योजनाएं यथा डोभा, टीसीबी, फील्ड बंड, सोक पीट, बिरसा हरित ग्राम योजना के बागवानी और मनरेगा पार्क के माध्यम से जल संरक्षण के लिए किये गये कार्यों की विस्तृत जानकारी दी.

पहल एक साथ पांच हजार लोग सड़कों पर दौड़ते नजर आएंगे

स्वच्छता, समृद्धि व हरियाली को दौड़ेगा शहर

संवाददाता। हजारीबाग

भाजपा नेता प्रदीप प्रसाद.

शहर को स्वच्छ, समृद्ध और हरियाली मय बनाने के दृष्टिकोण से 21 जुलाई को भाजपा नेता सह समाजसेवी प्रदीप प्रसाद एवं फिजिकल डिफेंस एकेडमी के विशेष सहयोग से मैराथन दौड़ का आयोजन किया जाएगा. इसमें करीब 5000 से भी अधिक महिलाएं और पुरुष शामिल होंगे. कार्यक्रम की शुरुआत गांधी मैदान से सुबह 5:30 बजे होगी. दौड़ में 18 वर्ष आयु से ऊपर के लोग सम्मिलित हो सकते हैं. कार्यक्रम के बीच पौधरोपण भी किया जाएगा. साथ ही सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए जाएंगे, जो पर्यावरण संरक्षण को लेकर जन-जन को संदेश देंगे. मैराथन दौड़ गांधी मैदान से प्रारंभ होकर पीटीसी चौक, डीवीसी चौक, त्रिमूर्ति चौक, नूरा, इंद्रपुरी चौक, पैगोडा चौक, झंडा चौक, बंशीलाल चौक, गाड़ीखाना, पुराना बस स्टैंड, डिस्ट्रिक मोड़, पीटीसी चौक होते हुए गांधी मैदान पहुंचकर समाप्त होगी. वहीं मैराथन दौड़ में सफल होने वाले प्रतिभागियों को सम्मानित किया जाएगा. प्रथम पुरस्कार 11 हजार रुपये, द्वितीय पुरस्कार छह हजार रुपये, तृतीय पुरस्कार चार हजार रुपये, चतुर्थ पुरस्कार दो हजार रुपये, पंचम पुरस्कार एक हजार रुपये, छठम लेकर दसम तक पुरस्कार 500 रुपये होंगे. भाजपा नेता प्रदीप प्रसाद ने कहा कि इस तरह के कार्यक्रम से न केवल शारीरिक फिटनेस को बढ़ावा मिलता है, बल्कि सामुदायिक भावना और एकता को भी मजबूत करता है. इसी दृष्टिकोण से 21 जुलाई को भव्य मैराथन दौड़ का आयोजन किया जा रहा है. इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य शहर को स्वच्छ, समृद्ध एवं हरियाली मय बनाना है. कार्यक्रम की समाप्ति के उपरांत पौधरोपण भी किया जाएगा. इसके बाद सांस्कृतिक कार्यक्रम के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण का एक बेहतर संदेश आम जनता के बीच पेश किया जाएगा. इस कार्यक्रम में 18 वर्ष आयु से ऊपर के लोग सादर आमंत्रित हैं. इस कार्यक्रम का कोई भी रजिस्ट्रेशन शुल्क नहीं है.

खास बातें

- मैराथन के सफल प्रतिभागी सम्मानित किए जाएंगे
- कार्यक्रम में भाग लेने के लिए रजिस्ट्रेशन शुल्क नहीं लगेगा

मांडू विधानसभा स्तरीय अभिनंदन सह विजय संकल्प सभा में बोले भाजपा रास सदस्य

राज्य में विधि-व्यवस्था बेहाल : दीपक प्रकाश

- राज्य सरकार के कई मंत्री और नेता भ्रष्टाचार में लिप्त हैं : सांसद मनीष जायसवाल

संवाददाता। चरही

विजय संकल्प सभा में उपस्थित भाजपा नेता व कार्यकर्ता.

चुरचू प्रखंड के चरही सीसीएल ऑफिसर्स क्लब में गुरुवार को भारतीय जनता पार्टी मांडू विधानसभा स्तरीय अभिनंदन सह विजय संकल्प सभा का आयोजन किया गया. इसकी अध्यक्षता प्रवीन मेहता ने की, जबकि मंच का संचालन राजू कुशवाहा ने किया. मुख्य अतिथि राज्य सभा सांसद सह पूर्व प्रदेश अध्यक्ष दीपक प्रकाश थे. विशिष्ट अतिथि हजारीबाग के सांसद मनीष जायसवाल थे. सभा को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि दीपक प्रकाश ने कहा कि विशेष रूप से मांडू विधानसभा के जिला एवं बूथ स्तर के देवतुलय कार्यकर्ता को अभिनंदन और आभार प्रकट करता हूं. आप सभी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने लोक सभा चुनाव में पार्टी के प्रति अपनी जिम्मेदारी दिखाई है. इसके लिए आप सभी बूथ एवं जिला स्तर के कार्यकर्ता बधाई के पात्र हैं. आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर भी कार्यकर्ता एवं नेता तैयार रहे. मांडू विधानसभा से भाजपा अपना उम्मीदवार देगी इसमें कोई दो मत नहीं है. आप सभी जानते हैं कि राज्य में आपराधिक घटनाएं बढ़ी हैं, जिसको रोकने में सरकार विफल नजर आ रही है. राज्य में भ्रष्टाचार चरम पर है. सरकार कोयले एवं बालू की कालाबाजारी करने में व्यस्त है. वहीं जायसवाल ने मांडू विधानसभा के सभी कार्यकर्ता और नेताओं का आभार प्रकट करते हुए सभी का अभिनंदन किया. कहा कि जिस तरह से आप लोगों ने लोकसभा चुनाव में कमल खिलाने का काम किया है. उसी तरह से आगामी विधानसभा चुनाव में भी हम सभी पार्टी के सिपाही यह संकल्प लें कि मांडू विधानसभा में पूर्ण बहुमत के साथ पार्टी के उम्मीदवार को विधायक बनाने का काम करेंगे. धन्यवाद ज्ञापन हजारीबाग जिला अध्यक्ष विवेकानंद सिंह ने किया. इस अवसर पर मुख्य रूप से डॉ. रामसेवक प्रसाद, अमरेंद्र कुमार गुप्ता, प्रवीन मेहता, रंजीत कुमार सिंह, योगेंद्र साव, द्वारिका सिंह, चंद्रनाथ भाई पटेल, राजू चतुर्वेदी, राजू कुशवाहा, वीना मिश्रा, आशा रॉय, रौशनी देवी, मुरारी सिंह, शशि कुमार, लोकेश सिंह आदि उपस्थित थे.

राशिफल

आचार्य प्रणव मिश्रा

मेष भाग्य भाव में चन्द्रमा है. ससुराल में कोई धार्मिक अनुष्ठान संपन्न होगा. साझेदारी में शुरू किया गया कार्य लाभ के अवसरों को बढ़ा सकता है. स्थायी संपत्ति खरीदने का मन बनेगा. दांपत्य जीवन में विश्वास बढ़ेगा. अन्न दान करें.

वृषभ किसी से विवाद से मानसिक तनाव होगा. कोई विवाद हो सकता है. घर की चिंता रहेगी. विरोधी भी आपसे प्रभावित होंगे. कला के क्षेत्र में इच्छित सफलता मिलने के योग हैं. सरकारी राज्यपक्ष के कामों में पर्याप्त सावधानी रखें. अन्न का दान करें.

मिथुन मानसिक उलझन होगा. किसी नये कार्य में जोखिम न उठाएं. व्यावसायिक योजना के विस्तार में मित्रों से मदद मिलेगी. पुराने झंझटों से राहत रह पाएगी. क्रोध एवं उत्तेजना पर संयम रखना होगा. गणेश जी का पूजन ध्यान करें.

कर्क धन के आगमन से मन प्रसन्न होगा. व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी. मेहनत व लगन से कार्यक्षेत्र में बेहतर सफलता हासिल कर सकेंगे. अपने व्यसनों पर काबू रखना चाहिए. किसी से भी बोलने से पहले विचार कर लें. शिवलिंग पर दूध अर्पण करें.

सिंह गलत दोस्त से बचें. शिक्षा में सुधार का समय आ गया है. बस प्रयास करें. रोजगार के बेहतर अवसर मिलने से आय बढ़ेगी. दांपत्य जीवन सुखद रहेगा. प्रसन्नतावर्धक समाचार मिलेंगे. व्यापार में इच्छित लाभ होगा. सूर्य को अर्घ्य दें.

कन्या मन में प्रसन्नता बढ़ेगी. कारोबार में वांछित तेजी आने की संभावना कुछ कम रहेगी. विवेक से निर्णय करने पर लाभ एवं सफलता प्राप्त हो सकेगी. नए कार्य का आरंभ में लाभदायी रहेगा, पर सोच विचार कर ही करें.

तुला अपनों के कार्य को लेकर भागदौड़ रहेगी. कुछ हानि भी हो सकती है, धैर्य रखें. काम का बोझ कम करने के लिए जिम्मेदारियों को बांटना आवश्यक है. आर्थिक कामों में परेशानी आने की संभावना है.

वृश्चिक पैतृक संपत्ति में वृद्धि और धनार्जन का योग है. पूंजी निवेश संबंधी कार्यों में सावधानी रखें. आत्मविश्वास बना रहेगा. कारोबार में उतार-चढ़ाव बना रहेगा. पारिवारिक समस्याओं को प्राथमिकता से हल करें.

धनु समय बहुत ही उत्तम फल प्रदान करेगा. संपत्ति के कार्य लाभप्रद रहेंगे. भावनात्मक संबंधों में जल्दबाजी में निर्णय न लें. अधिकारी आपकी कार्यशैली से नाराज हो सकते हैं. परिश्रम के अनुरूप सफलता नहीं मिलेगी.

मकर अति पराक्रम हानि का कारण बन सकता है. जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा. व्यवसाय ठीक करेगा. व्यापार में नए प्रस्ताव लाभकारी रहेंगे. सही समय पर लिए गए फैसले लाभ दिला सकते हैं. आवास संबंधी समस्या हल होने के योग हैं. शनि को बल दें.

कुंभ समय सामान्य है. उतावले पन में कोई काम न करें. पुरानी संपत्ति के रख-रखाव पर धन खर्च हो सकता है. सामाजिक, धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी. विद्यार्थियों को पढ़ाई की चिंता रहेगी. पर मेहनत से विजय पाया जा सकता है.

मीन शेयर बाजार से लाभ का योग है. सरकारी कार्य मे गति मिलेगी. परिवार में मांगलिक कार्यक्रमों की चर्चा संभव है. संतान की रोजी-रोटी की चिंता समाप्त होने के योग हैं. आय के लिए समय उत्तम है. कोई बड़ा लाभ से मन प्रसन्न रहेगा.

अगर हिमंता को इतना अधिक आदिवासियों से प्रेम है, तो पहले असम के लाखों टी-ट्राइब को एसटी का दर्जा दिलाएं

हिमंता को हेमंत से चिढ़, असम की भी बात करें : सुप्रियो भट्टाचार्य

विशेष संवाददाता। रांची

झामुमो ने हिमंता बिस्वा सरमा के बयानों पर कड़ा पलटवार किया है. पार्टी ने कहा कि हिमंता और भाजपा को आदिवासियों से प्रेम नहीं है. अगर प्रेम होता तो प्रधानमंत्री बैठे होते और एक आदिवासी राष्ट्रपति खड़ी नहीं रहती. भाजपा को अगर आदिवासी, दलितों से प्रेम होता तो संसद भवन के शिलान्यास के समय एक दलित राष्ट्रपति और संसद भवन के उदघाटन के समय एक आदिवासी राष्ट्रपति को कार्यक्रम से दूर नहीं रखा जाता. अगर हिमंत को इतना ही आदिवासियों से प्रेम है तो सबसे असम में लंबे समय से शासन में रही भाजपा और असम में वर्षों से निवास करने वाले झारखंड, ओडिशा, छत्तीसगढ़ और बंगाल के आदिवासियों को एसटी का दर्जा दे, आज भी ये आदिवासी वहां पर टी-ट्राइब के रूप में जाने जाते हैं. जबकि वे संथाली, मुंडारी, हो, सादरी और स्थानीय भाषा बोलते हैं, वर्षों से वहां निवास कर रहे हैं. इसलिए हिमंता जी को आदिवासियों से प्रेम नहीं है, केवल उन्हें हेमंत से चिढ़ है. उक्त बातें पार्टी के केंद्रीय महासचिव एवं प्रवक्ता सुप्रियो भट्टाचार्य ने पार्टी कार्यालय में आयोजित एक प्रेस वार्ता के दौरान कही.

- भाजपा शासित राज्यों में सबसे अधिक मदरसे, मगर दिक्कत केवल झारखंड के मदरसों को लेकर हो रही
- शुभेंदु अधिकारी के बयान से स्पष्ट हो गया है, हिमंता यहां पर भाई-भाई में जहर घोलने आते हैं, लेकिन ऐसा होगा नहीं

शुभेंदु के बयान ने साबित कर दी भाजपा की मंशा

भट्टाचार्य ने कहा कि बंगाल के भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी ने अपने पीएम के स्लोगन को बदल दिया. जो पीएम कहते हैं सबका साथ, सबका विश्वास, सबका विकास. उनके नेता अब खुले आम कह रहे हैं कि अब भाजपा को सबका साथ और सबके विकास की जरूरत नहीं है. वे इतना तक कह गए कि जो हमारे साथ है, हम उनके साथ हैं. यहां भी बात खत्म नहीं हुई, वे कहे कि भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा की अब संगठन को जरूरत नहीं है. इससे साबित हो रहा है कि भाजपा किस दिशा में बढ़ चली है.

हिमंता-भाजपा को यहां के मदरसों से दिक्कत क्यों?

भट्टाचार्य ने मदरसों का आंकड़ा प्रस्तुत किया .कहा कि यूपी में सात साल से और इसके पहले ही भाजपा की सरकार लंबे समय तक रही. वहां पर मान्यता प्राप्त 16,513 और गैर मान्यता प्राप्त 8,449 मदरसा हैं. वहां पर 2,650 राज्य सरकार के ग्रांट पर व 1600 केंद्र सरकार के ग्रांट पर, गुजरात में 1130 मदरसा हैं जहां पर 30 साल से भाजपा की सरकार है. बिहार में 88 राज्य सरकार के और 2059 बिहार बोर्ड से संचालित मदरसे हैं. झारखंड में केवल 186 मदरसा हैं. इनको केवल यहां के मदरसों से दिक्कत है.

सबसे अधिक घुसपैठ त्रिपुरा में, जहां भाजपा की सरकार

भट्टाचार्य ने कहा कि हिमंता जी और बाबूलाल जी घुसपैठ, घुसपैठ चिल्ला रहे हैं. जबकि अभी देश और राज्य में 2011 की जनगणना रिपोर्ट है. अगली जनगणना 2025 में होगी जिसकी फाइनल रिपोर्ट 2027 में जारी होगी तो फिर भाजपा को कैसे संथाल के आंकड़े मिल गए. हिमंता और बाबूलाल जरा पाकुड़, बोरियो, लिट्टीपाड़ा, बरहेट आदि जगह जाएं और बोलें. पता चल जाएगा. उन्होंने कहा कि त्रिपुरा में किसकी सरकार है. वहां पर बीएसएफ किसके अधीन है, वहां पर घुसपैठ की स्थिति पर हिमंता जी क्यों नहीं बोलते हैं.

नक्सली अब एक जगह टिक नहीं पा रहे, लगातार जारी है सर्च अभियान

पुलिस ने नक्सलियों के सेफ जोन दोलाईगढ़ा को भेद दिया

शैलेश सिंह। किरीबुरु

भाकपा माओवादी नक्सलियों का गढ़ अथवा शरणस्थली वर्ष 2003-04 से ही सारंडा के छोटानागरा स्थित दोलाईगढ़ा व आसपास का जंगल रहा है. इसी जंगल में 17 जुलाई की सुबह लगभग साढे.पांच बजे पुलिस व नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई थी. इसमें नक्सली बाल-बाल बच गये. पुलिस ने नक्सलियों के कई हथियार, गोली आदि बरामद किये. अभी भी पुलिस व सीआरपीएफ पूरे क्षेत्र की घेराबंदी कर सर्च ऑपरेशन चला रही है.

उल्लेखनीय है कि दोलाईगढ़ा घने जंगलों व ऊंची- नीची पहाड़ियों में स्थित है. यहां की भौगोलिक स्थिति नक्सलियों को हमेशा छुपने में मददगार रही है. यहां जंगल को काटकर बाहर से आये लगभग 20-22 परिवार वर्षों से निवास करते हैं. सिर्फ दोलाईगढ़ा ही नहीं, बल्कि सारंडा व कोल्हान जंगल के दर्जनों इन्क्रोचमेंट गांव नक्सलियों का शरणस्थली व मददगार रहे हैं, क्योंकि ऐसे ही अवैध गांवों को वन विभाग द्वारा खाली करने व उजाड़ने से बचाने हेतु नक्सलियों को यहां वर्ष 2001 में बुलाया गया था. ऐसे गांवों को नक्सली आर्थिक व शारीरिक मदद भी करते रहे हैं. इस गांव व जंगल क्षेत्र में दोलाईगढ़ा को छोड़ दूसरे गांवों के लोगों को (नक्सल सहयोगी को छोड़) आवागमन की इजाजत नहीं है. दोलाईगढ़ा के नजदीक के गांवों में होलोंगउली, बालिबा, उसरुईया, कोलाईबुरु, मारंगपोंगा , हतनाबुरु, थोलकोबाद है. यह सभी गांव अत्यंत नक्सल प्रभावित तथा 25 लाख रुपये का इनामी कुख्यात नक्सली लालचंद हेम्ब्रम उर्फ अनमोल दा उर्फ समर दा उर्फ सुशांत के प्रभाव वाला गांव है. नक्सली सारंडा से कोल्हान जंगल में भागने के बावजूद हमेशा सारंडा के इसी जंगल में आकर लंबे दिनों तक शरण लेते रहते थे. नक्सलियों की सारंडा स्थित इस सुरक्षित जोन को खत्म करने के लिए ही पुलिस ने बालिबा व कोलाईबुरु गांव के बीच जंगल में तथा तिरिलपोशी में एक स्थायी कैंप कुछ माह पूर्व स्थापित किया था. इसका लाभ भी पुलिस को मिलने लगा है. कैंप स्थापित होने के बाद दो बार इस क्षेत्र में नक्सलियों के साथ पुलिस की मुठभेड़ हो चुकी है.

पिछले दिनों लिपुंगा में पुलिस के साथ मुठभेड़ में पांच नक्सली मारे गये तथा दो पकड़े गये थे. इसमें से कांडे होनहागा थोलकोबाद के दिवेन्द्री टोला तथा महिला नक्सली सपनी हांसदा तथा गिरफ्तार उसका पति पांडू हांसदा हतनाबुरु गांव का निवासी था. संभावना जताई जा रही है कि दोनों मृतक नक्सली के परिवार के सदस्यों के साथ यह दस्ता मिलने वाला था. यह टीम कुछ दिन पूर्व ही होंजोरदिरी गांव क्षेत्र के रास्ते वहां पहुंचा था. इस टीम द्वारा ही मेघाहातुबुरु, करमपदा, होंजोरदिरी आदि क्षेत्र में नक्सल बंद से पूर्व पोस्टर-बैनर लगाया गया था.

अनमोल दा सारंडा की तमाम भौगोलिक स्थिति व हर गांव व वहां के ग्रामीणों से परिचित हैं. यह कहा जा सकता है कि वह सारंडा में ही सामान्य सदस्य से झारखंड रीजनल कमिटी का प्रवक्ता तथा एसडीएस जोनल कमिटी के उच्च पद पर रहा. वह बालिबा, कलैता, बिटकिलसोय में पुलिस पर हमला कर 50 से अधिक जवानों को शहीद करने, बड़ाजामदा थाना लूटकांड, छोटानागरा कैंप पर हमला समेत दर्जनों नक्सली घटनाओं में शामिल रहा है. वह युद्ध रणनीति में काफी माहिर है. हालांकि अब उसका भी आधार इलाका व जनाधार सारंडा में काफी घटा है. इस कारण वह अपने दस्ता के साथ सुरक्षित एक स्थान पर टिक नहीं पा रहा है. पुलिस के लिये दोलाईगढ़ा का मुठभेड़ बड़ी सफलता मानी जा रही है.

अनमोल दा की तस्वीर एवं दोलाईगढ़ा जंगल में नक्सलियों के पास से बरामद हथियार.

बाहरी पर्यटकों के सारंडा घूमने पर अस्थायी रोक

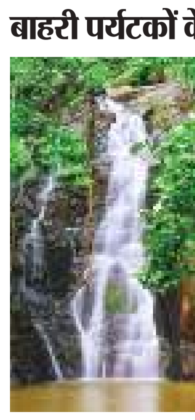

किरीबुरु । वन विभाग ने सारंडा के घने जंगलों में बाहरी पर्यटकों को घूमने जाने पर अस्थायी रोक लगा दी है. पर्यटकों को अभी घूमने की अनुमति नहीं दी जा रही है. पर्यटकों की सुरक्षा के मद्देनजर यह कदम उठाया है. अगर कोई बाहरी पर्यटक सारंडा घूमना चाहते हैं तो वह वन विभाग द्वारा नियुक्त गाइड लेकर ही विशेष परिस्थिति में सारंडा जंगल का भ्रमण कर पायेंगे. वन विभाग के आधिकारी सूत्रों के अनुसार बाहरी पर्यटकों को किरीबुरु स्थित वन विभाग कार्यालय द्वारा सारंडा घूमने के लिए नियमित अनुमति दी जाती थी. वे बिना गाइड के जाते थे और सारंडा की भौगोलिक स्थिति की पूरी जानकारी नहीं होने की वजह से असुरक्षित जोन में चले जाते थे. ऐसे में उनके सामने विभिन्न प्रकार का खतरा उत्पन्न होता दिखायी दे रहा था. उल्लेखनीय है कि सारंडा जंगल दशकों से भाकपा माओवादी नक्सलियों का गढ़ रहा है. आज भी थोलकोबाद, बालिबा, तिरिलपोसी, कुमडीह, कोलायबुरु, कुदलीबाद जैसे जंगल क्षेत्र में नक्सल गतिविधियां है. नक्सलियों की शरणस्थली क्षेत्र में अगर कोई अनजाने में बाहरी पर्यटक चला जाये तो नक्सली उनपर फायर भी कर सकते हैं. इसके अलावे पिछले कुछ महीनों से सारंडा के विभिन्न क्षेत्रों में हाथियों का अलग-अलग समूह घूम रहा है. यह जंगलों के अलावे गांव व शहरों में आ जाते हैं.

झामुमो के धनबाद जिला अध्यक्ष व सचिव को शो-कॉज

- झामुमो की बाघमारा प्रखंड समिति को भी भंग कर दिया है नेतृत्व ने

संवाददाता। रांची

झामुमो के धनबाद जिला अध्यक्ष और जिला सचिव को कारण बताओ नोटिस जारी किया है. पार्टी महासचिव विनोद कुमार पांडेय ने पत्र जारी करते हुए कहा कि धनबाद जिला समिति विगत 15 जुलाई में वर्णित स्वीकारोक्ति, जिसमें कारण बताओ नोटिस जारी किया गया था, वह पूरी तरह से केंद्रीय समिति के अधिकार क्षेत्र में अतिक्रमण का मामला बनता है. यह जिला समिति की अनुशासनहीनता को प्रमाणित करता है. इन तथ्यों के आलोक में कारण बताओ पत्र जारी किया जा रहा है. यह बताया जाए कि किन परिस्थितियों में आपके द्वारा केंद्रीय समिति के अधिकार क्षेत्र में अतिक्रमण किया गया. पत्र जारी होने के सात दिनों के अंदर अपना पक्ष लिखित रूप से केंद्रीय कार्यालय को भेंजे, अगर जवाब संतोषप्रद नहीं आया, तो अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी. इधर धनबाद जिला की तोपचांची प्रखंड समिति द्वारा नौ जुलाई को प्राप्त् सूचना के आधार पर धनबाद जिला समिति के पत्रांक 12 जुलाई द्वारा की गयी कारवाई को पूरी तरह से रद्द करते हुए बाघमारा प्रखंड समिति भंग कर दी गयी है.

झारखंड का डे-एनएलयूएम में बेहतर प्रदर्शन,मिला स्पार्क अवार्ड

मंत्री मनोहर खट्टर से पुरस्कार लेते अरवा राजकमल.

- केंद्रीय मंत्री मनोहर खट्टर ने नगर विकास सचिव अरवा राजकमल को पुरस्कृत कर सम्मानित किया

प्रमुख संवाददाता। रांची

डे-एनएलयूएम (दीनदयाल अंत्योदय योजना-राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन) में बेहतर प्रदर्शन के लिए झारखंड को स्पार्क (सिस्टमैटिक प्रोग्रेसिव एनालिटिकल रियल टाइम रैंकिंग) अवॉर्ड मिला है. यह अवॉर्ड वर्ष 2023-24 के लिए दिया गया है. गुरुवार को नयी दिल्ली में केंद्रीय मंत्री मनोहर खट्टर ने यह अवार्ड राज्य के नगर विकास सचिव अरवा राजकमल को प्रदान किया. बताते चलें कि डे-एनएलयूएम के तहत राज्य के कई शहरों में बेहतर काम किया गया है.

शहरी बेघरों के लिए विभिन्न शहरों में कुल 56 आश्रयगृहों का निर्माण किया गया है. पूरी तरह से निःशुल्क आश्रयगृहों में बेघरों के लिए सभी तरह की बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध करायी गयी है. इसके अलावा फुटपाथ विक्रेताओं के लिए वेंडर मार्केट भी तैयार किया गया है. वर्तमान में शहरों के विभिन्न रिहायशी इलाकों में फुटपाथ विक्रेताओं के लिए छोटे-छोटे मार्केट विकसित करने पर कार्य किया जा रहा है. डे-एनएलयूएम का लक्ष्य शहरी गरीबों का जीवनस्तर उठाने के लिए स्वरोजगार और कुशल मजदूरी रोजगार के अवसर प्रदान करना है.

डीएमएफटी की बैठक में कई फैसले लिए गए

लातेहार। उपायुक्त सह अध्यक्ष गरिमा सिंह की अध्यक्षता में जिला खनीज फाउंडेशन ट्रस्ट (डीएमएफटी) न्यास परिषद की बैठक का आयोजन किया गया. बैठक के दौरान न्यास परिषद के सदस्यों के समक्ष बैठक का एजेंडा प्रस्तुत किया गया. बैठक में विभिन्न योजनाएं, जो डीएमएफटी की प्रबंधकीय समिति से अनुमोदित हैं, उनके न्यास परिषद से अनुमोदन के लिए योजनाओं पर उपायुक्त, विधायक प्रतिनिधियों एवं जनप्रतिनिधियों द्वारा चर्चा के क्रम में महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए. बैठक में विभिन्न क्षेत्रों के जनप्रतिनिधियों ने भी विभिन्न योजनाओं व विकास कार्यों की मांग को सभी के समक्ष रखा. बैठक में विभिन्न विषयों में डीएमएफटी से पूर्व में स्वीकृत योजनाओं के प्रति हो रहे कार्य, डीएमएफटी के अंतर्गत ली गई योजनाए, डीएमएफटी अंतर्गत ली जाने वाली नई योजनाओं के अनुमोदन आदि पर विस्तार से चर्चा की गई. बैठक में समिति द्वारा लगभग 1200 प्राप्त प्रस्तावों को सर्व सहमति से अनुमोदित किया गया.

लातेहार में हुई बोलबम के गानों की शूटिंग

लातेहार। जिला मुख्यालय के स्वामी विवेकानंद पार्क में गुरुवार को सावन और बोलबम के गीतों की शूटिंग की गई. वीडीओ अलबम के निर्देशक जितेंद्र भगत हैं. उन्होंने बताया कि सावन में बोलबम और भोले शंकर के गीतों की बहुत डिमांड रहती है. इसे देखते हुए इस वीडीओ अलबम की शूटिंग की गई है. इसे सावन के महीने में रिलीज किया जाएगा. उन्होंने बताया कि गानों के गीतकार पंकज विश्वकर्मा, बिनोद यादव ,त्रिलोकी यादव और राकेश कुमार हैं. अलबम में प्रिंस और सूर्या एवं अभिनेत्री सोना सिंह ने अभिनय किया है. कैमरा मैन अभिषेक कुमार एवं दीपक सिन्हा हैं.

एमपीडब्ल्यू कर्मचारी आज स्वास्थ्य मंत्री के कार्यालय का घेराव करेंगे

रांची। झारखंड राज्य एमपीडब्ल्यू कर्मचारी संघ ने अपनी मांगों को लेकर शुक्रवार को स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता के कार्यालय का घेराव करने की घोषणा की है. एमपीडब्ल्यू के सदस्य स्थायी समायोजन की मांग लंबे समय से कर रहे हैं. मंत्री कार्यालय का घेराव कर कर्मचारी धरना-प्रदर्शन भी करेंगे. घेराव व धरना-प्रदर्शन कार्यक्रम में राज्य भर के संविदाकर्मी हिस्सा लेंगे. एमपीडब्ल्यू कर्मचारी संघ के आंदोलन का झारखंड राज्य अराजपत्रित कर्मचारी महासंघ ने भी समर्थन किया है. संघ के अध्यक्ष पवन कुमार और महामंत्री मंगल हेंब्रम ने बताया कि मुख्यमंत्री की प्रधान सचिव वंदना दादेल और विभागीय मंत्री ने स्वास्थ्य विभाग को स्थाई समायोजन के लिए पीत पत्र भेजा था, लेकिन इस पर कोई ठोस निर्णय आज तक नहीं लिया जा सका है. संघ के महामंत्री और अध्यक्ष ने कहा कि सरकार से राज्य में कार्यरत सभी एमपीडब्ल्यू कर्मचारियों के स्थाई समायोजन की मांग की गई है. चुनाव घोषणा पत्र में भी मुख्यमंत्री द्वारा राज्य के सभी संविदा कर्मियों को स्थायी करने का आश्वासन दिया गया था.

एलएंडटी कंपनी ने किया बकाया वेतन का भुगतान

कैमरून से मजदूरों की वतन वापसी जल्द

संवाददाता। गिरिडीह

कैमरून में फंसे झारखंड के 27 मजदूरों को उनका बकाया वेतन मिल गया है. उनकी वतन वापसी जल्द होगी. इस आशय की जानकारी मजदूरों ने सोशल मीडिया पर वीडियो शेयर कर दी है. वीडियो में मजदूरों ने बताया है कि 17 जुलाई को उन्हें एलएंडटी कंपनी के याउंदे कैमरून स्थित कार्यालय में बुलाया गया. वहां विनायक पवार (ठेकेदार) के साथ कंपनी की मध्यस्थता में वार्ता हुई. वार्ता में मजदूरों के बकाये वेतन को फाइनलाइज किया गया. ठेकेदार के वेतन देने में असमर्थता जताने पर कंपनी ने मजदूरों को सारा बकाया का भुगतान बिना किसी शर्त के कर दिया. साथ ही एलएंडटी कंपनी ने मजदूरों को यह आश्वासन भी दिया कि तीन-चार दिनों में उन्हें सकुशल वापस भारत भेज दिया जाएगा. मजदूरों ने वेतन नहीं मिलने का वीडियो सोशल मीडिया पर जारी करने के लिए कंपनी और सभी स्टाफ से माफी मांगी है. मजदूरों ने कहा है कि हमारे पेमेंट से एलएंडटी कंपनी का कोई लेना-देना नहीं था. क्योंकि हम मजदूर ठेकेदार विनायक के लिए काम कर रहे थे और पेमेंट की पूरी जिम्मेदारी ठेकेदार की ही थी. उन्होंने सहयोग के लिए एलएंडटी कंपनी और याउंदे कैमरून स्थित भारतीय उच्चायोग के प्रति आभार जताया है.

कैमरून में फंसे मजदूर, जिन्हें है जल्द से जल्द वतन वापसी का इंतजार.

पेज एक का शेष

आओ संविधान-संविधान....

इंदिरा गांधी अकेली प्रधानमंत्री हुई हैं जिन्होंने बेईमानी से चुनाव जीता था. यह न्यायमूर्ति जगमोहनलाल सिन्हा का फैसला था, जिसके कारण आपातकाल लगा. अंग्रेजों ने हम पर दो शताब्दियों तक राज किया, हमें लूटा, बर्बाद किया, तो क्या हम भूल जायें ? क्या हम मुगल आक्रांताओं और शासकों की हैवानियत भूल जायें ? आखिर यह कौन तय करेगा कि हम क्या भूलें क्या याद करें ? जो देश और समाज अपने इतिहास से सबक नहीं सीखता है या उसे भूल जाता है, उसे समय इतिहास के कूड़ेदान में फेंक देता है. इतिहास वर्तमान का नेतृत्व नहीं कर सकता, लेकिन वह हमें राह जरूर दिखाता है, गलतियों के प्रति सचेत करता है और सन्मार्ग प्रशस्त करता है. इसलिए हमें अपने इतिहास के सुनहरे और काले अध्यायों को जानना ही चाहिए. इस लिहाज से आपातकाल के पुनरवलोकन में कोई हर्ज नहीं है, लेकिन हकीकत यह है कि सरकार के निर्णय का उद्देश्य पवित्र नहीं है. सवाल यह भी उठ रहा है कि संविधान हत्या दिवस क्यों ? हत्या की जगह कोई दूसरा शब्द इस्तेमाल हो सकता था. लेकिन जो हो गया सो हो गया. इसका जवाब भी सरकार ही देगी.

इसी बीच सुप्रीम कोर्ट ने तेलंगाना की एक तलाकशुदा मुस्लिम महिला को गुजारा-भत्ते का आदेश देकर शाहबानो मामले में राजीव गांधी की सरकार के संशोधन में पलीता लगा दिया है. हालांकि ऐसे छिटपुट फैसले पहले भी आये हैं, लेकिन इस बार चूंकि संविधान और कानून की चर्चाएं तेज हैं, इसलिए शरिया की सर्वोच्चता पर सवाल फिर खड़ा किया जा रहा है. कांग्रेस फिलहाल आधिकारिक रूप से मौन है. वह कह नहीं पा रही है कि जब राजीव गांधी की सरकार ने सुप्रीम कोर्ट का फैसला 1986 में ही संसद से कानून बनाकर पलट दिया था, तब सुप्रीम कोर्ट ने उसका मान क्यों नहीं रखा ? मौलाना चिंतित हैं, करें तो क्या करें ? उस समय तो राजीव गांधी को झुका दिया था. अब नरेंद्र मोदी को कैसे झुकायें ? इसलिए अदालती चहलकदमी की तैयारी हो रही है. यह मामला गरमाया तो कांग्रेस फंसेगी. गौरतलब यह है कि जब सुप्रीम कोर्ट का फैसला पलटा गया था तब युवा मंत्री आरिफ मोहम्मद खान (वर्तमान में केरल के राज्यपाल) ने मंत्रिपरिषद से इस्तीफा दे दिया था और जब वह अपने निर्वाचन क्षेत्र बहराइच (उप्र) के लिए लखनऊ से सड़क मार्ग से रवाना हुए तो उन पर पथराव हुआ, पर वे डिगे नहीं और आज भी मानते हैं कि राजीव गांधी ने कठमुल्लों के आगे घुटने टेक दिये और कानून में संशोधन कर दिया. अभी तो अभिव्यक्ति की आजादी और नेहरू के पहले संविधान संशोधन की भी चर्चा शुरू हो गयी है, जिसके कारण मजरुह सुल्तानपुरी को दो साल जेल में रहना पड़ा था. अभी संविधान को लेकर और भी खेल खेले जायेंगे, दोनों तरफ से. जब संविधान की बात निकली ही है, तो दूर तक जायेगी ही. कितनी दूर जायेगी, कहना मुश्किल है, लेकिन आओ संविधान-संविधान खेलें का दौर तो जारी रहेगा ही.

मंथन

विशुनपुर में आयोजित ग्राम स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन को किया संबोधित

प्रकृति के अनुकूल नहीं है वर्तमान जीवन : भागवत

प्रमुख संवाददाता। रांची

राष्ट्रीय स्वंय सेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक मोहन भागवत ने कहा है कि आज जिस तरह से मनुष्य जीवन जी रहा है, वह प्रकृति के अनुकूल नहीं है. अगर प्रकृति का दोहन बंद नहीं होगा तो मनुष्य जाति पर इसका विपरीत असर पड़ेगा. वे गुरुवार को विशुनपुर में पार्यवरण जागरूकता अभियान सह ग्राम स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे. उन्होंने कहा कि प्रकृति से पोषण पाने के लिए उसे भी पोषित करना होगा. सभी जीव-जातियों से अच्छा व्यवहार करने की जरूरत है.

निरंतर प्रक्रिया है विकास : मोहन भागवत ने कहा कि विकास एक निरंतर प्रक्रिया है. एकजुट होकर कार्य करने से निश्चित रूप से सफलता मिलती है. गांव के विकास को लेकर एक दूसरे की मदद के लिए सदैव तत्पर रहने की जरूरत है.

ग्राम स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन में मोहन भागवत, अशोक भगत व अन्य.

विकास भारती ने लगाए 10 करोड़ पेड़

विकास भारती के सचिव पद्मश्री अशोक भगत ने कहा विकास भारती द्वारा सरकार की योजनाओं का लाभ जनता को दिलाने के लिए निरंतर काम किया जा रहा है. विकास भारती पिछले 40 साल से लोगों के उत्थान के लिए काम कर रही है. संस्था की ओर से 10 करोड़ पेड़ लगाए गए हैं. कार्यक्रम में पद्मश्री चामी मुर्मू, देवव्रत मोहन, सुधीर बृजिया, महेंद्र भगत के अलावा पूर्व सांसद सुदर्शन भगत, समीर उरांव, अरुण उरांव, प्रवीण सिंह मौजूद रहे.

अवैध ढुलाई को लेकर चलाया गया अभियान

गिट्टी लदे तीन वाहन जब्त

मेदिनीनगर। अवैध परिवहन को लेकर पलामू डीटीओ ने गुरुवार को सघन वाहन जांच अभियान चलाया. इस दौरान कुल 3 वाहनों को जब्त कर टीओपी 2 थाना के सुपुर्द किया गया. इन वाहनों पर गिट्टी लोड थे. इन सभी वाहनों पर दंड शुल्क लगाया गया है. डीटीओ ने बताया कि व्यवसायिक वाहनों के खिलाफ यह अभियान लगातार जारी रहेगा. दोषियों पर सख्त से सख्त कार्रवाई की जायेगी. उन्होंने सभी वाहन संचालकों से वाहन से जुड़े सभी कागजात दुरुस्त करने के बाद ही नियमानुसार वाहनों का संचालन करने की अपील की. इस अभियान में डीटीओ के अलावा कार्यालयकर्मी मौजूद थे.

बढ़ती बेरोजगारी दर

लोकसभा चुनाव के परिणामों को जिन तीन मुद्दों ने सबसे ज्यादा प्रभावित किया, उसमें बेरोजगारी भी है. सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकोनॉमी यानी सीएमईआई के ताजा आंकड़ों के अनुसार जून 2024 में बेरोजगारी दर बढ़कर आठ महीने के उच्च स्तर 9.2 प्रतिशत पर पहुंच गई है, जो पिछले महीने सात प्रतिशत थी. बेरोजगारी दर में वृद्धि देश के उन युवाओं के लिए किसी आघात से कम नहीं है, जो नौकरी पा कर अपने परिवार का भविष्य सुरक्षित बनाना चाहते हैं. सीएमआईई के आंकड़ों के अनुसार, जून 2023 में बेरोजगारी दर 8.5 प्रतिशत था. ये आंकड़े उपभोक्ता पिरामिड घरेलू सर्वेक्षण पर आधारित हैं, जिसे सीएमआईई समय-समय पर आयोजित करता है. बेरोजगारी दर श्रम बल में उन लोगों की संख्या को मापती है, जो बेरोजगार हैं और सक्रिय रूप से नौकरी की तलाश कर रहे हैं. जून 2024 में महिला बेरोज़गारी दर राष्ट्रीय औसत से ज़्यादा 18.5 प्रतिशत रही, जबकि पिछले साल इसी महीने में यह 15.1 प्रतिशत थी. पुरुष बेरोज़गारी दर पिछले साल इसी महीने में 7.7 प्रतिशत की तुलना में 7.8 प्रतिशत रही. ग्रामीण क्षेत्रों में बेरोजगारी दर लगातार बढ़ रही है, जहां बेरोजगारी दर मई 2024 के 6.3 प्रतिशत से बढ़कर जून 2024 में 9.3 प्रतिशत और जून 2023 में 8.8 प्रतिशत हो जाएगी. ग्रामीण क्षेत्रों में पुरुषों के लिए यह दर मई के 5.4 प्रतिशत से बढ़कर जून 2024 में 8.2 प्रतिशत हो जाएगी और महिलाओं के लिए यह दर इसी अवधि के 12.0 प्रतिशत से बढ़कर 17.1 प्रतिशत हो जाएगी. शहरी क्षेत्रों में थोड़ी वृद्धि देखी गई, जहां मई में 8.6 प्रतिशत से जून 2024 में दर बढ़कर 8.9 प्रतिशत हो गई. शहरी क्षेत्रों में महिलाओं में भी अधिक वृद्धि देखी गई (मई में 18.53 प्रतिशत की तुलना में जून 2024 में 21.36 प्रतिशत). बेरोज़गारी में वृद्धि उच्च श्रम भागीदारी दर के बावजूद भी हुई है. श्रम भागीदारी दर का तात्पर्य कुल कामकाजी आयु वर्ग (15 वर्ष और उससे अधिक) में काम करने वाले या काम करने के इच्छुक लोगों और सक्रिय रूप से नौकरी की तलाश करने वालों से है. आंकों के अनुसार श्रम भागीदारी दर में मामूली सुधार हुआ है और यह मई में 40.8 प्रतिशत से बढ़कर जून 2024 में 41.4 प्रतिशत हो गई है. जून 2023 में यह 39.9 प्रतिशत थी. जून में पुरुष और महिला श्रम भागीदारी दर क्रमशः 68.1 प्रतिशत और 11.3 प्रतिशत तक पहुंच गई. श्रम मांग और रोजगार दरों में ये बदलते रुझान मौजूदा आर्थिक चुनौतियों से निपटने और ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में सतत विकास सुनिश्चित करने के लिए विचारशील नीतिगत उपायों की मांग करते हैं. यानी केंद्र सरकार को अपनी नीतियों पर विचार करने की जरूरत है, ताकि बेरोजगारी की समस्या का स्थायी समाधान निकले. अधिक रोजगार के अवसर पैदा करने और देश की वित्तीय लचीलापन को मजबूत करने के लिए आर्थिक गतिविधियों में विविधता लाने की जरूरत को केंद्र सरकार को समझने की जरूरत है. बेरोजगारों का आक्रोश चुनाव प्रचार के समय दिखा था. इस समय देश में बढ़ती आर्थिक असमानता के कारण भी युवाओं में खास तरह का रोष पनप रहा है. इसे नजरअंदाज करना खतरनाक साबित हो सकता है.

> बेरोजगारी दर श्रम बल में उन लोगों की संख्या को मापती है, जो बेरोजगार हैं और सक्रिय रूप से नौकरी की तलाश कर रहे हैं. जून 2024 में महिला बेरोज़गारी दर राष्ट्रीय औसत से ज़्यादा 18.5 प्रतिशत रही, जबकि पिछले साल इसी महीने में यह 15.1 प्रतिशत थी.

सुभाषित

यस्मिन् जीवति जीवन्ति बहवः स तु जीवति।
काकोऽपि किं न कुरुते चञ्च्वा स्वोदरपूरणम्।।

जिसके जीने से कई लोग जीते हैं, वह जीया कहलाता है, अन्यथा क्या कौआ भी चोंच से अपना पेट नहीं भरता? अर्थात व्यक्ति का जीवन तभी सार्थक है, जब उसके जीवन से अन्य लोगों को भी अपने जीवन का आधार मिल सके. अन्यथा कौवा भी अपना उदर पोषण करके जीवन पूर्ण कर ही लेता है.

सियासी हिंसा व राजनेताओं का पाखंड

भारत की यह चुप्पी और अब यह मुखरता राष्ट्रीय शर्म का सबब है. बेंजामिन नेतन्याहू को भी ट्रंप पर चली गोली से एतराज है, जबकि गाजा में दनादन चलती अपनी अमानवीय गोलियों पर उन्हें कभी एतराज नहीं हुआ. फ्रांस में पिछले दिनों हुए विरोध-प्रदर्शन को गोली की बोली से ही मैक्रां ने चुप कराया था और जिस अमेरिका में यह गोली चली, उस अमेरिका में राष्ट्रपति बाइडन ने उन बच्चों के साथ क्या किया था, जो फलस्तीनियों के लिए न्याय की आवाज लगाते हुए वहां के अधिकतर विश्वविद्यालयों में जमा हुए थे?

अमेरिका में फिर बंदूक गरजी! जो भी सुनेगा, पलट कर पूछेगा कि कब? क्योंकि वहां अकारण, असमय व सबसे अप्रत्याशित जगहों पर गोली बरसा कर दो-पांच-दस लोगों- बच्चों-महिलाओं को मार गिराना आम खबर की तरह होता है. यह अमेरिकी समाज है जहां पागलपन सामान्य-सा बन गया है. लेकिन इस बार जो हुआ, उसके निशाने पर पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप थे. छटांक भर की दूरी से मौत उन्हें छू कर निकल गई- उनका कान मौत के रास्ते में आ गया तो वह बेचारा थोड़ा घायल हो गया. घटना को देखने व जाननेवाले और गोली खाने से बच जाने वाले ट्रंप बता रहे हैं कि यह ईश्वर ही था कि जो उन्हें बचा ले गया. कैसा विद्रूप है कि जब हमारी जान बच जाती है तब हमें ईश्वर की साक्षात उपस्थिति महसूस होती है, जब हम दूसरों की जान लेते हैं तब कहां का ईश्वर और कहां की उसकी साक्षात उपस्थिति! दुख में सुमिरन सब करैं/ सुख में करे ना कोई / जो सुख में सुमरन करैं/ तो दुख काहे को होय! इसलिए ट्रंप पर चली गोली के समर्थन या विरोध का सवाल नहीं है. सवाल गोली की इस बोली को समझने व समझाने का है. अपने-अपने देश में गोली की बोली से बात करने में जो सभी सत्ताधीश हैं, वे सभी अमेरिका में गोली की बोली की इस घटना से सदमे में हैं. कम- से-कम ऐसा दिखा तो रहे ही हैं!! हमारे प्रधानमंत्री मोदीजी को सदमा लगा है कि 'मेरे मित्र ट्रंप' के साथ ऐसा हादसा हुआ! मोदीजी, अगर ट्रंप आपके मित्र नहीं होते तो? फिर भी सदमा होता? इतना होता कि आप बयान देकर अपना सदमा जगजाहिर करते? सोचिएगा! आपने कहा कि राजनीति में हिंसा की कोई जगह नहीं है. अगर यह सच है तो हिंसा, घृणा, द्वेष, झूठ, हिंसक भाषा व हिंसक मुद्रा की छौंक से चलने वाली आपकी अब तक की राजनीति क्या है? हिंसा के पनपने व फूटने की जमीन जितनी तरह से तैयार हो सकती है, उतनी तरह से पिछले 10 वर्षों में आपकी तरफ से तैयार की गई है. दुनिया के दूसरे कुछ हुक्मरानों ने भी गोली की बोली पर ऐतराज उठाया है. इनमें इसराइल के बेंजामिन नेतन्याहू भी हैं और फ्रांस के मैक्रां भी. ये भी और दूसरे सारे भी कह रहे हैं कि हमारे सभ्य समाज में ऐसी हिंसा की कोई जगह नहीं है. किसी ने यह भी कहा कि लोकतंत्र में हिंसा नहीं चल सकती. ये सच में ऐसा मानते हैं, इसलिए कह रहे हैं या कह रहे हैं कि हम सच में ऐसा मान लें कि ये सच में ऐसा मानते हैं? मामला बहुत जटिल है, क्योंकि झूठ को सच बनाना और फिर उसे सच मानना बहुत-बहुत बड़ा झूठ है.

• देश-काल

कुमार प्रशांत

हिंसा घटना नहीं है. हिंसा मनोवृत्ति है. जब आप हिंसा को एक परिणामकारी रास्ता मानते हैं, तब किसी गांधी की हत्या की लंबी साजिश रचते हैं और प्रार्थना के लिए जाते 80 साल के वृद्ध को, प्रार्थना- स्थल पर पहुंचने से पहले ही भगवान के पास पहुंचा देते हैं. हाथ भी नहीं कांपता है आपका और इतने लंबे वर्षों में कभी प्रायश्चित का भाव भी नहीं उभरा आपमें! हम कायर इतने होते हैं कि उस हत्या के 76 साल बाद भी, एक दशक से ज्यादा समय से सत्ता की चादर ओढ़े रखने के बाद भी, कायरता की धुंध इतनी घनी है कि हर संभव मौकों पर वे सब गांधी की विरुदावलि गाते हैं, लेकिन यह कह नहीं पाते हैं कि यह हत्या हमने की है! जो हिंसक होते हैं, वे कायर ही होते हैं, याकि ऐसे कहें कि जो कायर होते हैं, वे ही हिंसक भी होते हैं.

मैं मणिपुर की हिंसा की बात न भी करूं तो भी यह तो कहना ही होगा न कि मोदीजी की भारत सरकार न यूक्रेन की हिंसा के बारे में कभी कुछ बोली, न गाजा की हिंसा के बारे में बोली. मित्रों की हिंसा हिंसा नहीं होती है, मित्रों पर हिंसा ही हिंसा होती है, नैतिकता की ऐसी परिभाषा कितनी हिंसक है, इसका हिसाब कोई गांधी ही लगा सकते हैं. भारत की यह चुप्पी और अब यह मुखरता राष्ट्रीय शर्म का सबब है. बेंजामिन नेतन्याहू को भी ट्रंप पर चली गोली से एतराज है, जबकि गाजा में दनादन चलती अपनी अमानवीय गोलियों पर उन्हें कभी एतराज नहीं हुआ. फ्रांस में पिछले दिनों हुए विरोध-प्रदर्शन को गोली की बोली से ही मैक्रां ने चुप कराया था और जिस अमेरिका में यह गोली चली, उस अमेरिका में राष्ट्रपति बाइडन ने उन बच्चों के साथ क्या किया था, जो फलस्तीनियों के लिए न्याय की आवाज लगाते हुए वहां के अधिकतर विश्वविद्यालयों में जमा हुए थे?

डोनाल्ड ट्रंप खुद हिंसा भड़काने व नागरिकों को भीड़ में बदल कर, हिंसा के लिए उकसाने के सबसे बड़े अपराधी हैं. अमेरिकी अखबार उनके बारे में लिखते रहे हैं कि वे बला के झूठे, सड़कछाप आदमी हैं, जो संयोगवश राष्ट्रपति बन गये थे. उन पर अमेरिकी अदालतों में मुकदमे भी चल रहे हैं, जिसे पूर्व राष्ट्रपति को मिले विशेषाधिकार की आड़ में ट्रंप धता बताने में लगे हैं. पिछली बार राष्ट्रपति का चुनाव हारने के बाद भी वे जिस तरह गद्दी छोड़ने को तैयार नहीं हुए उसने, और जिस तरह उन्होंने अपने समर्थकों को कैपिटल हिल्स में घुस जाने तथा हिंसा, लूटपाट मचाने के लिए ललकारा तथा उस सारे हंगामे को चालना दी उसने, अमेरिकी लोकतंत्र का चेहरा खासा धुंधला कर दिया है. ट्रंप जब तक राष्ट्रपति रहे, व्हाइट हाऊस से सफेद चमड़ी का अहंकार, सत्ता की बदबू तथा दौलतमंदों का कुसंस्कार ही अमेरिका की पहचान बना रहा. चुनाव जीतना व देश के सर्वोच्च पदों पर जा कर बैठ जाना जैसे भारत में किसी नैतिक श्रेष्ठता का प्रमाण नहीं है - बल्कि उल्टा ही है! - वैसे ही अमेरिका में भी है. मैं तो कहूंगा कि भारत और अमेरिका नहीं, सारी दुनिया के लिए यही सच है.

आज अधिकतर अमेरिकी नहीं चाहते हैं, न बाइडन की पार्टी ही चाहती है कि बाइडन फिर से राष्ट्रपति बनने की कोशिश करें. उनकी दूसरी योग्यताओं की बात न भी करें हम तो भी यह तो सभी जान व देख रहे हैं कि बाइडन शारीरिक रूप से राष्ट्रपति बनने लायक नहीं हैं. असहिष्णुता, घृणा, अंधी स्पर्द्धा, झूठ, हिंसा आदि कुछ अलग-अलग वृत्तियां नहीं हैं. ये सब एक-दूसरे की संतानें हैं. समाज में आप जैसी वृत्तियों को चालना देते हैं, वैसी ही लहरें उसमें उठती हैं. अमेरिका में चुनावी बुखार चढ़ता जा रहा है, डोनाल्ड ट्रम्प जिसे उन्माद में बदलने की कोशिश में लगे हैं. वे जानते हैं कि अमेरिकी समाज के दूसरे कई घटकों के खिलाफ उन्माद व असहिष्णुता फैला कर ही वे व्हाइट हाउस में दोबारा प्रवेश पा सकते हैं. वे अपने मित्र से सीखते हों शायद कि यदि यही सब कर के तीसरी बार सत्ता पाई जा सकती है, तो दूसरी बार क्यों नहीं?

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

• बोधि-वृक्ष सुज्ञ

बुराई और भलाई

उभरती बुराई ने दबती-सी अच्छाई से कहा, ₹कुछ भी हो, लाख मतभेद हों, है तो तू मेरी सहेली हो। मुझे अपने सामने तेरा दबना अच्छा नहीं लगता। आ, अलग खड़ी न हो, मुझमें मिल जा, मैं तुझे भी अपने साथ बढ़ा लूंगी, समाज में फैला लूंगी।₹ भलाई ने शांति से उत्तर दिया, ₹तुम्हारी हमदर्दी के लिए धन्यवाद, पर रहना मुझे तुमसे अलग ही है।₹ ₹क्यों?₹ आश्चर्यभरी अप्रसन्नता से बुराई ने पूछा। ₹बात यह है कि मैं तुमसे मिल जाऊं तो फिर मैं कहां रहूंगी, तब तो तुम-ही-तुम होगी सब जगह।₹ अच्छाई ने और भी शान्त होकर उत्तर दिया। गुस्से से उफन कर बुराई ने अपनी झाड़ी अच्छाई के चारों ओर जकड़ कर फैला दी और फुंकार कर कहा, ₹ले, भोग मेरे निमन्त्रण को ठुकराने का नतीजा! अब पड़ी रह मिट्टी में मुंह दुबकाये! दुनिया में तेरे फैलने का अब कोई मार्ग नहीं।₹ अच्छाई ने अपने नन्हे अंकुर की आंख से जहां भी झांका, उसे बुराई की जकड़बंध झाड़ी के तेज कांटे, भाले के समान तने हुए दिखाई दिए। सचमुच आगे कदम भर सरकाने की भी जगह न थी। बुराई का अट्टहास चारों ओर गूंज गया। परिस्थितियां निश्चय ही प्रतिकूल थीं। फिर भी पूरे आत्म्-विश्वास से अच्छाई ने कहा, ₹तुम्हारा फैलाव आजकल बहुत व्यापक है, बहन! जानती हूं इस फैलाव से अपने अस्तित्व को बचाकर मुझे वृद्धि और प्रसार पाने में पूरा संघर्ष करना पड़ेगा, पर तुम यह न भूलना कि कांटे-कांटे के बीच से गुजर कर जब मैं तुम्हारी झाड़ी के ऊपर पहुंचूंगी तो मेरे कोमल फूलों की महक चारों ओर फैल जायगी और सभी की दृष्टि मोहक फूलों पर जमेगी, तब तेरा अस्तित्व ओझल ही रहेगा। अन्ततः यह जानना भी कठिन होगा कि तुम हो कहां।₹ व्यंग्य की शेखी से इठलाकर बुराई ने कहा, ₹दिल के बहलाने को यह ख्याल अच्छा है।₹ गहन सन्तुलन में अपने को समेटकर अच्छाई ने कहा, ₹तुम हंसना चाहो, तो जरूर हंसो, मुझे आपत्ति नहीं, पर जीवन के इस सत्य को कृत्रिम हंसी में झुठलाया नहीं जा सकता कि तुम्हारे प्रसार और प्रशंसकों की भी एक सीमा है, क्योंकि उस अति की सीमा तक तुम्हारे पहुंचते-न-पहुंचते तुम्हारे सहायकों और अंगरक्षकों का ही दम घुटने लगता है। जबकि इसके विपरीत मेरे फैलाव की कोई सीमा ही प्रकृति ने नहीं बांधी, बुराई बहन!₹ बुराई गंभीर हो गई और उसे लगा कि उसके कांटों की शक्ति स्वयंमेव पहले से कम होती जा रही है और अच्छाई का अंकुर तेजी से वृद्धि पा रहा है।

जलवायु परिवर्तन : युवाओं के बीच हो ठोस पहल

• शिक्षा जगत

अमिताभ पाण्डेय

जलवायु परिवर्तन और जलवायु शिक्षा को लेकर पिछले चुनाव में पहली बार वोट देने वाले युवाओं के सर्वे में चौंकाने वाले आंकड़े सामने आए हैं. इसके मुताबिक दिल्ली में पहली बार वोट देने वाले युवाओं ने जलवायु परिवर्तन को अपने राजनीतिक एजेंडे में सबसे ऊपर रखा है. सर्वे में शामिल 40 प्रतिशत युवाओं का मानना है कि सरकार जलवायु परिवर्तन के मुद्दों से निपटने के लिए पर्याप्त प्रयास नहीं कर रही है. वहीं, 83 प्रतिशत ने उनके स्कूल में दी जा रही पर्यावरण शिक्षा को औसत और बेहद खराब माना है. ये आंकड़े 'परसेप्शन ऑफ फर्स्ट-टाइम वोटर्स ऑन क्लाइमेट एजुकेशन इन इंडिया' सर्वे में सामने आए हैं. सर्वे 'असर' सोशल इम्पेक्ट एडवाइजर्स', 'क्लाइमेट एजुकेटर्स नेटवर्क' और 'सीएमएसआर कंसल्टेंट्स' की ओर से चार राज्यों-दिल्ली, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु और महाराष्ट्र के सात शहरों-दिल्ली, मुंबई, पुणे, चेन्नई, कोयम्बटूर, कोलकाता और आसनसोल में किया गया है. सर्वे में शामिल हुए युवाओं की उम्र 18-22 साल के बीच है.'टीबीएफ- द बनियन फाउंडेशन' की एजुकेशन डायरेक्टर स्वाति क्वात्रा स्कूलों और कॉलेजों में एकीकृत शिक्षा की जरूरत और जलवायु परिवर्तन के असर के बारे में पढ़ाने पर जोर देती हैं. वे कहती हैं, 'जलवायु परिवर्तन के कारणों और नकारात्मक प्रभावों को गिनाना ही काफी नहीं है. युवाओं को केवल निराशा, भय और चिंता महसूस होगी तो वे बेचैन होंगे. इसीलिए जलवायु शिक्षा को समाधान वाले दृष्टिकोण के साथ और अधिक व्यावहारिक बनाना होगा. साथ ही यह दृष्टिकोण संकट से निपटने, लचीली रणनीतियों और टिकाऊ उपभोग पर केन्द्रित होना चाहिए.'इस सर्वे से जलवायु शिक्षा के स्तर का भी पता चलता है. 59 प्रतिशत युवाओं को उनके स्कूलों-कॉलेजों में दी जा रही शिक्षा से जलवायु परिवर्तन के कारण और परिणामों के बारे में पर्याप्त और सही जानकारी नहीं मिलती. हालांकि इनमें से अधिकतर युवाओं ने मीडिया या सोशल मीडिया सहित अन्य माध्यमों से इस बारे में पढ़ा है. वहीं, दिल्ली में तमाम पर्यावरणीय चिंताओं के कारण 92 प्रतिशत युवाओं ने कहा कि उन्हें जलवायु शिक्षा को मौजूदा शिक्षा व्यवस्था में शामिल करना बेहद महत्वपूर्ण लगता है. इसके अलावा दिल्ली में जलवायु संकट की वजह से 61 प्रतिशत युवाओं ने निराशा, डर, गुस्सा और चिंता जताई, जबकि 39 फीसदी युवा जलवायु परिवर्तन के दौर में भविष्य के प्रति आशावादी थे.'क्लाइमेट एजुकेटर्स नेटवर्क' की संस्थापक सदस्य, सुनयना गांगुली कहती हैं, 'सर्वे के नतीजों से स्पष्ट है कि स्कूल-कॉलेजों के पाठ्यक्रम में जलवायु शिक्षा आसान भाषा और तरीके से उपलब्ध नहीं है. निकट भविष्य में आने वाले जलवायु संकट की तैयारी भी नहीं है. इसीलिए हमें युवाओं में आशा और भरोसा पैदा करना चाहिए. साथ ही गुणवत्तापूर्ण जलवायु पाठ्यक्रम, कौशल को बढ़ावा देने के लिए स्थान-आधारित और नई शिक्षा प्रणाली का उपयोग करना चाहिए. जलवायु के प्रति जागरूक समाज बनाने के लिए युवाओं में हुनर और ज्ञान का विकास करना पड़ेगा.'सर्वे के प्रमुख निष्कर्ष : सर्वे में शामिल हुए युवाओं में से 58 फीसदी ने कहा कि स्कूल-कॉलेज में उन्हें मिली जलवायु शिक्षा 'औसत' है, जबकि 25फीसदी ने इसे 'खराब' माना. सर्वे में शामिल 40 प्रतिशत युवाओं का मानना है कि सरकार जलवायु परिवर्तन के मुद्दों से निपटने के लिए पर्याप्त प्रयास नहीं कर रही है. 59फीसदी युवाओं का मानना है कि उन्हें जलवायु परिवर्तन के कारणों और परिणामों के बारे में पर्याप्त सूचना नहीं है. यह जलवायु परिवर्तन की उनकी समझ की रैंकिंग में भी दिखता है, जिनमें से अधिकांश (67फीसदी) ने कहा कि वे इस बारे में कुछ हद तक ही जानते हैं. युवाओं ने जलवायु संकट से निपटने के लिए तीन बड़े तरीके गिनाए. जिसमें 19 प्रतिशत ने परिवहन में टिकाऊ ढांचे को बढ़ाने, 18 प्रतिशत ने रिन्यूएबल ऊर्जा स्रोतों को प्राथमिकता देने और 17 प्रतिशत ने जलवायु शिक्षा और जागरूकता कार्यक्रमों पर जोर देने की बात कही. युवाओं से राजनीतिक मुद्दों को लेकर भी सवाल किए गए. इसमें 19 प्रतिशत ने इलाज के संकट और 16 प्रतिशत ने आर्थिक संकट के बारे में बात करने वाले उम्मीदवारों या पार्टियों को प्राथमिकता दी. वहीं, 16 प्रतिशत ने जलवायु परिवर्तन को वोट देते वक्त महत्वपूर्ण विषय माना. सर्वे में शामिल 63 प्रतिशत युवाओं ने कहा कि उन्होंने जलवायु शिक्षा के पहलुओं को अपने दैनिक जीवन में अपना लिया है.

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

> युवाओं को केवल निराशा, भय और चिंता महसूस होगी तो वे बेचैन होंगे. इसीलिए जलवायु शिक्षा को समाधान वाले दृष्टिकोण के साथ और अधिक व्यावहारिक बनाना होगा. साथ ही यह दृष्टिकोण संकट से निपटने, लचीली रणनीतियों और टिकाऊ उपभोग पर केन्द्रित होना चाहिए. 'इस सर्वे से जलवायु शिक्षा के स्तर का भी पता चलता है.

शिक्षा सरोकार और प्रणाली में बदलाव जरूरी

• विमर्श

अविजित पाठक

यह सवाल अकसर सामने आ खड़ा होता है कि क्यों शिक्षा पर लिखना जारी रखा जाये. शायद, इसलिए कि 'शिक्षा' को लेकर जो प्रचलित परिभाषाएं समाज ने बना रखी हैं, उनसे सहमत होना मुश्किल है? शिक्षा के अर्थ, वर्तमान युग में आम समझ के अनुसार मुख्यतः तीन हैं : (अ) शिक्षा एक प्रकार का 'प्रशिक्षण' है या 'कौशल सीखने' का जरिया (ब) शिक्षा एक किस्म से पायदान-दर-पायदान चढ़ते हुए सीखना है या यह वह राह है, जिससे होकर कोई एक खास शैक्षणिक विशेषज्ञता वाली विधा में 'विशेषज्ञ' बनता है (स) यह किसी छात्र को एक 'संसाधन' में परिवर्तित करती है, जिसका उपयोग किसी आर्थिक-सैन्य-तकनीकी प्रयोजन में हो. लेकिन फिर, शिक्षा को लेकर रखे गए ऐसे संकुचित, उपयोगितावादी, तकनीकी रुख से असहज होना स्वाभाविक है. कारण यह कि यदि शिक्षा हमारे अंदर मानवीयता, सौंदर्य बोध, नैतिकता, आध्यात्मिकता की समझ को सक्रिय न कर पाए तो यह खराब एवं खतरनाक बनी रहेगी, भले ही यह देश की आर्थिक वृद्धि दर में बढ़ोतरी के लिए 'कुशल' श्रम शक्ति क्यों न पैदा करती हो या तकनीकी-सैन्य क्षेत्र के लिए 'मानव संसाधन' पैदा करने वाली हो या फिर किसी कॉलेज, यूनिवर्सिटी को 'टॉप रैंकिंग' दिलवाने हेतु हजारों की संख्या में रिसर्च पेपर तैयार करने वाली हो. इस मामले में सख्त रुख की दरकार है. यह कहना हिचक वाली बात नहीं कि इस किस्म की मशीनी शिक्षा सैन्यीकरण, युद्ध की मानसिकता, पर्यावरणीय आपदाओं, दूसरों से नफरत करने वाले राष्ट्रवाद, धार्मिक कट्टरवाद और अति उपभोक्तावाद से मुक्त नई दुनिया बनाने में पूरी तरह अक्षम साबित हुई है. इन दिनों, हमारे पास भरमार है ऐसे विशेषज्ञों की जो अंतरात्मा विहीन हैं, तकनीक की जो आत्मा से रहित है, बाजार जो नैतिकता मूल्यों से विहीन है, और मानव संसाधन, जिसमें समृद्ध अंतःकरण और उच्च आदर्श नदारद हैं. शिक्षा का मौजूदा प्रचलित तरीका, शिक्षा प्राप्त कर रहे युवाओं को बेलगाम योद्धा में तबदील कर रहा है, यह स्थिति आगे ऐसी पीढ़ी बना रही है, जो आनंद-विहीन एवं आक्रामक है, जिसको जरा चैन नहीं, जिसपर भय, मनोवैज्ञानिक संत्रास और आध्यात्मिक मूर्खता तारी है. हां, यही मनोव्यथा आलोचना करने को उकसाती है. सफलता का पैमाना बना दी गईं नीट, जेईई, नेट और क्युएट जैसी परीक्षाओं की आलोचना–इम्तिहान जो हमारे विद्यार्थियों का आनंद, विचारशीलता, आत्मबोध, सहजता से सीखना जैसी नैसर्गिकता छीन रहे हैं. 'कोटा एकेडमी संस्कृति' का निंदक होना बनता है, राजस्थान का यह शहर जीवन लीलने वाला कोचिंग-उद्योग या किशोर जीवनकाल के जादुई वर्ष छीनने वाली मशीनों का पर्याय बन गया है और उन्हें 'परीक्षा योद्धा' सरीखे रोबोट्स में परिवर्तित कर रहा है, जिन्हें केवल एक ही चीज़ पता है– भौतिकी या गणित के सवालों को कैसे जल्द से जल्द अथवा तत्काल हल करना है. गुस्सा आता है, उच्च शिक्षा का कॉर्पोरेटीकरण करने पर या शिक्षा का रुतबा 'प्राप्त सैलरी पैकेज' से मापने के भौंडे तरीके पर. और हां, कला एवं मानविकी को हेय गिने जाने पर चिंता उपजती है. ऐसे में अक्सर अमेरिकी नारीवादी विदुषी बेल हुक्स से प्रेरणा मिलती है. जबतक वे जीवित रहीं, वे अपने विद्यार्थियों को आलोचनात्मक शिक्षण एवं दूसरों का ख्याल रखने की नैतिकता के खूबसूरत मिश्रण से प्रेरित करती रहीं. पाअलो फ्रेरे, इरिक फ्रॉम और थिच हाट हान से हुए शैक्षणिक संवाद उन्हें नस्लवाद, पुरुष वर्चस्व और तमाम किस्म के दबदबों से सवाल करने की मजबूती प्रदान करते थे. और शिक्षा, जैसा कि उन्होंने अपने पढ़ाने और लिखने के ढंग से दर्शाया, वह है जो प्रेम की क्षमता पैदा करे और हिंसा से त्रस्त संसार के जख्मों पर मरहम लगाए. लेकिन फिर हमारे सामूहिक ह्रास और अधोपतन पर नज़र डालें. बतौर अभिभावक एवं शिक्षक, हम अपनी इस पीढ़ी को सिर्फ और सिर्फ अपने कैरियर पर ध्यान केंद्रित करने को कहते हैं यानी 'मोटी पगार'. हम उन्हें पागल घोड़े की तरह भागने और दूसरों के बारे में न सोचने को कह रहे हैं– जिसमें उनकी पीड़ा, संत्रास और मुश्किलें शामिल हैं. जिसे हम इन दिनों 'शिक्षा' मान रहे हैं, कदाचित् केवल हिंसात्मक, श्रेणीबद्ध, शोषणकारी समाज के विचार को फिर से जीवित कर रही है.और अंत में, ख्यात राजनीतिक सिद्धांतकर्ता एवं दार्शनिक मार्था नुशबॉम का कथन दोहराया जाये : 'हर चीज़ लाभ कमाने के वास्ते नहीं होती, लोकतंत्र को मानवीयता की आवश्यकता है'. हम अपने कॉलेज-यूनिवर्सिटियों को मुख्यतः तकनीकी-वैज्ञानिक-अर्थशास्त्र पढ़ाने के स्थल की तरह देखते हैं और परिणामवश कला एवं मानवशास्त्र का अवमूल्यन हो रहा है.

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

> इन दिनों, हमारे पास भरमार है ऐसे विशेषज्ञों की जो अंतरात्मा विहीन हैं, तकनीक की जो आत्मा से रहित है, बाजार जो नैतिकता मूल्यों से विहीन है, और मानव संसाधन, जिसमें समृद्ध अंतःकरण और उच्च आदर्श नदारद हैं. शिक्षा का मौजूदा प्रचलित तरीका, शिक्षा प्राप्त कर रहे युवाओं को बेलगाम योद्धा में तबदील कर रहा है, यह स्थिति आगे ऐसी पीढ़ी बना रही है.

मीडिया में अन्यत्र

आतंक के खिलाफ सख्ती जरूरी

जम्मू में आतंकवाद के खिलाफ आपरेशन पर निकले जवानों को एक बार फिर आतंकवादियों द्वारा निशाना बनाया जाना बताता है कि आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई लंबी चलेगी. सोमवार को डोडा में हुए आतंकवादी हमले में एक कैप्टन समेत चार जवानों का बलिदान बताता है कि पाक समर्थित आतंकवादियों ने बदले हालात में हमले की रणनीति में बदलाव किया है. कश्मीर के बजाय जम्मू क्षेत्र में दहशत फैलाने की सोची-समझी साजिश रची है. यही वजह है पिछले करीब डेढ़ माह में देश ने जम्मू इलाके में ग्यारह जवानों को खोया है. वहीं दस नागरिक भी आतंकी हिंसा का शिकार बने हैं. बहरहाल, ये हालात उन दावों के विपरीत हैं, जिसमें कहा जाता रहा है कि जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद 370 हटाए जाने के बाद घाटी में आतंकवाद पर अंकुश लगा है. सुरक्षा विशेषज्ञ मान रहे हैं कि पाक की खुफिया एजेंसी आईएसआई ने सुनियोजित तरीके से घाटी के बजाय जम्मू को आतंकवादी घटनाओं के लिये चुना है. दरअसल, अब तक आतंक का केंद्र रही कश्मीर घाटी में सुरक्षा चक्र मजबूत है. वहीं दूसरी ओर एलओसी पर सख्त नियंत्रण के चलते जम्मू से लगते इंटरनेशनल बॉर्डर को घुसपैठ के लिये चुना गया है. आतंकवादियों द्वारा सैनिकों को निशाना बनाने से साफ है कि पाक सेना के लोग आतंकवादियों को प्रशिक्षित कर रहे हैं. वहीं कश्मीर में सक्रिय लश्कर-ए-तैयबा जैसे संगठन नये छद्म नामों से हमलों की जिम्मेदारी ले रहे हैं. रक्षा विशेषज्ञ बताते हैं कि जम्मू क्षेत्र में हालिया आतंकी गतिविधियों में वृद्धि की वजह यह भी है कि अपेक्षाकृत शांत माने जाने वाले जम्मू इलाके में पिछले कुछ वर्षों में सैन्य तैनाती को घटाया गया है. दरअसल, पूर्वी लद्दाख के गलवान में चीनी सैनिकों से संघर्ष के बाद बड़ी संख्या में सैनिकों को जम्मू से हटाकर लाइन ऑफ एक्चुएल कंट्रोल पर भेजा गया था. ऐसा चीन की भारी सैन्य तैनाती के बाद किया गया था. वैसे वर्ष 2019 में जम्मू-कश्मीर की संवैधानिक स्थिति में बदलाव के बाद घाटी में कमोबेश आतंकी घटनाओं में कमी देखी गई. लेकिन आतंकवादियों ने जम्मू में सुरक्षाबलों की कमी का लाभ उठाकर हमले तेज कर दिये. हालिया घटनाएं केंद्र सरकार को मंथन का संदेश देती हैं कि जम्मू-कश्मीर में दशकों से स्थापित व्यवस्था में परिवर्तन के वक्त विपक्ष को साथ लेकर इस स्थिति को बदलने से उत्पन्न दूरगामी परिणामों पर विचार किया जाना चाहिए था, जिससे क्षेत्र के लोगों को राष्ट्र की मुख्यधारा से जोड़ने में मदद मिलती. वहीं दूसरी बात यह भी है कि ये हमले तब तेज हुए हैं जब केंद्र में मजबूत सरकार के बजाय एक गठबंधन सरकार आई है. पाक हुक्मरानों को ये मुगालता रहा है कि कमजोर केंद्र सरकार के दौर में वे अपने मंसूबों को अंजाम दे सकते हैं.

(दैनिक ट्रिब्यून)

शब्द चर्चा

डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

कुख्यात/ प्रख्यात/विख्यात

अंगुलिमाल एक कुख्यात डाकू था, जिसका एक बार प्रख्यात संन्यासी गौतम बुद्ध से सामना हो गया. वाराणसी विश्वविख्यात नगरी है. इन वाक्यों में प्रयुक्त कुख्यात, प्रख्यात और विख्यात में पहला शब्द कुख्यात में नकारात्मक भाव है, जबकि प्रख्यात और विख्यात में प्रशंसात्मक भाव. ये तीनों शब्द तत्सम विशेषण हैं. ये तबतक अप्रभावी रहते हैं, जबतक किसी संज्ञा से जुड़ नहीं जाते. अकेले ये तीनों सुषुप्त, निष्क्रय और निष्प्रभावी होते हैं. डाकू से जुड़कर कुख्यात, संत से जुड़ कर प्रख्यात, नगरी से मिलकर विख्यात प्रभावशाली भूमिका में आ जाते हैं. इन शब्दों में समानता यह है कि ये ख्यात शब्द से बने हैं, जिसका आशय प्रसिद्धि है. वर्धा हिंदी शब्दकोश के अनुसार कुख्यात का अर्थ है बदनाम, अपयश वाला, जघन्य अपराध करनेवाला, बहुत बड़ा अपराधी. इसका भाववाचक संज्ञा रूप है कुख्याति. इसका मतलब है बदनामी, अपयश, बुरी ख्याति, अपकीर्ति. कुख्यात का ठीक विपरीत अर्थ वाला या विलोम विशेषण शब्द है प्रख्यात. इसका अर्थ है अति प्रसिद्ध, मशहूर, प्रसन्न, सुखी. संज्ञा पुल्लिंग के रूप में नाटक का एक भेद जिसमें कथावस्तु का आधार ऐतिहासिक या पौराणिक कहानियां होती हैं. ऐसा ही सकारात्मक अर्थ रखनेवाला विशेषण है विख्यात, जिसका आशय है जिसकी बहुत ख्याति हो, प्रसिद्ध, मशहूर. तीनों शब्दों में ख्यात शब्द जुड़ा हुआ है. ख्यात का मतलब कीर्ति या यश से है, लेकिन उपसर्गों के प्रयोग के कारण इनके अर्थ एक दूसरे भिन्न हो जाते हैं. कुख्यात में कु उपसर्ग है, जो नकारात्मक भाव का द्योतक है. कुख्यात में ख्याति तो है, लेकिन बुरी ख्याति है, निंदनीय है. प्रख्यात में प्र उपसर्ग का प्रयोग है. प्र अगर पहले लगा हो तो उसका मतलब होता है उस मुकाम तक पहुंचा हुआ. उदाहरण के लिए प्रसिद्ध, जिसका अर्थ है उस अवस्था या मुकाम तक पहुंचा हुआ, जहां पर वह लगभग सिद्ध हो चुका है. विख्यात में लगे वि उपसर्ग का मतलब किसी मायने में खास. विख्यात का मतलब जिसकी ख्याति यानी पहचान विशेष हो.

अब प्रेम करने पर भी आफत

• तीर-तुक्का

डॉ. रामवृक्ष सिंह

भारत के युवाओं के सामने बड़ी अजीब समस्या पैदा हो गई है. कानून बन गया है कि कोई लड़का अब किसी लड़की से प्रेम का इजहार करने के लिए उसका पीछा करेगा तो सीधे जेल जाएगा. सोचकर कलेजा मुँह को आ रहा है, बड़ी चिन्ता हो रही है. और हमें ही नहीं, बल्कि कानून बनानेवाली संस्था में बैठे लोगों को भी हो रही है. उनमें से कुछ लोग बहुत मुखर होकर एक-दूसरे से पूछ रहे हैं कि अब प्रेम कैसे होगा. ऐसा ही एक दृश्य गोस्वामी तुलसीदास ने कलि-काल वर्णन में चित्रित किया है- जीविका विहीन लोग सीद्यमान सोच बस, कहैं एक-एकन सों कहां जाई, का करी? देश का बेरोजगार नौजवान, जो कान में मोबाइल फोन की ठीसी खोंसे, फटी हुई लो-वेस्ट, कूल्हा-दर्शना, जीन्स पहने इधर-उधर आती-जाती युवतियों के पीछे-पीछे घूमकर देश के सकल घरेलू उत्पाद में अपना अमूल्य योगदान करता चला आ रहा था, वह सदमे में है- व्हाट टु डू, हाउ टु किल टाइम? पता नहीं, सौन्दर्य-शास्त्र का सैद्धान्तिक पक्ष पढ़ानेवालों और सिद्धान्तों को व्यवहार में लानेवालों को यह चिन्ता सता रही है, या नहीं. पर हम तो सोच-सोचकर परेशान हैं कि यार भइए, अब परकीया नायिकाओं का क्या होगा? हम तो होश संभालने से लेकर अब तक (जबकि बुढ़ापा बाहर खड़ा, हमारे गेट खोलने का इंतजार कर रहा है) यही देखते आए हैं कि लड़की के पीछे-पीछे कोई बीन लिए घूमता है और पूछता है कि संगम होगा कि नहीं, तो कोई हवाई जहाज से मंडराकर कहता है कि तेरे दिल के पास ही है मेरी मंजिले-मकसूद, कोई कहता है कि रुक जा ओ जानेवाली रुक जा, मैं हूं राही तेरी मंजिल का, तो कोई कहता है कि रुक-रुक, रुक जाना ओ जाना हमसे दो बातें करके चली जाना. और आज अचानक पूरी व्यवस्था हमें अपना समाजशास्त्र दुरुस्त करने को कह रही है, क्योंकि ये सारी हरकतें अब ग़ैर-कानूनी करार दे दी गई हैं. अब यकीनन ये सब गुजरे जमाने की बातें हो जाएंगी और सिर्फ पुरानी फिल्मों में दिखाई देंगी. नई फिल्मों में अगर इस तरह के दृश्य आए भी तो शर्तिया तौर पर वे खलनायकों पर (या खलनायक-नुमा नायकों पर) फिल्माए गए होंगे, क्योंकि अपना पारंपरिक नायक तो गैरकानूनी काम कर नहीं सकता. अब चाहे जो कहिए, लेकिन इस नए कानून ने सारे पारंपरिक रोमांस की हवा ही निकाल दी है. ज़रा इस मसले पर ग़ौर फरमाएं कि कोई लड़का किसी लड़की का पीछा क्यों करता है? दरअसल, लड़का जब लड़की का पीछा करता है तो एक प्रकार से वह ट्रायल एंड एरर थ्योरी पर चल रहा होता है. और सच कहें तो ऐसा करने की नौबत केवल अज़नबी लड़कों-लड़कियों के बीच आती है. एक साथ पढ़ने वाले या एक मोहल्ले में रहनेवाले लड़कों-लड़कियों के मामले में ऐसा नहीं होता. वहां तो नोट्स बदलने के बहाने, जन्म-दिन पार्टी, न्यू-इयर या होली-मिलन के बहाने दोनों के आपस में इलू-इलू कर लेने की बहुत संभावना रहती है. वैसे तो हर

धर्म अध्यात्म

आचार्या दीपिका श्रीवास्तव

अंकों से रोग एवं रोग का निवारण

जन्मतिथि के अंकों का योग मूलांक तथा जन्मतिथि, महीना एवं वार के अंकों का योग भाग्यांक कहलाता है. अंक ज्योतिष में आपकी जन्म की तारीख से संभावित रोग के विषय में जानकारी एवं उसका निवारण संभव है.

1. यदि आपकी जन्म की तारीख 1,10,19,28 है तो आप को हृदय संबंधी कष्ट हो सकता है. वृद्धावस्था में आपको नेत्र पीड़ा, अपच, गठिया, रक्तचाप, डिप्थीरिया, दुर्बलता जैसे रोगों की आशंका हो सकती है.
उपाय : 1 सूर्य का अंक है इसलिए इन परेशानियों से बचने के लिए, आदित्य हृदय स्तोत्र का और सूर्य स्तोत्र व कवच का पाठ करना लाभप्रद होगा.

2. यदि आपका जन्म महीने की 2,11, 20, 29 तारीखों को हुआ है तो आपको कमजोरी, क्षीणता, उद्वेग, मस्तक पीड़ा, छोटी-छोटी दुर्घटना, हृदय रोग, संवेदनशीलता, भावुकता, स्नायु दुर्बलता जैसे रोग होने की आशंका हो सकती है.
उपाय : चंद्र स्तोत्र व कवच का पाठ करना लाभप्रद होगा.

3. यदि आपका जन्म 3, 12, 21 ,30 तारीख को हुआ है तो आपको चर्म रोग, खुजली, पित्त प्रकोप ,स्नायु निर्बलता, मानसिक उद्वेग, रक्त दोष जैसे रोगों की आशंका बनेगी.
उपाय : विष्णु सहस्रनाम या बृहस्पति स्तोत्र व कवच का पाठ करें.

4. 4 ,13, 22 और 31 अगर आपके जन्म की तारीख है तो आपको रक्तचाप या जुकाम, छूत के रोग, इन्फेक्शन बहुत जल्द होने की आशंका बनती है.
उपाय : राहु स्तोत्र व कवच का पाठ करें.

5. आपका जन्म महीने की 5,14,23 तारीख को हुआ है तो आपको चर्म रोग, मानसिक चिंता, दुर्बलता, शारीरिक कमजोरी की आशंका बनी रहेगी.
उपाय : गणेश स्तोत्र व बुध स्तोत्र का पाठ करें.

6. यदि आपका जन्म महीने की 6,15 और 24 तारीख को हुआ है, तो आपको फेफड़ों से संबंधित रोग, स्नायु निर्बलता, सीने की कमजोरी ,कफ जनित रोग, जुकाम जैसे रोगों की आशंका रहेगी.
उपाय : आपको शुक्र के स्तोत्र व कवच का पाठ करना चाहिए.

7. यदि आपका जन्म महीने की 7,16, 25 तारीख को हुआ है, तो आपको पेट दर्द, छूत के रोग, पसीने की अधिकता, अमाशय दोष, नींद ना आना, भूख ना लगना, तथा गठिया इत्यादि रोगों की आशंका रहेगी.
उपाय : नृसिंह स्तोत्र का पाठ करें.

8. यदि आपका जन्म महीने की 8,17, 26 तारीख को हुआ है तो, आप को वायु रोग, शारीरिक क्षीणता, अंध रोग, हृदय रोग, रक्त की कमी, गठिया, सिर की पीड़ा, गंजापन तथा कान -नाक में पीड़ा होने की आशंका रहेगी.
उपाय : आप शनि के स्तोत्र व कवच का पाठ करें.

9. यदि आपका जन्म महीने की 9, 18, 27 तारीख को हुआ है तो, आपको क्रोध की अधिकता, दुर्घटना, हृदय रोग, रक्तचाप की आशंका रहेगी.
उपाय : बजरंग बाण या मंगल स्तोत्र का पाठ करना आपके लिए शुभ फल प्रद होगा.

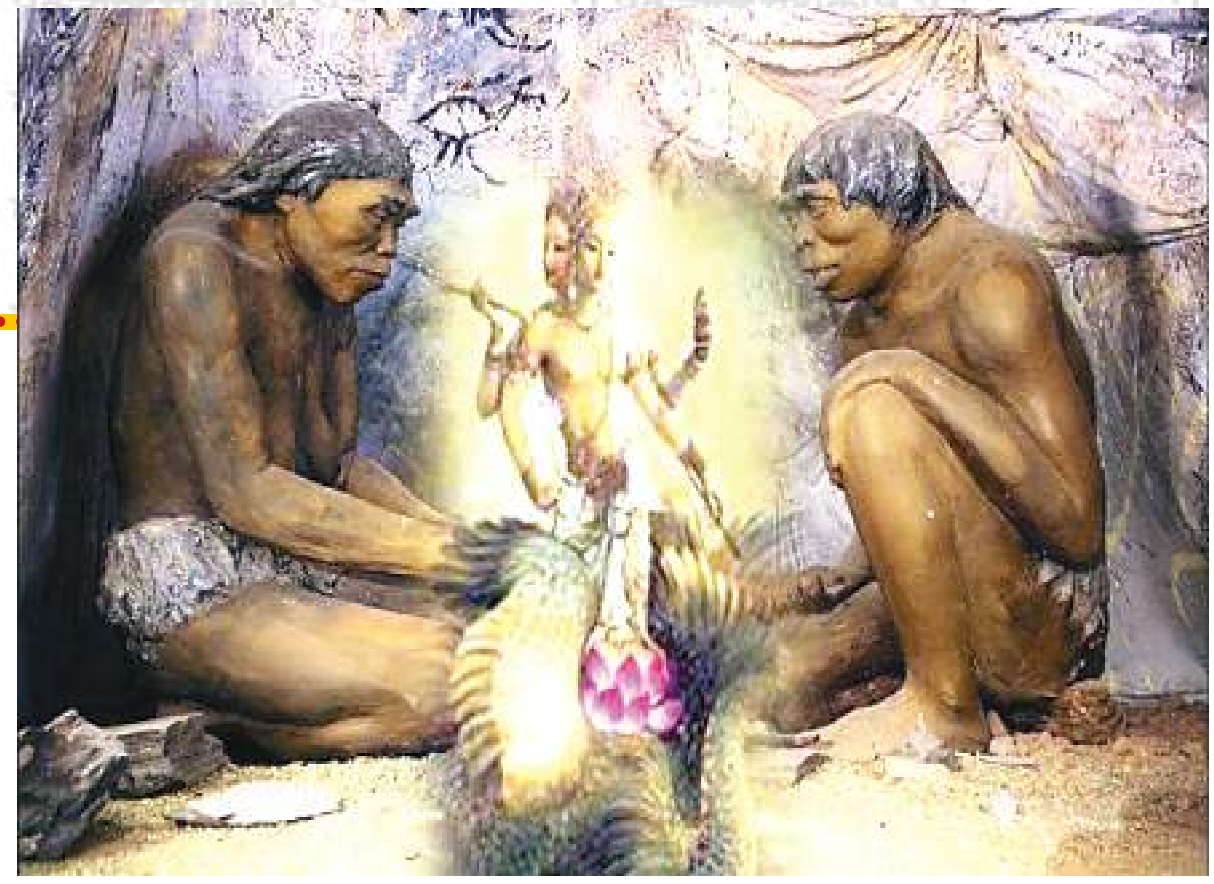

देवताओं की उत्पत्ति और हमारी आस्थाएं

विमल किशोर

सनातन धर्म और आध्यात्म इन दिनों आम चर्चाओं के विषय हैं. मोटे तौर पर सनातन धर्म को हिन्दू धर्म का पर्याय मान लिया जाता है और अध्यात्म को हिन्दू धर्म में प्रचलित पूजा पाठ के तौर तरीके, कर्म-काण्ड, संस्कारों के अनुपालन और आराध्य देवों के प्रति आस्था और अनुराग से जोड़कर देखा जाता है. वस्तुत: बात केवल इतनी ही नहीं है. आज के कर्मप्रधान और भौतिकवादी युग में इन दोनों जीवन-दर्शनों के प्रति गहनता से सोचने समझने की आवश्यकता और उपयोगिता को पर्याप्त महत्व नहीं दिया जाता है और आम जीवन की जटिलताएं भी इनकी तथ्यपरक व्याख्या के प्रति उदासीनता के भाव उत्पन्न करती हैं. इसके अतिरिक्त कुछ आस्थाजनित मान्यताएं, कुछ आडंबर और कुछ परम्पराएं भी इससे संबन्धित ज्ञान के सहज प्रचार व प्रवाह को अवरुद्ध करती हैं.

कैसे हुई सृष्टि की रचना

सृष्टि की रचना से सम्बद्ध ज्ञान व अनुभव की विकास यात्रा धरती पर मानव जीवन की विकास यात्रा से सर्वथा भिन्न है. दोनों ही अलग अलग प्रकरण हैं. सृष्टि कहें या ब्रह्मांड - इसकी रचना तो हुई पर यह कैसे हुई, क्यों हुई, कब हुई, यह आज भी शोध का विषय है. कई सिद्धान्त आए पर अनेकों अनुत्तरित सवालों से घिरे होने के कारण अपूर्ण और अमान्य बने रहे. कुछ ऐसा ही परिदृश्य बनता है जब इस धरती पर मानव जीवन की शुरुआत से लेकर आधुनिक काल तक के इसके संचरण की व्याख्या करने का प्रयास किया जाता है. लेकिन मानव जीवन बना और इसकी इतनी लंबी विकास यात्रा हुई, यह बड़ा सत्य भी सबके सामने है. मानव विज्ञान शास्त्र, समाज शास्त्र, दर्शन शास्त्र आदि कई ऐसे स्रोत हैं जो इस विषय पर पर्याप्त रोशनी डालते हैं, नई अवधारणा के लिए आधार देते हैं पर कुछ सवाल अनुत्तरित ही रह जाते हैं. इसलिए एक सहज अनुमान की भी आवश्यकता होती है.

सर्वव्यापी, सर्वशक्तिमान महाशक्ति

मानव जीवन अपनी विकास यात्रा में प्रागैतिहासिक काल, पुरापाषाण काल, पाषाणकाल आदि से गुजरता हुआ जीवन की मूलभूत आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए निरंतर बौद्धिक विकास करता रहा होगा और तब इसी क्रम में एक ऐसी स्थिति आई होगी जब उसने दैनिक जीवन से जुड़े मुद्दों से इतर कुछ परालौकिक मुद्दों पर भी चिंतन शुरू किया होगा. उसे अपने आस-पास की चीजों को देखकर, सुनकर, स्पर्श कर बड़ा कौतूहल होता होगा और तीव्र जिज्ञासा होती होगी कि ये सब चीज़ें क्या हैं, कहां से आयीं, क्यों आयीं, कब आयीं वगैरह वगैरह. वह तारों को देखता होगा, सूर्य, चन्द्र, पहाड़, नदी, जंगल, भिन्न-भिन्न तरह के जीव-जन्तु, भिन्न-भिन्न तरह की प्राकृतिक घटनाओं को भी देखता होगा. सबको देख कर वह उनके उद्भव के स्रोत, उनकी स्थिति, उनके होने के कारण आदि पर गंभीर चिंतन करता रहा होगा. कुछ की तो व्याख्या वह कर पाया होगा पर बहुत सी बातें उसकी बौद्धिक, तार्किक और विश्लेषणात्मक शक्ति से परे होंगे. तब उसने अपनी कल्पनाशक्ति का उपयोग किया होगा और एक ऐसी महाशक्ति के अस्तित्व को मान लिया होगा जो निराकार है, अमूर्त है, सर्वव्यापी है, सर्वशक्तिमान है, अनंत है, अलौकिक है और शाश्वत है जिसने इन सबको बनाया, अस्तित्व में रखा और समय आने पर नष्ट किया. अनुमानतः, कालक्रम में इस महाशक्ति का ही नाम ईश्वर दिया गया और इसे ही सारी सृष्टि के मूल में देखा गया. कालांतर में इसके तीन रूप दिये गए – सृष्टिकर्ता, पालनकर्ता और विनाशकर्ता. ऐसी किसी एक महाशक्ति की परिकल्पना के बाद उसकी सारी जिज्ञासाएं इसी महाशक्ति के इर्द-गिर्द जुड़कर शांत हो गईं. जिनकी व्याख्या वह कर पाता उन्हें ज्ञान की श्रेणी में रखता और जिनकी व्याख्या उसकी समझ से परे होती, उन्हें ईश्वर की ईच्छा, ईश्वर के कार्य या ईश्वर के निर्णय से जोड़ देता. इसे ही सभी शक्तियों का स्रोत समझा गया और मान लिया गया कि यह शक्ति मनुष्यों की इंद्रियों की क्षमता से परे है. और तब से मानव जगत अपने को किसी अप्रिय घटना से बचाने और हर स्थिति में स्वयं के लिए अच्छे परिणाम प्राप्त करने के उद्देश्य से इस शक्ति की पूजा-आराधना और उपासना करने लगा.

ये जीवन सहज करने वाले देवता

आदि मानवों ने अध्ययन किया कि ऐसी कई चीज़ें उनके आस पास मौजूद हैं जो उन्हें जीवन का आधार देती हैं, कष्टों से उन्हें मुक्त करती हैं. सूर्य, धरती, वायु, अग्नि, वनस्पति, पशु आदि कुछ ऐसी ही चीज़ें होंगी जो उनके प्रारम्भिक चिंतन के केंद्र में रहे होंगे. इनके माध्यम से उनके जीवन की बहुत सारी समस्याओं का समाधान मिलता था, इसलिए लोगों के हृदय में इनके प्रति एक स्वाभाविक प्रेम, आदर और आराधना का भाव उत्पन्न हुआ और उन्होंने इनकी भी पूजा-अर्चना शुरू कर दी. लोग इन्हें देवता मानने लगे – अलग-अलग चीजों के लिए अलग-अलग देवता. संभवतः, इन्हीं परिस्थितियों में उत्पन्न हुई जीवन से जुड़ी कुछ मान्यताएं, धारणाएं, नियम, विश्वास, आस्था आदि जिन्हें सम्मिलित रूप से कहा गया जीवन-दर्शन. क्योंकि, मानव जगत से जुड़ी ये परिस्थितियां भिन्न-भिन्न क्षेत्रों में भिन्न-भिन्न थीं, विकास की गति व विकास का स्तर भी अलग-अलग था, ये जीवन दर्शन भी भिन्न-भिन्न होते गए. हमारे भौगोलिक क्षेत्र में जो जीवन दर्शन उद्धृत हुआ उसे भारतीय दर्शन के नाम से जाना जाता है और संभवतः यह सबसे प्राचीन है. इसी भारतीय दर्शन के अंग हैं सनातन धर्म और अध्यात्म.

वेदों की रचना

भारतीय दर्शन के मूल में वेद हैं. इन वेदों में ऋग्वेद सबसे प्राचीन है. इसकी रचना, संवर्धन और संकलन में हजारों वर्ष लगे. इसकी ऋचाएं अलग-अलग लोगों द्वारा अलग-अलग भौगोलिक क्षेत्रों में भिन्न-भिन्न कालखण्डों में रची गईं. किसी सर्वमान्य लिपि के अभाव में अधिकतर ऋचाएं जुबानी कंठस्थ कराई गईं और समय आने पर धीरे-धीरे इन्हें लिपियों और छंदों में बांधा गया. अन्य तीन वेद -सामवेद, यजुर्वेद और अथर्ववेद बहुत बाद में रचे गए.

आस्तिकतावाद और नास्तिकतावाद

वेदों कि मान्यताएं स्थापित होने के कुछ वर्षों बाद ही दो भिन्न विचारधाराएं अस्तित्व में आ गईं-आस्तिकतावाद और नास्तिकतावाद. जो वेदों कि मान्यताओं में विश्वास करते उन्हें आस्तिक और जो विश्वास नहीं करते उन्हें नास्तिक कहा गया. नास्तिक विचारधारा के मूल में तीन दर्शन आए– चार्वाक, जिसका प्रतिपादन गुरु वृहस्पति ने किया, जैन, जिसके मूल में भगवान महावीर थे; और बौद्ध, जिसके प्रणेता भगवान बुद्ध थे. आस्तिकतावाद के समर्थक के रूप में छः दर्शन आए- शांख्य, योग, न्याय, वैशेषिक, मीमांसा और वेदान्ता. शांख्य के प्रणेता थे कपिल मुनि, योग के पतंजलि, न्याय के अक्षिपात गौतम, वैशेषिक के कनाद, मीमांसा के जैमिनी और वेदान्त के बादरायण जिन्हें कालांतर में वेदव्यास भी कहा गया. इन्हीं छः दर्शनों को मिला कर षटदर्शन बना और इसी षटदर्शन में आस्था और विश्वास के समावेश ने सनातन धर्म की नींव रखी. वेदान्ता ही दर्शन का वह हिस्सा है जो आत्मा, मोक्ष, पुनर्जन्म, ब्रह्म आदि की मान्यता स्थापित करता है.

धर्म , एक आत्मावलोकन

सारिका भूषण

धर्म वह है जो एक मनुष्य को मनुष्य बनाये रखता है. धर्म, कर्म-पथ के साथ-साथ चलता है. न आगे, न पीछे ठीक उसी तरह, जिस तरह मनुष्य का ईश्वर हमेशा उसके साथ-साथ रहता है. धर्म हठ नहीं सिखाता, अहंकार भी नहीं सिखाता वह ज्ञानेंद्रियों को जागृत रखता है जिससे हम अपनी आत्मा का अवलोकन करते हैं. मनुष्य का धर्म ही है जो उसे संस्कारों, नैतिक मूल्यों और परंपराओं से जोड़ कर रखता है. इसीलिए यह बहुत जरुरी है कि कर्म-पथ और धर्म-पथ की मंज़िल एक ही हो. तभी हम अपने रास्ते से भटकेंगे नहीं.

संतुलित रहने की प्रेरणा देता धर्म

जीवन है तो जीव की विशेषताएं भी जीवित रहेंगी. अच्छाइयां और बुराइयां भी रहेंगी, उतार-चढ़ाव भी रहेंगे पर यहीं हमारा धर्म हमें सम्भालता है और संतुलित रहने को प्रेरित भी करता है. जिस तरह हर मनुष्य दूसरे से भिन्न रहता है, उसी तरह प्रत्येक मनुष्य के लिए धर्म की परिभाषा भी थोड़ी-बहुत बदल सकती है पर स्वरूप नहीं बदलता. संसार में प्राणी और ऊर्जा का संतुलन भी धर्म की शक्ति और सामर्थ्य में निहित है. धर्म किसी का बुरा करना नहीं सिखाता, विनाश या विध्वंस नहीं सिखाता पर एक धार्मिक मनुष्य भी अपने कर्तव्य से विचलित हो सकता है. इसीलिए प्रत्येक मनुष्य को उसके धर्म को जीवित रखने के लिए उसका आत्मावलोकन करना बहुत जरुरी है. कहते हैं न शांत और संतुलित चित्त में उठा एक विचार, सौ बुरे विचारों पर भारी पड़ सकता है.

धर्म के ये मायने

यदि इतिहास के पन्नों में हम धर्म की परिभाषा खोजते हैं तो यही पाते हैं कि धर्म के बहुत से अर्थ हैं जिनमें से कुछ ये हैं- कर्तव्य, अहिंसा, न्याय, सदाचरण, सद्-गुण आदि. धर्म का शाब्दिक अर्थ होता है, 'धारण करने योग्य' सबसे उचित धारणा अर्थात जिसे सबको धारण करना चाहिए, यह धर्म हैं. जो कार्य मानवता के कल्याण के लिए हो, उसी का दूसरा नाम धर्म है. जो व्यक्ति धार्मिक है, जिसकी वृत्तियां श्रेष्ठ हैं उसे परमात्मा की अनुभूति में देर नहीं लगती है. सहज शब्दों में धर्म है गिरतों को उठाना, भूखे को भोजन कराना, प्यासे को पानी पिलाना. हर इंसान का पहला धर्म इंसानियत होता है.
आचरण, विचार और सद्चरित्र ही धर्म है. जो व्यक्ति नैतिक है, जिसका आचरण पवित्र है एवं जो अपने कर्मों के प्रति निष्ठावान है और जो जीवन के अपने कर्तव्यों का निर्वाह करता है वह व्यक्ति धार्मिक है. धर्म का पूजा-पाठ से कोई संबंध नहीं है. आत्म धर्म ही हमारा असली धर्म है. आत्म धर्म से अभिप्राय यह कि अपनी अंतरात्मा का अनुसरण करें. एक सच्चा मन जैसी स्वीकृति दे वैसा ही करें. सच्चाई की राह कठिन है अप्राप्य नहीं. मन यदि पवित्र है तो आप कठिनतम परिस्थितियों में भी विजयी होंगे. आपका धर्म आपके मार्ग में कभी रोड़े नहीं बिछाता अपितु मार्ग प्रशस्त करता है.
मानव धर्म हमें संसार में परस्पर प्रेम, सहानुभूति और एक-दूसरे के प्रति सम्मान करना सिखाकर श्रेष्ठ आदर्शों की ओर ले जाता है. आज के तनावपूर्ण जीवन में अवसाद से निकलने का रास्ता भी आपके अंदर निहित धर्म ही बता सकता है. बशर्ते आपका आचरण एवं विवेक धर्मानुरुप रहे.

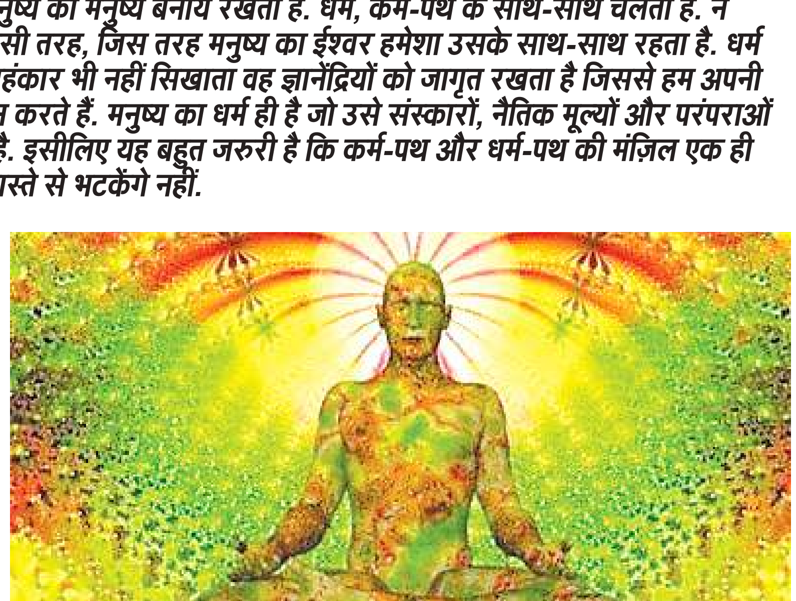

मानवता श्रेष्ठ धर्म

एक चिन्तनशील प्राणी अपने विवेक से अपनी प्राण ऊर्जा को बनाये रखता है. भटकाव, ईर्ष्या, लालच, घृणा, प्रतिशोध जैसी कई बुराइयां जीवन में संग चलती और बढ़ती और घटती रहती है. पर हमारे अंदर एक मानव धर्म भी छिपा रहता है. यह धर्म सभी धर्मों से श्रेष्ठ माना गया है क्योंकि जब मानवता रहेगी तभी तो हम मानव बने रहेंगे. जन्म और मृत्यु तो ऊपर वाले के हाथ में हैं मगर जीवन कैसे जीना है, यह हमारे कर्म, विवेक और विचारों पर निर्भर करता है. अपने छोटे से जीवन में अल्प ज्ञान और अल्प अनुभव से मैंने धर्म को यही समझा है और मेरी समझ धर्म को ऐसे ही परिभाषित करती है. धर्म आपको जटिल नहीं बनाता बल्कि जीवन को सरल बनाता है. स्वयं, परिवार, परिवेश और देश के अंदर सद्कर्मों का समावेश धर्म ही करा सकता है. बस जरूरत है आत्मावलोकन की!

खुशी संदेश

असीम है देने का आनंद

मुकेश चौहान

एक मजदूर फ़टे जूते उतारकर खेत में काम कर रहा था. एक युवक मजे लेने के लिए जूते छिपाने लगा. साथ चल रहे उस युवक के शिक्षक गंभीरता से बोले- क्यों ना हम इन जूतों में कुछ सिक्के डाल दें और छिप कर देखे. युवक ने ऐसा ही किया. मजदूर अपना काम ख़त्म कर जैसे ही पैर जूते में डाला, कठोर चीज का आभास हुआ. चेक किया तो अन्दर सिक्के पाया. उसने सिक्के अपनी जेब में डाल कर कहा– हे भगवान, उस अनजान सहायक का लाख-लाख धन्यवाद. उसकी दयालुता के कारण आज मेरी बीमार पत्नी को दवा मिल सकेगी. मजदूर की बातें सुन युवक की आंखें भर आयीं. यह दृश्य देख कर शिक्षक बोले – क्या तुम्हारी मजाक वाली बात की अपेक्षा जूते में सिक्का डालने से तुम्हे कम ख़ुशी मिली? युवक बोला- आज मैं जान गया कि लेने की अपेक्षा देना कहीं अधिक आनंददायी है. देने का आनंद असीम और देवत्त है.

सोने से खोया सोना

गुरुकुल में एक बहुत ही आलसी शिष्य था. आज का काम कल पर छोड़ देता था. गुरु को उसके भविष्य को लेकर चिंता होती थी. एक दिन गुरु उस शिष्य को काले रंग का पत्थर देकर कहा- इसे लोहे से संपर्क में लाओगे तो लोहा सोना बन जाएगा. पर इसे मैं सूर्य ढलते ही ले लूंगा. खुश होकर शिष्य सुनहरे सपने देखने लगा. सोचा- बाजार से खूब लोहा लाकर सोना बना लूंगा. सोचते-सोचते दोपहर हो गई. फिर सोचा, खाना खा कर बाजार जाऊंगा. खाना खाकर आलस में थोड़ी देर के लिए विश्राम करने लगा. जोरदार नींद आ गई. नींद टूटी तो शाम होने को था. तेजी से बाजार की ओर भागा. रास्ते में गुरु मिल गए. कहा- सूर्य ढल गई, पत्थर दे दो. शिष्य कुछ समय देने के लिए काफी मिन्नत किया, पर समय नहीं मिला.
शिष्य के सपने टूट गए. उसने कसम खा ली कि अब कभी आलस नहीं करेगा. जो करना है, बस अभी करना है.

भाग्य की दास्तां बताते ये बर्थ मार्क

हमारे चेहरे व शरीर के अंगों पर कुछ निशान ऐसे होते हैं जो जन्म के समय से ही हमारे साथ होते हैं. इन चिन्हों को हम बर्थ मार्क के नाम से जानते हैं. सामुद्रिक शास्त्र के मुताबिक जन्म से ही हमारे शरीर पर मौजूद ये चिह्न विशेष मायने रखते हैं. कुछ चिह्न तो बेहद शुभ और हमारे लिए भाग्यशाली माने जाते हैं. आइए, कुछ ऐसे ही चिन्हों की करें बात-

- **चेहरे पर बर्थ मार्क**

चेहरे पर बर्थ मार्क की उपस्थिति को हम आमतौर पर सुंदरता में कमी के तौर पर देखते हैं लेकिन सामुद्रिक शास्त्र इसे सौभाग्य की निशानी मानता है. ऐसी मान्यता है कि चेहरे पर बर्थ मार्क होने से व्यक्ति के पास पैसों की कोई कमी नहीं होती. साथ ही ऐसे लोग संवेदनशील माने जाते जाते हैं. माथे पर बर्थ मार्क आकर्षक व्यक्तित्व का सूचक है. वहीं महिला के दाएं गाल पर बर्थ मार्क उसके सफल वैवाहिक जीवन की ओर संकेत करता है.

- **पैरों पर बर्थ मार्क**

पैरों पर बर्थ मार्क वाले बेहद तरक्की पसंद होते हैं. ऐसे लोग खुद के लिए ही नहीं, बल्कि अपने परिजनों के लिए भी बहुत भाग्यशाली होते हैं. जिनके पैरों में बर्थमार्क होते हैं. कम मेहनत करने पर भी उन्हें सापेक्षिक तौर पर अधिक हासिल होता है.

- **पेट पर बर्थ मार्क**

पेट पर बर्थ मार्क व्यक्ति के लालची होने का तद्योतक है. सामुद्रिक शास्त्र की मान्यता है कि पेट पर बर्थ मार्क वाले लोग कभी अपनी जिंदगी से संतुष्ट नहीं होते हैं. ये हमेशा थोड़ा और थोड़ा और की लालसा रखते हैं.

- **सीने पर बर्थ मार्क**

सीने पर बर्थ मार्क वाले बेहद खुशनुमा और रोमांटिक स्वभाव के होते हैं. सामुद्रिक शास्त्र की मानें तो ऐसे लोग बहुत आसानी से किसी का दिल भी जीत लेते हैं. प्रेम संबंध का मामला हो या वैवाहिक जीवन का, ये बाजी मार लेते हैं.

- **पीठ पर बर्थ**

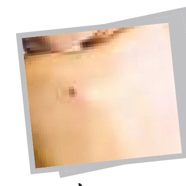

पीठ पर बर्थ मार्क वाले भाग्यशाली माने जाते हैं. ऐसे लोग खुले विचारों वाले होते हैं और अपनी बात को खुलकर जाहिर करते हैं. इन्हें छोटी मानसिकता वाले लोग बिल्कुल भी पसंद नहीं होते हैं.

- **गर्दन पर बर्थ मार्क**

यदि किसी के गर्दन पर बर्थ मार्क होता है तो सामुद्रिक शास्त्र के अनुसार माना जाता है कि ऐसे लोगों जीवन में खूब तरक्की हासिल करते हैं. हालांकि इन लोगों को अपने अत्यधिक भावुक स्वभाव पर नियंत्रण रखना आना चाहिए. वहीं अगर गर्दन के पीछे बर्थ मार्क का होना व्यक्ति के गुस्सैल स्वभाव को दर्शाता है.

संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

यह तीसरी बार होगा जब फ्रांस ओलंपिक समारोह की मेजबानी करेगा

सीन नदी के किनारे होगा पेरिस ओलंपिक का उद्घाटन समारोह

भारत ने इन खेलों के लिए 117 सदस्यीय दल भेजने की घोषणा की है

एजेंसी। नयी दिल्ली

खेलों का महाकुंभ कहा जाने वाला ओलंपिक का आयोजन इस वर्ष फ्रांस की राजधानी पेरिस में होने वाला है. 26 जुलाई से 11 अगस्त तक चलने वाले इस खेल आयोजन की तैयारी लगभग पूरी हो चुकी है. पेरिस ओलंपिक का काउंटडाउन शुरू हो चुका है और इसके लिए अब कुछ ही दिन का समय शेष रह गया है. यह तीसरी बार होगा जब फ्रांस इन खेलों की मेजबानी करेगा. पेरिस में ओलंपिक को लेकर खास इंतेजाम किए गए हैं.

आमतौर पर उद्घाटन समारोह स्टेडियम में होता है, लेकिन पेरिस में इसमे बदलाव करने की योजना बनायी गयी है. बताया जा रहा है कि 26 जुलाई को होने वाला उद्घाटन समारोह स्टेडियम नहीं, बल्कि सीन नदी के किनारे में होगा. भारत ने इन खेलों के लिए 117 सदस्यीय दल भेजने की घोषणा की है. हालांकि टोक्यो ओलंपिक की तुलना में इस बार कम एथलीट हिस्सा लेंगे. टोक्यो में भारत ने 119 सदस्यों का दल भेजा था और एक स्वर्ण सहित कुल सात पदक जीते थे.

उद्घाटन समारोह में छह लाख लोग आएंगे : पेरिस के बीचों-बीच होने वाले उद्घाटन समारोह में छह लाख लोगों के पहुंचने की उम्मीद है, जिसमें से दो लाख से अधिक टिकट मुफ्त बांटे गए हैं. आधिकारिक प्रसारणकर्ता को उम्मीद है कि सिर्फ उद्घाटन समारोह को ही दुनियाभर में करीब 150 करोड़ लोग टीवी पर देखेंगे. साल 2016 में पूरे रियो ओलंपिक की दर्शक संख्या 320 करोड़ रही थी जो अपने आप में एक रिकॉर्ड है.

चार नए खेल होंगे शामिल : टोक्यो 2020 की तुलना में इस बार चार नए खेलों को भी पेरिस ओलंपिक में जगह दी गई है. इसमे ब्रेक डांस डेब्यू करेगा, जबकि स्केटबोर्डिंग, स्पोर्ट क्लाइबिंग और सर्फिंग भी शामिल होंगे. वहीं, भारोत्तोलन से चार इवेंट हटा दिए गए हैं. भारत की ओर से इस स्पर्धा में मीराबाई चानू हिस्सा लेंगी जिन्होंने टोक्यो में रजत पदक अपने नाम किया था. दिलचस्प बात यह है कि पहली बार निशानेबाजी के सभी वर्ग में भारतीय खिलाड़ी हिस्सा लेंगे.

- पेरिस में ओलंपिक को लेकर खास इंतजाम किए गए हैं
- टोक्यो 2020 की तुलना में इस बार चार नए खेल जुड़ेंगे

बिक चुके हैं 90 लाख टिकट

एक रिपोर्ट के अनुसार, पेरिस खेलों के लिए 10 लाख टिकट उपलब्ध कराए गए हैं जिसमे से 90 लाख टिकट बिक चुके हैं. मालूम हो कि कोविड-19 के कारण टोक्यो 2020 के लिए टिकट उपलब्ध नहीं कराए गए थे, इसलिए रियो ओलंपिक के बाद पहली बार इन खेलों के लिए टिकट उपलब्ध हुए हैं जिसे लेकर प्रशंसकों में गजब का उत्साह देखने मिल रहा है.

बोट परेड के साथ होगी समारोह की शुरुआत

पेरिस ओलंपिक में उद्घाटन समारोह की शुरुआत बोट परेड के साथ होगी. करीब तीन घंटे तक होने वाले इस आयोजन में तीन हजार कलाकार अपनी प्रस्तुति पेश करेंगे. हालांकि, खिलाड़ियों की सुरक्षा को देखते हुए इसमे बदलाव भी किया जा सकता है और उद्घाटन समारोह एफिल टावर के सामने भी हो सकती है, लेकिन तय कार्यक्रम के अनुसार, यह समारोह सीन नदी के किनारे ही कराने की कोशिश होगी. नदी के किनारे उद्घाटन कराने का फैसला इसिलए लिया गया है ताकि ज्यादा से ज्यादा दर्शक इस ऐतिहासिक पल का हिस्सा बन सकें. अगर सुरक्षा या किसी अन्य कारण के चलते ऐसा करना संभव नहीं हुआ तो आयोजकों ने स्टेड डि फ्रांस में भी उद्घाटन समारोह करने का विकल्प मौजूद रखा है.

रोमन सम्राट ने लगाया था ओलंपिक पर प्रतिबंध

एजेंसी। नयी दिल्ली

बताया जाता है कि प्राचीन ओलंपिक खेलों का पहला आयोजन 1200 साल पहले योद्धा और खिलाड़ियों के बीच किया गया था. हालांकि 776 ईसा पूर्व में ओलंपिक का पहला आधिकारिक आयोजन हुआ था. 394 ईस्वी में इसका आखिरी बार आयोजन किया गया. चौथी शताब्दी ईस्वी में रोमन शासक सम्राट थियोडोसियस प्रथम ने इस उत्सव के धार्मिक तत्व के कारण ग्रीक ओलंपिक पर प्रतिबंध लगा दिया था. दरअसल, तब ओलंपिक का आयोजन एक उत्सव के तौर पर होता था और इसमें सभी तरह के धर्मों के लोग हिस्सा लेते थे. सम्राट थियोडोसियस प्रथम का मानना था कि इसमें मूर्तिपूजा की जाता है और उसने मूर्ति पूजा वाले सभी धार्मिक त्योहार प्रतिबंधित कर दिए थे. इसके बाद ओलंपिक खत्म हो गया.

फ्रांस के शख्स ने फिर शुरू किए खेल : 19वीं शताब्दी में एक बार फिर से ये खेल आयोजित किए गए तो इसका श्रेय जाता है फ्रांस के बैरों पियरे डी कुवर्तेन को. कुवर्तेन ने इन खेलों की शुरुआत के साथ दो लक्ष्य रखे थे. उनका एक लक्ष्य तो खेलों को अपने देश में लोकप्रिय बनाना था. साथ ही वह सभी देशों को एक शांतिपूर्ण प्रतियोगिता के लिए एकत्रित करना चाहते थे. कुवर्तेन की पहल पर ग्रीस की राजधानी एथेंस में पहली बार साल 1896 में आधुनिक ओलंपिक खेलों का आयोजन किया गया.

1500 सालों तक खेलों का आयोजित नहीं हुआ

प्राचीन समय में ग्रीस में होने वाले ओलंपिक में एथलीटों को न तो प्रायोजक की चिंता होती थी न ही सुरक्षा या फैशन की. सभी प्रतिभागी नग्न होकर प्रतिस्पर्धा करते थे और तब ये आयोजन पांच से छह महीने तक चलता रहता था. हालांकि, सम्राट थियोडोसियस प्रथम के प्रतिबंध लगाने के बाद इन खेलों को एकदम भुला ही दिया. वैसे मध्यकाल में अभिजात्य वर्ग के लोगों के बीच अलग-अलग खेल प्रतियोगिताएं होती रहती थीं पर इनको ओलंपिक जैसा दर्जा नहीं मिल पाया और लगभग 1500 सालों तक ये खेल आयोजित नहीं किए गए.

तैराक श्रीहरि नटराज की नजरें ओलंपिक के सेमीफाइनल पर टिकीं

नयी दिल्ली। पिछले साल राष्ट्रीय खेलों में आठ स्वर्ण समेत दस पदक जीतने वाले भारतीय तैराक श्रीहरि नटराज 2017 से लगातार खेल रहे हैं और कड़े अभ्यास से थककर आखिर उन्हें कुछ समय का ब्रेक लेना पड़ा. नटराज ने पीटीआई से बातचीत में कहा,मुझे आराम की जरूरत थी क्योंकि 2023 सत्र काफी व्यस्त था, जिसमें इतने सारे टूर्नामेंट थे. मुझे लगा कि अगर ब्रेक नहीं लिया तो शरीर टूट जायेगा. लिहाजा मैंने कुछ समय का ब्रेक ले लिया. ब्रेक के बाद तरोताजा होकर 23 बरस के नटराज दूसरा ओलंपिक खेलने को तैयार हैं, जिसमें वह सौ मीटर बैकस्ट्रोक में भाग लेंगे. यूनिवर्सिलिटी कोटा से ओलंपिक जा रहे नटराज ने टोक्यो ओलंपिक के लिए सीधे क्वालीफाई किया था. यूनिवर्सिलिटी कोटा के तहत जिस देश के तैराक सीधे क्वालीफाई नहीं कर सके हों, उनके सर्वोच्च रैंकिंग वाले दो तैराकों को ओलंपिक खेलने का मौका मिलता है.

अपनी मां के संघर्षों को खत्म करने के लिए प्रतिबद्ध ज्योति

100 मी. बाधा दौड़ में हिस्सा लेने वाली देश की पहली खिलाड़ी

भाषा। नयी दिल्ली

भारतीय एथलीट ज्योति याराजी 26 जुलाई से शुरू होने वाले पेरिस ओलंपिक में 100 मीटर बाधा दौड़ में हिस्सा लेने वाली देश की पहली खिलाड़ी बन जाएंगी, जिसमें उनकी कोशिश अपनी मां कुमारी के अभी तक के सारे संघर्षों को खत्म करने की होगी. विश्व रैंकिंग कोटे से ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने वाली याराजी अपनी मां की सकारात्मक सोच से प्रेरित होकर पेरिस में शानदार प्रदर्शन करना चाहेंगी. उनकी मां विशाखापत्तनम में एक स्थानीय अस्पताल में सफाईकर्मी और घरेलू सहायिका की डबल शिफ्ट में काम करती थीं. रिलायंस फाउंडेशन द्वारा आयोजित एक वर्चुअल बातचीत में याराजी ने कहा, पहले मैं अपनी व्यक्तिगत जिंदगी, अपने परिवार और पृष्ठभूमि को लेकर बहुत ज्यादा चिंतित रहती थी, लेकिन मैंने काफी कुछ सीखा है. उन्होंने कहा, कभी कभार मेरी हालत बहुत खराब होती. मेरी मां हमेशा मुझे कहती कि आगे बढ़ते रहो.

याराजी ने कहा, मेरी मां ने मुझे कहा, तुम अपने लिए काम करो, कोई भी नतीजा रहे, हम इसे स्वीकार करेंगे. मेरी मां प्रतियोगिता से पहले मुझे कभी नहीं कहतीं कि पदक जीतो या फिर स्वर्ण पदक जीतो. वह मुझसे कहतीं कि जाओ स्वस्थ रहो और जो भी मैं करूं उसमें संतुष्ट रहूं. इसलिये मैं सकारात्मक सोच से आगे बढ़ती हूं.

सपना सच करने को खेलेंगे गाजीपुर के राजकुमार

मोना पार्थसारथी। नयी दिल्ली

करीब तीन हजार की आबादी वाले करमपुर गांव से हॉकी स्टिक थामकर सैकड़ों लड़कों ने ओलंपिक खेलने का सपना देखा लेकिन इसे पूरा करने का मौका सिर्फ राजकुमार पाल को मिला है और 'गाजीपुर के राजकुमार' के नाम से मशहूर मिडफील्डर की ख्वाहिश पेरिस में अच्छा प्रदर्शन करके हर एक अधूरे सपने को पूरा करने की है. वाराणसी से करीब 40 किलोमीटर दूर गाजीपुर के गांव करमपुर के मेघबरन स्टेडियम पर हॉकी का ककहरा सीखने वाले बच्चों के प्रेरणास्रोत बन गए हैं राजकुमार. एक ऐसा गांव जहां से 400 से अधिक लड़कों को हॉकी के जरिये रोजगार तो मिला लेकिन भारत की नुमाइंदगी का मौका नहीं. इनमें राजकुमार के दोनों भाई जोखन और राजू भी शामिल हैं, जो देश के लिये नहीं खेल पाये. राजकुमार ने अपने पहले ओलंपिक के लिये रवाना होने से पहले भाषा को दिये इंटरव्यू में कहा, हम तीनों भाई हॉकी खेलते हैं. बीच वाले भाई भारतीय टीम के शिविर में रह चुके हैं और बड़े भाई राष्ट्रीय स्तर पर खेले हैं. दोनों भारत के लिये नहीं खेल सके और अब एक रेलवे से और एक सेना से खेलते हैं. अभावों के बीच अपने कोच तेज बहादुर सिंह की मदद से हॉकी के शौक को परवान चढ़ाने वाले 26 वर्ष के इस मिडफील्डर ने कहा, मेरे गांव के मैदान से 400 से ज्यादा लड़कों को हॉकी के जरिये नौकरी मिल गई लेकिन इस स्तर पर कोई नहीं खेला. मेरे गांव के लोगों की नजरें मुझ पर है और मैं अपने भाइयों और उन सभी के अधूरे सपने पूरे करने के लिये पेरिस में कोई कोर कसर नहीं छोड़ूंगा.

खास बातें

- राजकुमार पाल का टोक्यो के लिए चयन नहीं हुआ था
- कहा- पिता से मिलती है प्रेरणा, मां हैं उनकी आदर्श

10 बरस की उम्र में करमपुर के मेघबरन स्टेडियम से हॉकी के अपने सफर की शुरुआत करने वाले राजकुमार ने 2018 में बेल्जियम में पांच देशों के अंडर 23 टूर्नामेंट में खेला और 2020 में भारतीय टीम में पदार्पण किया. अब तक 53 अंतरराष्ट्रीय मैच खेल चुके राजकुमार के पिता कल्पनाथ का 2011 में एक सड़क हादसे में निधन हो गया था. राजकुमार ने कहा, वह दो साल परिवार के लिये बहुत कठिन थे और मुझे लगा था कि अब आगे नहीं खेल पाऊंगा लेकिन मेरे परिवार ने हार नहीं मानी.

ब्रीफ खबरें

चोटरानी, अंजलि को शीर्ष वरीयता मिली

मुंबई। वीर चोटरानी और अंजलि सेमवाल को 20 जुलाई से यहां शुरू होने वाले बॉम्बे जिमखाना 47वें महाराष्ट्र राज्य ओपन स्क्वाश टूर्नामेंट में क्रमशः पुरुष और महिला ड्रॉ में शीर्ष वरीयता मिली है. राहुल बैठा को दूसरी वरीयता दी गयी है जबकि महेश मनगांवकर और ओम सेमवाल पुरुष वर्ग में संयुक्त रूप से तीसरी-चौथी वरीयता प्राप्त हैं. महिला वर्ग में सुनीता पटेल को दूसरी वरीयता प्राप्त है.

प्रतिभा पहचान कार्यक्रम का आज होगा उद्घाटन

नयी दिल्ली। पेरिस ओलंपिक को लेकर खेलों की चर्चा के बीच केंद्रीय खेल मंत्री शुक्रवार को यहां सरकार के खेलो इंडिया उदीयमान प्रतिभा पहचान (कीर्ति) कार्यक्रम के दूसरे चरण का उद्घाटन करेंगे. कीर्ति का पहला चरण 12 मार्च को चंडीगढ़ में लॉन्च किया था. कीर्ति का लक्ष्य अधिसूचित प्रतिभा मूल्यांकन केंद्रों से प्रतिभाशाली खिलाड़ियों की पहचान करने के लिए पूरे वर्ष में देश भर में 20 लाख मूल्यांकन करना है.

टी20 अंतरराष्ट्रीय में भारत की अगुआई करेंगे सूर्यकुमार

वन डे और टी20 श्रृंखला : श्रीलंका दौरे के लिए टीम इंडिया की घोषणा

भाषा। नयी दिल्ली

आक्रामक बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव को श्रीलंका के खिलाफ 27 जुलाई से शुरू होने वाली तीन मैचों की श्रृंखला के लिए गुरुवार को भारतीय टी20 टीम का कप्तान बनाया गया, जबकि एकदिवसीय कप्तान रोहित शर्मा और विराट कोहली को अगले महीने इसी टीम के खिलाफ 50 ओवर की श्रृंखला के लिए टीम में शामिल किया गया. शुभमन गिल को दोनों प्रारूपों की टीम का उप कप्तान बनाया गया है. विजय हजारे ट्रॉफी में सात अर्धशतक लगाने वाले रियान पराग और दिल्ली के तेज गेंदबाज हर्षित राणा एकदिवसीय टीम में दो नए चेहरे हैं. टी20 अंतरराष्ट्रीय टीमः सूर्यकुमार यादव (कप्तान), शुभमन गिल, यशस्वी जायसवाल, रिंकू सिंह, रियान पराग, ऋषभ पंत, संजू सैमसन, हार्दिक पंड्या, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, वाशिंगटन सुंदर, रवि बिश्नोई, अर्शदीप सिंह, खलील अहमद और मोहम्मद सिराज.

एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय टीमः रोहित शर्मा (कप्तान), शुभमन गिल, विराट कोहली, केएल राहुल, ऋषभ पंत, श्रेयस अय्यर, शिवम दुबे, कुलदीप यादव, मोहम्मद सिराज, वाशिंगटन सुंदर, अर्शदीप सिंह, रियान पराग, अक्षर पटेल, खलील अहमद, हर्षित राणा.

खास बातें

- शुभमन को दोनों प्रारूपों के लिए उप कप्तान बनाया गया
- रोहित और कोहली ने वनडे खेलने का फैसला किया

भारत का सामना चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान से

- गत चैंपियन भारतीय महिला क्रिकेट टीम एशिया कप का पहला मैच आज
- मैच का समय : दोपहर दो बजे से शुरू होगा

भाषा। दाम्बुला

गत चैंपियन भारतीय महिला क्रिकेट टीम एशिया कप के पहले मैच में शुक्रवार को चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान से खेलेगी और अक्टूबर में होने वाले टी20 विश्व कप की तैयारियों के लिए इस टूर्नामेंट को काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है. हरमनप्रीत की कप्तानी वाली भारतीय टीम का एशिया कप में दबदबा रहा है, जिसने चार में से तीन टी20 खिताब और चारों बार 50 ओवरों के प्रारूप में जीत दर्ज की है. महिला एशिया कप टी20 टूर्नामेंट में भारत ने 20 में से 17 मैच जीते हैं. उसने 2022 में फाइनल में बांग्लादेश को हराया था. पाकिस्तान के खिलाफ भारत ने इस टूर्नामेंट में 14 मैचों में 11 जीत दर्ज की है और हरमनप्रीत कौर का लक्ष्य इस सिलसिले को आगे बढ़ाने का होगा. इस महीने कर शुरुआत में भारत ने दक्षिण अफ्रीका से 1-1 से ड्रॉ खेला, जबकि तीन टी20 मैचों में से दूसरा बारिश में धुल गया. पाकिस्तान का मनोबल गिरा हुआ होगा जिसे मई में इंग्लैंड ने 3-0 से हराया था. भारत के लिए सबसे अच्छी बात स्मृति मंधाना का शानदार फॉर्म है और हाल ही में गेंदबाजों ने एक इकाई के रूप में बेहतरीन प्रदर्शन किया है. तेज गेंदबाज पूजा वस्त्राकर ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन मैचों में आठ विकेट लिये जबकि स्पिनर राधा यादव भी कामयाब रही है. स्पिनरों में दीप्ति शर्मा, सजीवन साजना और श्रेयांका पाटिल शामिल है. पाकिस्तान ने एशिया कप के लिए निदा दर को कप्तान बनाये रखा है लेकिन टीम में काफी बदलाव किए गए हैं. ईरम जावेद, ओमैमा सोहेल और सैयदा आरूब शाह को इस साल पहली बार टीम में जगह मिली है जबकि तस्मिया रूबाब पदार्पण करेंगी. ग्रुप ए में नेपाल और संयुक्त अरब अमीरात का भी सामना पहले दिन होगा. दोनों ग्रुप से शीर्ष दो टीमें सेमीफाइनल खेलेंगी. नेपाल 2016 के बाद पहली बार टूर्नामेंट में खेल रहा है जबकि यूएई का यह लगातार दूसरा टूर्नामेंट है.

टीमें इस प्रकार हैं

भारत : हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना, शेफाली वर्मा, जेमिमा रौड्रिग्स, रिचा घोष, उमा छेत्री, पूजा वस्त्राकर, दीप्ति शर्मा, अरुंधति रेड्डी, रेणुका सिंह, डी हेमलता, आशा शोभना, राधा यादव, श्रेयांका पाटिल, संजीवन साजना.

पाकिस्तान : निदा दार (कप्तान), आलिया रियाज, डायना बेग, फातिमा सना, गुल फिरोजा, ईरम जावेद, मुनीबा अली, नजीहा अल्वी, नाशरा संधू, ओमैमा सोहेल, सादिया इकबाल, सिदरा अमीन, सैयदा अरुब शाह, तस्मिया रूबाब, तूबा हसन.

अगले ओलंपिक के लिए क्वालीफाई की योजनाएं

चेन्नई। भारतीय साइकिलिंग महासंघ (सीएफआई) के महासचिव मनिंदर पाल सिंह ने गुरुवार को कहा कि कोविड -19 महामारी ने भारतीय खिलाड़ियों के पेरिस ओलंपिक में भाग लेने की उम्मीदों पर पानी फेर दिया, लेकिन उनके पास 2028 लॉस एंजिल्स खेलों के लिए 'योजनाएं' हैं. भारत ने एशियाई खेलों में साइकिलिंग में तीन पदक जीते हैं लेकिन अभी तक ओलंपिक में किसी खिलाड़ी को प्रतिनिधित्व नहीं मिला है. मनिंदर से पेरिस खेलों में साइकिलिंग के लिए क्वालीफाई करने में भारत की विफलता के बारे में पूछा जाने पर कहा कि क्वालीफिकेशन अभियान के दौरान कोविड-19 महामारी ने उनकी योजनाओं को प्रभावित किया. उन्होंने एचसीएल द्वारा आयोजित बातचीत में कहा, साइकिलिंग में ओलंपिक क्वालीफिकेशन दूसरे खेलों से काफी अलग है. इसमें ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने में ढाई साल लगते हैं. खिलाड़ियों को क्वालीफायर में भाग लेने के अलावा, विभिन्न वर्गों की अन्य स्पर्धाओं से अंक प्राप्त करने की जरूरत होती है. हमें उम्मीद थी कि पेरिस खेलों के लिए हमारे कुछ राइडर क्वालीफाई करेंगे.

सूची जारी विश्व विजेता व कोपा कप चैंपियन अर्जेंटीना ने शीर्ष स्थान मजबूत किया

भारतीय फुटबॉल टीम फीफा रैंकिंग में 124वें स्थान पर

भाषा। नयी दिल्ली

भारतीय फुटबॉल टीम गुरुवार को जारी फीफा पुरुष रैंकिंग में 124वें स्थान पर बरकरार है जबकि मौजूदा विश्व चैंपियन और कोपा अमेरिका विजेता अर्जेंटीना ने अपना शीर्ष स्थान मजबूत किया. जून में जारी फीफा रैंकिंग में भारतीय पुरुष राष्ट्रीय फुटबॉल टीम सूची में तीन पायदान खिसक गई थी. ऐसा उसके कतर और अफगानिस्तान से 2026 विश्व कप क्वालीफायर के तीसरे दौर के लिए क्वालीफाई करने में विफल होने के कारण हुआ था. पिछले साल दिसंबर से भारत का रैंकिंग में खिसकना जारी है. भारतीय टीम पिछले साल शीर्ष 100 में पहुंची थी, जिसमें उसकी सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग 99 रही थी. लेकिन इसके बाद से उसका खिसकना जारी है.

एशिया में भारत 22वें स्थान पर बरकरार है

एशिया में भारत 22वें स्थान पर बरकरार है जिसमें वह लेबनान, फलस्तीन और वियतनाम से पीछे है. अर्जेंटीना ने सफलतापूर्वक कोपा अमेरिका खिताब बरकरार रखने के बाद रैंकिंग में शीर्ष स्थान पर पकड़ मजबूत कर ली है. फ्रांस (दूसरी रैंकिंग) यूरो 2024 के सेमीफाइनल में पहुंचने के बाद दूसरे स्थान पर है. हाल में यूरोपीय चैम्पियन बनी स्पेन पांच पायदान के फायदे से तीसरी रैंकिंग पर पहुंची. वहीं उससे हारने वाली इंग्लैंड एक पायदान ऊपर चौथे स्थान पर पहुंच गयी और उसने ब्राजील को पछाड़ दिया जो एक पायदान खिसककर पांचवें स्थान पर पहुंची.

ओडिशा एफसी का सामना जॉर्डन-सिंगापुर क्लब से

नयी दिल्ली। भारतीय क्लब ओडिशा एफसी को 2024-25 एएफसी महिला चैंपियंस लीग फुटबॉल में जॉर्डन के एतिहाद क्लब और सिंगापुर के लायन सिटी सेलर्स एफसी के साथ प्रारंभिक चरण में ग्रुप बी में रखा गया है. टूर्नामेंट का ड्रॉ मलेशिया के कुआलालंपुर में गुरुवार को निकाला गया. इंडियन वुमेंस लीग 2023-24 चैंपियन ओडिशा एफसी प्रारंभिक चरण के लिए जोर्डन जाएगी, जहां 25 से 31 अगस्त तक मुकाबले खेले जायेंगे. प्रारंभिक दौर में 13 टीमें भाग लेंगी, जिन्हें चार टीमों के एक और तीन-तीन टीमों के तीन समूहों में बांटा गया है.

हॉकी सब जूनियर दक्षिण क्षेत्र चैंपियनशिप आज से

एजेंसी। नयी दिल्ली

हॉकी इंडिया सब जूनियर पुरूष और महिला दक्षिण क्षेत्र चैंपियनशिप का दूसरा सत्र केरल के कोल्लम में शुक्रवार से खेला जाएगा, जिसमें छह टीमें भाग लेंगी. कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, तेलंगाना, पुडुच्चेरी और केरल इस टूर्नामेंट में हिस्सा लेंगी. इसमें सभी टीमें एक दूसरे से एक बार राउंड रॉबिन आधार पर खेलेंगी. शीर्ष दो टीमें फाइनल में पहुंचेंगी. हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप टिर्की ने एक बयान में कहा, यह चैंपियनशिप सिर्फ जीतने के लिए नहीं है बल्कि सीखने के लिए है. इससे युवा खिलाड़ियों को अपना कौशल दिखाकर अनुभव हासिल करने का मौका मिलेगा. पुरुष वर्ग में पहले दिन आंध्र प्रदेश का सामना पुडुच्चेरी से, कर्नाटक का तेलंगाना से, तमिलनाडु का सामना केरल से होगा. वहीं महिला वर्ग में तेलंगाना का सामना आंध्र प्रदेश से, तमिलनाडु का पुडुच्चेरी और केरल का कर्नाटक से होगा.

ब्रीफ खबरें

श्रावणी मेले के दौरान विशेष ट्रेन चलाएगा रेलवे

भागलपुर । विश्व प्रसिद्ध श्रावणी मेला को लेकर पूर्व रेलवे ने विशेष ट्रेन चलाने का निर्णय लिया है. उल्लेखनीय हो कि देवघर का बैद्यनाथ धाम मंदिर श्रावणी मेला में देश भर के शिव भक्तों के लिए मुख्य आकर्षण में से एक है. इस शुभ अवसर पर असंख्य तीर्थयात्री देवघर, जसीडीह और सुल्तानगंज क्षेत्र में पहुंचते हैं और वे वहां पहुंचने के लिए सबसे सुरक्षित और तेज परिवहन के साधन के रूप में रेलवे मार्ग को प्राथमिकता देते हैं. यात्रियों की सुविधा के लिए रेलवे ने 22 जुलाई से 19 अगस्त के बीच यह निर्णय लिया है.

रोहतास में गोली मारकर दो की हत्या

डेहरी आन सोन । रोहतास जिले के बिक्रमगंज थाना क्षेत्र के डुमरांव शाखा नहर के किनारे बुधवार की देर रात अपराधियों ने दो युवकों की हत्या गोली मारकर कर दी. घटना की जानकारी गुरुवार की सुबह मिलते ही बिक्रमगंज के एसडीपीओ कुमार संजय, थानाध्यक्ष ललन कुमार और पुलिस बल सूचना मिलते ही घटनास्थल पर पहुंच चुके हैं. एफएसीएल की टीम ने भी जांच शुरू कर दी है. घटनास्थल से पुलिस ने चार कारतूस का खोखा, एक बाइक और प्लास्टिक में शराब भी बरामद किया है. पुलिस सभी साक्ष्य को सुरक्षित रख घटना की जांच शुरू कर दी है. मृतकों की शिनाख्त अभी नहीं हुई है.

नवादा में घर का ताला तोड़कर 10 लाख की चोरी

नवादा । नवादा में बेखौफ चोरों ने बुधवार देर रात बंद घर का ताला तोड़कर चोरी की बड़ी घटना को अंजाम दिया है. इस दौरान चोरों ने 9 से 10 लाख रुपये के सोने-चांदी के गहनों पर हाथ साफ किया और मकान में लगे सीसीटीवी को भी अपने साथ लेकर चलते बने. गृहस्वामी को पड़ोसियों ने गुरुवार को घर का ताला टूटे रहने की सूचना दी. चोरी का मामला नवादा के पकरीबरांवा थाना क्षेत्र के वेगराजपुर जुरी गांव का है, जहां बीती रात बेखौफ चोरों ने वेगराजपुर जुरी गांव के निवासी सुनील पंडित के बंद घर का ताला तोड़कर 9 से 10 लाख रुपये के सोने-चांदी के जेवरात की चोरी कर ली है.

रोते-बिलखते परिजन

दरभंगा के कोसी की उपधारा में नाव डूबी, मचा हाहाकार

सात की बची जान, एक युवक लापता

संवाददाता । पटना

दरभंगा जिले के कुशेश्वरस्थान पूर्वी प्रखंड के गोलमा डीह से गोलमा घाट जाने के दौरान कोसी नदी की उपधारा में गुरुवार को एक नाव पलट गई. नाव पर आठ लोग और दो मोटरसाइकिलें थीं. स्थानीय गोताखोर की मदद से बाइक निकाल ली गई हैं लेकिन नाव पर सवार व्यक्तियों का कोई सुराग नहीं लग सका है. नाव पर सवार लोगों में गोलमा निवासी बिंदेश्वरी राय के 23 वर्षीय पुत्र राज कुमार के बारे में जानकारी सार्वजनिक की गई है. बाकी लोगों की पहचान नहीं हो पाई है. बीडीओ अशोक कुमार जिज्ञासु, तिलकेश्वर थानाध्यक्ष शैलेश कुमार घटना स्थल पर पहुंच गए हैं. रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू कर दिया गया है. उल्लेखनीय है कि हाल ही में गंगा दशहरा के दिन पटना में भी नाव पलटी थी, जिसमें 17 लोग सवार थे. इस घटना में एक ही परिवार के 17 लोग डूब गए थे. इनमें से एसडीआएफ की टीम ने 13 लोगों को बचा लिया था.

कई जिलों में नदियों का जलस्तर घट रहा

पटना । बिहार की नदियों का जलस्तर बढ़-घट रहा है. पूर्व बिहार, कोसी और सीमांचल की नदियों का भी कुछ ऐसा ही हाल है. खगड़िया में कोसी-बागमती बढ़ रही है तो सुपौल में तटबंध पर कोसी का दबाव है. कई जिलों में नदियों का जलस्तर घट रहा है तो कटाव की समस्या गहरा रही है. कटिहार में महानंदा चेतावनी स्तर के ऊपर बह रही है. भागलपुर में गंगा नदी का जलस्तर स्थिर है जबकि कोसी नदी बढ़ रही है. गंगा नदी बेसिन में बारिश कम होते ही इसका असर गंगा नदी के जलस्तर पर पड़ने लगा है. बुधवार को भागलपुर का जलस्तर स्थिर रहा. नदी का जलस्तर 31.91 मीटर रहा. भागलपुर में गंगा नदी का खतरे का निशान 33.68 मीटर है. फिलहाल नदी का जलस्तर खतरे के निशान से 1.77 मीटर कम है. इधर, नेपाल में हो रही बारिश के कारण नवगछिया से सटे कुरसेला घाट पर कोसी नदी का जलस्तर 0.07 मीटर बढ़ कर 29.50 मीटर तक पहुंच गया.

नीट पेपर लीक मामला : सीबीआई का एक्शन

एम्स के चार विद्यार्थी को लिया हिरासत में

संवाददाता । पटना

नीट पेपर लीक मामले में सीबीआई की टीम पटना एम्स के चार मेडिकल विद्यार्थी को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है. इसमें तीसरे साल के तीन और दूसरे साल का एक विद्यार्थी शामिल है. शक है कि परीक्षा माफियाओं ने इन छात्रों से पेपर सॉल्व कराया था. कुल 10 मेडिकल स्टूडेंट्स से पेपर हल करवाने का शक है, जिसमें छह बिहार और चार झारखंड के हैं. झारखंड में भी सीबीआई की टीम उन छात्रों की तलाश कर रही है. वहीं, इस मामले को लेकर पटना एम्स के डायरेक्टर ने महत्वपूर्ण जानकारी दी है.

सीबीआई को शक है कि हजारीबाग से पेपर लीक हुआ और संजीव मुखिया तक पहुंचा. संजीव मुखिया ने प्रश्न पत्र अपने गुर्गे चिंटू और रिश्तेदार रॉकी को मोबाइल पर भिजवाया. चिंटू ने बिहार में और रॉकी ने झारखंड में मेडिकल स्टूडेंट्स से पेपर हल करवाया. उसके बाद अभ्यर्थियों को रटने के लिए दिया गया. इसी लीड पर सीबीआई की टीम काम कर रही है. वहीं, पटना एम्स के जिन स्टूडेंट को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है. उनके कमरों को सील कर दिया गया है. मोबाइल लैपटॉप को सीबीआई ने जब्त कर ली है. पटना एम्स के डायरेक्टर डॉ. जीके पॉल ने कहा कि बुधवार को हॉस्टल कॉम्प्लेक्स से सीबीआई टीम 4 स्टूडेंट को लेकर गई है. नीट पेपर लीक मामले में पूछताछ के लिए ले गई है. हिरासत में लिए गए छात्रों का नाम चंदन कुमार, राहुल कुमार, करण जैन, कुमार शानू है.

800 पुड़िया स्मैक के साथ धरायी महिला, बस में 238 बोतल सिरप बरामद

पटना । बिहार में अलग-अलग तरह के नशे का बाजार पसारा जा रहा है. मुजफ्फरपुर में जब एक महिला की तलाशी पुलिस लेने लगी तो वो पुलिस से उलझ गयी. वहीं तलाशी के दौरान महिला तस्कर के पास से पुलिस ने 800 पुड़िया स्मैक बरामद किया. वहीं सहरसा में दरभंगा से आ रही एक बस में सवार दो युवकों के बैग से 238 बोतल कोरेक्स कफ सिरप बरामद किए गए. मुजफ्फरपुर के सिकंदरपुर ओपी क्षेत्र से पुलिस ने 800 पुड़िया स्मैक के साथ महिला तस्कर को गिरफ्तार किया है. सरैयागंज टावर से अखाड़ाघाट की ओर जा रही इ-रिक्शा पर बैठी महिला को पुलिस ने पकड़ लिया. वह मिठनपुरा थाना क्षेत्र की रहनेवाली सलमा खातून है. उसे न्यायिक हिरासत में भेजा गया है.

टॉयलेट टैंक की जहरीली गैस से चार लोगों की मौत

- आक्रोशित परिजनों ने अस्पताल में जमकर तोड़ फोड़ की

संवाददाता । पटना

पूर्वी चंपारण जिले के ढाका में नव निर्मित टॉयलेट टैंक का सेंट्रिंग खोलने के दौरान टैंक से निकली जहरीली गैस से चार लोगों की मौत हो गई और तीन लोग गंभीर रूप से बीमार हो गए. परिजनों का आरोप है कि घटना के बाद पीड़ितों को लेकर जब वे अनुमंडलीय अस्पताल पहुंचे तो वहां समुचित इलाज नहीं होने के कारण चार लोगों की मौत हो गई. इससे आक्रोशित परिजनों ने अस्पताल में जमकर तोड़ फोड़ की और शव रखकर हंगामा कर रहे हैं. पुलिस के मुताबिक यह घटना ढाका नगर परिषद क्षेत्र के लहन ढाका की है. यहां रामचंद्र ठाकुर के घर में टॉयलेट का टैंक बना था, जिसके अंदर का सेंट्रिंग मजदूर खोल रहे थे. उसी दौरान टैंक की जहरीली गैस से मजदूर बेहोश हो गए. उपचार के लिए उन्हें ढाका अनुमंडलीय अस्पताल ले जाया गया, जहां 4 लोगों की मौत हो गई. मृतकों में योगेंद्र यादव, अब्दुल बकर, हुसैन अंसारी और वसी अहमद हैं. इसके साथ ही तीन लोग बीमार हैं, जिनका इलाज चल रहा है.

आर्केस्ट्रा डांसर के साथ सामूहिक दुष्कर्म

पटना के एक गेस्ट हाउस में दिया घटना को अंजाम, दो गिरफ्तार

संवाददाता । पटना

राजधानी पटना के एक गेस्ट हाउस में लुधियाना की आर्केस्ट्रा डांसर के साथ करीब आधा दर्जन युवकों ने सामूहिक दुष्कर्म किया. घटना के बाद पीड़ित डांसर ने इसकी लिखित शिकायत बाईपास थाने में की है. मामला संज्ञान में आने के बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है. घटना के बारे में बताया जा रहा है कि लुधियाना की रहने वाली आर्केस्ट्रा डांसर को उनकी कुछ सहयोगियों के साथ कुछ युवकों ने बाईपास थाना क्षेत्र के एक कार्यक्रम के सिलसिले में बुलाया था. उसके बाद सभी युवकों ने आर्केस्ट्रा डांसर को बाईपास स्थित एक गेस्ट हाउस के कमरे में ले गए और जबरदस्ती उनके साथ आधा दर्जन युवकों ने बारी-बारी से दुष्कर्म किया. जब युवती ने इसका विरोध किया और चिल्लाई तो गेस्ट हाउस के मैनेजर ने वहां पहुंचकर युवकों से कमरा को अंदर से बंद कर लेने की बात कही गई. घटना को अंजाम देने के बाद सभी युवक पीड़िता को वहां छोड़कर मौके से फरार हो गए. किसी तरह युवती बाईपास थाना पहुंची और थाना में छह युवकों के खिलाफ मामला दर्ज कराया है. पुलिस ने दो युवकों को गिरफ्तार कर लिया है और पुलिस मामले की छानबीन शुरू कर दी है. युवती ने यह भी आरोप लगाया है कि युवकों ने जबरदस्ती उनको शराब पिलाने की भी कोशिश की थी.

शिक्षक भर्ती परीक्षा आज से होगी शुरू

पटना । बिहार लोक सेवा आयोग यानि बीपीएससी आज से तीसरे चरण की शिक्षक भर्ती परीक्षा को आयोजित कर जा रहा है, बता दें कि ये परीक्षा आज से शुरू हो के 22 जुलाई तक चलेगी. परीक्षा से पहले बीपीएससी के तरफ से 7 नियमों का एक नोटिस जारी कर दिया है जिसका पालन करना सभी अभ्यर्थियों के लिए अनिवार्य होगा अन्यथा उन्हें परीक्षा में कई प्रकार की मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है. परीक्षा शुरू होने से दो घंटे पहले सेंटर पर पहुंच जाना जरूरी है.

हाईकोर्ट से बीपीएससी टीआरई-1 मामले में मिली बड़ी सफलता

पूरक रिजल्ट जारी करने का दिया आदेश

- धीरेंद्र कुमार की याचिका पर पटना हाईकोर्ट ने बीपीएससी टीआरई वन का पूरक रिजल्ट जारी करने का आदेश बीपीएससी और शिक्षा विभाग को दिया है

संवाददाता । पटना

पटना हाई कोर्ट ने गुरुवार को शिक्षक अभ्यर्थियों को बड़ी राहत देते हुए बीपीएससी टीआरई वन का पूरक रिजल्ट जारी करने का आदेश शिक्षा विभाग और बीपीएससी को दिया है. बीपीएससी टीआरई वन के अभ्यर्थियों ने पटना हाई कोर्ट में याचिका दाखिल कर बीपीएससी टीआरई वन का पूरक रिजल्ट जारी करने की मांग की थी. अभ्यर्थियों की मांग पर सुनवाई करते हुए कोर्ट ने उन्हें बड़ी राहत दी है. धीरेंद्र कुमार की याचिका पर पटना हाई कोर्ट ने बीपीएससी टीआरई वन का पूरक रिजल्ट जारी करने का आदेश बीपीएससी और बिहार के शिक्षा विभाग को दिया है. इस केस की पैरवी वरिष्ठ अधिवक्ता वाई वी गिरी ने की थी. उल्लेखनीय है कि अक्टूबर 2023 में बीपीएससी टीआरई वन का रिजल्ट जारी हुआ था.

कारोबार

एनएचपीसी के सीएमडी गोयल का कार्यकाल बढ़ा

नयी दिल्ली । सरकार ने एनएचपीसी के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक (सीएमडी) के रूप में राजेंद्र प्रसाद गोयल का अतिरिक्त प्रभार तीन महीने के लिए बढ़ा दिया है. एनएचपीसी ने बयान में कहा, उनका विस्तार एक जून 2024 से प्रभावी होगा. गोयल एनएचपीसी में वित्त निदेशक हैं. वे एक मार्च 2024 से सीएमडी का अतिरिक्त प्रभार संभाल रहे हैं. अभय कुमार सिंह के 31 अगस्त 2022 को सेवानिवृत्त होने के बाद से जलविद्युत दिग्गज कंपनी बिना स्थायी चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक (सीएमडी) के है.

एएसके प्रॉपर्टी ने 190 करोड़ रु किया निवेश

नयी दिल्ली । एएसके प्रॉपर्टी फंड ने मुंबई में कल्पतरु द्वारा विकसित की जा रही एक रियल एस्टेट परियोजना में 190 करोड़ रुपये का निवेश करने की गुरुवार को घोषणा की. एएसके प्रॉपर्टी फंड, ब्लैकस्टोन समर्थित एएसके एसेट एंड वेल्थ मैनेजमेंट समूह की एक रियल एस्टेट निजी इक्विटी शाखा है. कंपनी ने एक बयान में कहा कि उसने कल्पतरु द्वारा विकसित की जा रही एक परियोजना में 190 करोड़ रुपये का निवेश किया है. यह एक उच्च मध्य-खंड परियोजना है. यह बोरीवली पश्चिम में स्थित है.

विप्रो यूके ने अपनी हिस्सेदारी हस्तांतरित की

नयी दिल्ली । विप्रो होल्डिंग्स (यूके) ने विप्रो फाइनेंशियल आउटसोर्सिंग सर्विसेज लिमिटेड में अपनी पूरी शेयरधारिता विप्रो आईटी सर्विसेज यूके सोसाइटास को हस्तांतरित कर दी है. कंपनी ने शेयर बाजार को बताया कि इसके साथ ही विप्रो आईटी सर्विसेज यूके सोसाइटास की विप्रो फाइनेंशियल आउटसोर्सिंग सर्विसेज में 100 प्रतिशत हिस्सेदारी हो जाएगी. प्रौद्योगिकी कंपनी ने कहा, विप्रो होल्डिंग्स (यूके) लिमिटेड (पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी) ने विप्रो फाइनेंशियल आउटसोर्सिंग सर्विसेज लिमिटेड में अपनी संपूर्ण शेयरधारिता विप्रो आईटी सर्विसेज यूके सोसाइटास (पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी) को हस्तांतरित कर दी है.

टाटा पावर ने कैपेक्स पर 20,000 करोड़ रुपये खर्च करने की घोषणा की

रिन्यूएबल एनर्जी सेक्टर में उतरेगी टाटा

खास बातें

- ग्रीन एनर्जी में 75 अरब डॉलर के निवेश की घोषणा की
- अडाणी ग्रुप ने 2.3 लाख करोड़ के निवेश की घोषणा की

भाषा । नयी दिल्ली

देश की टाटा ग्रुप ऐसी कंपनी है, जिसका अधिकतर क्षेत्रों में निवेश है. टाटा ग्रुप ने दशकों से छोटे से लेकर बड़े उत्पाद बनाकर बाजार में अपनी बादशाहत बरकरार रखी है. अब कंपनी की योजना ऊर्जा के क्षेत्र में उतरने की है. सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार औद्योगिक घराना टाटा ग्रुप रिन्यूएबल एनर्जी सेक्टर में बड़ा दांव खेलने की तैयारी में है.

टाटा पावर ने इस फाइनेंशियल ईयर में कैपेक्स पर 20,000 करोड़ रुपये खर्च करने की घोषणा की है. यह रकम पिछले साल के मुकाबले करीब दोगुनी है. इसमें से अधिकांश राशि रिन्यूएबल एनर्जी पोर्टफोलियो को मजबूत करने पर खर्च किए जाएंगे. कंपनी के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन में मंगलवार को शेयरहोल्डर्स की मीटिंग में कहा कि कैपेक्स के लिए रकम का इंतजाम कर्ज और कंपनी के कैश फ्लो के जरिए किया जाएगा. जाहिर है ग्रीन एनर्जी सेक्टर में टाटा ग्रुप का मुकाबला रिलायंस इंडस्ट्रीज और अडाणी ग्रुप से होगा.

बता दें कि मुकेश अंबानी की कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज और गौतम अडानी की अगुवाई वाली अडाणी ग्रुप ने रिन्यूएबल एनर्जी सेक्टर में बड़े निवेश की घोषणा की है. रिलायंस इंडस्ट्रीज ने ग्रीन एनर्जी में 75 अरब डॉलर के निवेश की घोषणा की है. अडाणी ग्रुप ने 2030 तक 2.3 लाख करोड़ रुपये के निवेश की घोषणा की है. हाल में आई एक रिपोर्ट के मुताबिक अडाणी ग्रुप ने ग्रीन हाइड्रोजन बिजनस के पहले चरण के लिए नौ अरब डॉलर के निवेश की योजना बनाई है. इसमें से चार अरब डॉलर का निवेश मशीनरी, मैन्युफैक्चरिंग प्लांट आदि पर किया जाएगा जबकि पांच अरब डॉलर 5 गीगावॉट इलेक्ट्रोलाइजर मेकिंग कैपिसिटी के विकास पर खर्च किए जाएंगे.

बता दें कि रिलायंस सौर ऊर्जा उत्पादन से लेकर हरित हाइड्रोजन के उत्पादन और उसके वितरण तथा खपत तक के पूरी हरित ऊर्जा मूल्य श्रृंखला के लिए गीगा-कारखानों का निर्माण कर रही है. अंबानी किसी भी कारोबारी बदलाव को जबर्दस्त तरीके से क्रियान्वित करने के लिए जाने जाते हैं. पिछले दशक के दौरान उन्होंने रिलायंस को ऊर्जा क्षेत्र की दिग्गज कंपनी से उपभोक्ता सेवा क्षेत्र की अग्रणी कंपनी बना दिया था. अपनी विश्वस्तरीय क्रियान्वयन की क्षमता और कर्ज-मुक्त बही खाते के साथ रिलायंस ने स्वच्छ ऊर्जा क्षेत्र में निवेश शुरू कर दिया है. गुजरात के जामनगर के धीरूभाई अंबानी हरित ऊर्जा परिसर में चार गीगा-कारखानों का निर्माण चल रहा है.

जापान का व्यापार घाटा पहली छमाही में निर्यात में सुधार से हुआ कम

तोक्यो । जापान में जून महीने में व्यापार अधिशेष सालाना आधार पर पांच गुना बढ़कर 224 अरब येन (1.4 अरब डॉलर) हो गया. वित्त मंत्रालय की ओर से गुरुवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, इस वर्ष की पहली छमाही में जापान का व्यापार घाटा पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में आधे से अधिक घटकर 3230 अरब येन (21 अरब डॉलर) रह गया. अमेरिकी डॉलर के मुकाबले येन की कमजोरी ने हाल के महीनों में जापान के निर्यात को बढ़ावा देने में मदद की है. वाहनों तथा कंप्यूटर चिप के बढ़ते निर्यात से जून में व्यापार अधिशेष एक साल पहले की तुलना में पांच गुना बढ़कर 224 अरब येन या 1.4 अरब डॉलर हो गया. कमजोर येन जापान के आयात के लिए नकारात्मक माना जाता है, खास तौर पर मुद्रास्फीति के रुझान और बढ़ती ऊर्जा लागत के बीच.... संसाधन-विहीन जापान अपनी करीब पूर्ण ऊर्जा जरूरत आयात करता है. जापान ने लगातार छह वित्तीय छमाही में व्यापार घाटा दर्ज किया जिसकी शुरुआत 2021 की अंतिम छमाही से हुई. इसका मुख्य कारण कमजोर येन और बढ़ती वैश्विक कीमतें रहीं. जापान एक अप्रैल से 31 मार्च के वित्त वर्ष का अनुसरण करता है.

ग्रामीण बैंकों के डिजिटलीकरण का मामला

नाबार्ड और पीएसबी लोन लिमिटेड के बीच हुआ समझौता

एमओयू करते नाबार्ड के अधिकारी.

एजेंसी । नयी दिल्ली

वित्तीय समावेशन की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल करते राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) और ऑनलाइन पीएसबी लोन लिमिटेड के बीच समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किया गया है. यह एमओयू जनसुरक्षा पोर्टल के माध्यम से एक मंच से जुड़े सभी 43 क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों की जन सुरक्षा योजनाओं के तहत नामांकन और दावा निपटान की प्रक्रिया को सुचारू बनाएगा.

नाबार्ड के अध्यक्ष शाजी केवी और उप प्रबंध निदेशक डॉ. अजय कुमार सूद सभी क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों के प्रमुखों के साथ बैठक के दौरान इस परियोजना की शुरुआत की. यह पहल ग्रामीण क्षेत्रों में वित्तीय अंतर को दूर करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण साबित होगा. इसके जरिए जन सुरक्षा योजनाओं के निर्बाध नामांकन और कुशल निपटान के लिए क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों को डिजिटल समाधान मुहैया कराया जाएगा जिससे वे सशक्त बनेंगे. इसके उद्घाटन के मौके शाजी के वी ने कहा कि, 'इस पहल की शुरुआत ग्रामीण भारत में डिजिटल वित्तीय सेवाओं को बढ़ाने की दिशा में एक बड़ी छलांग है. यह क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों के लिए सुलभ कुशल डिजिटल समाधान उपलब्ध कराने में प्रौद्योगिकी का लाभ उठाने की नाबार्ड की प्रतिबद्धता का प्रतीक है ताकि वित्तीय स्थिरता बनाई जा सके और समावेशी विकास को बढ़ावा दिया जा सके.

आर्थिक संकट | चीन के कर्ज तले दबे पाकिस्तान की हालत बद से बदतर हो गयी है

800 रुपये किलो आटा व 900 रु लीटर तेल बिक रहा है

एजेंसी । नयी दिल्ली

पाकिस्तान इन दिनों गंभीर आर्थिक संकट में फंसा हुआ है. देश की इकोनॉमी चीन के कर्ज तले दबी जा रही है. सरकार को इंटरनेशनल मॉनेट्री फंड (आईएमएफ) से बेलआउट पैकेज के लिए मिन्नतें करनी पड़ रही हैं. हालांकि, आईएमएफ की शर्तें इतनी कठिन हैं कि सरकार को उन्हें मानना बहुत मुश्किल काम लग रहा है. उधर, जनता की कमर महंगाई ने तोड़ दी है. देश में आटा 800 पाकिस्तानी रुपये किलो और तेल 900 पाकिस्तानी रुपये प्रति लीटर हो चुका है. आलम यह है कि एक रोटी के लिए पाकिस्तानियों को लगभग 25 रुपये खर्च करने पड़ रहे हैं. पाकिस्तान में कॉस्ट ऑफ लिविंग आसमान छूने लगी है. लोग रोजमर्रा की जरूरतें भी मुश्किल से जुटा पा रहे हैं. पाकिस्तानी रुपये के मूल्य में भी जबरदस्त गिरावट आ रही है. खाने के साथ ही घर, हेल्थकेयर और अच्छी शिक्षा भी आम आदमी की पहुंच से बाहर होती जा रही है. उधर, आईएमएफ की तरफ से सब्सिडी खत्म करने का दबाव और बढ़ता जा रहा है. इसके बावजूद पाकिस्तान ने रक्षा बजट में 15 फीसदी का इजाफा किया है. पाकिस्तानी सेना को वित्त वर्ष 2024-25 के लिए 2,122 अरब रुपये दिए गए हैं. इस फैसले को देखकर जुल्फिकार अली भुट्टो का वह बयान याद आता है, जब उन्होंने कहा था कि हमारे लोग घास खा लेंगे लेकिन, हम परमाणु बम बनाएंगे.

पाकिस्तान में मचा हाहाकार

देश की जीडीपी वृद्धि 3 फीसदी के आसपास रहने का अनुमान : पाकिस्तान के वित्त मंत्री मोहम्मद औरंगजेब के अनुसार, देश की जीडीपी 3.6 फीसदी की रफ्तार से आगे बढ़ेगी. यह पिछले वित्त वर्ष के आंकड़े 3.5 फीसदी से ज्यादा है. हालांकि, विशेषज्ञों का मानना है कि पाकिस्तान की आर्थिक विकास दर 2.38 फीसदी का आंकड़ा ही छू पाएगी. पाकिस्तान का कुल बजट 18,877 अरब रुपये का है. इसमें डिफेंस सेक्टर का हिस्सा दूसरे नंबर पर आता है.

कर्ज में फंसा पाकिस्तान : पाकिस्तान अपने मित्र चीन के फैलाए कर्ज के जाल में बुरी तरह फंस चुका है. आलम यह है कि पाकिस्तान के बजट का सबसे बड़ा खर्च कर्ज की भरपाई में जा रहा है.

पाकिस्तान को लगभग 9700 अरब रुपये लोन रीपेमेंट पर खर्च करने पड़ेंगे. वित्त मंत्री के अनुसार, देश में महंगाई का आंकड़ा 12 आसपास रहेगा. देश का टैक्स कलेक्शन 12,970 अरब रुपये रहने का अनुमान है. मोहम्मद औरंगजेब के अनुसार, देश आर्थिक संकट से बाहर आने की दिशा में आगे बढ़ रहा है. सरकार ने सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों का निजीकरण करने का ऐलान भी किया है.

ऑलटाइम हाई पर बंद हुआ शेयर बाजार

सेंसेक्स पहली बार 81000 के पार बंद, निफ्टी 24,800 पर हुआ बंद

- बीएसई पर लिस्टेड स्टॉक्स का मार्केट कैप 454.36 लाख करोड़ रुपये पर बंद हुआ

एजेंसी । मुंबई

गुरुवार सुबह के ट्रेड में उठापटक देखने के बाद भारतीय शेयर बाजार के लिए कारोबारी सत्र ऐतिहासिक रहा है. सेंसेक्स और निफ्टी ऑलटाइम हाई पर बंद हुआ है. सेंसेक्स पहली बार 81,000 के लेवल को पार करने में कामयाब रहा है. जबकि निफ्टी पहली बार 24,800 अंकों के पार जाने में कामयाब हुआ है. आईटी और एफएमसीजी स्टॉक्स में खरीदारी के चलते बाजार में ये जोरदार तेजी देखने को मिली है. गुरुवार का कारोबार खत्म होने पर बीएसई सेंसेक्स 627 अंकों की उछाल के साथ 81,343 और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 187 अंकों के उछाल के साथ 24,800 पर बंद हुआ है. सेंसेक्स-निफ्टी ऐतिहासिक हाई पर बंद हुआ है इसके बावजूद भारतीय शेयर बाजार के मार्केट कैपिटलाइजेशन में गिरावट देखने को मिली है. मिडकैप और स्मॉलकैप स्टॉक्स में भारी मुनाफावसूली के चलते मार्केट कैप गिरा हुआ है. बीएसई पर लिस्टेड स्टॉक्स का मार्केट कैप 454.36 लाख करोड़ रुपये पर बंद हुआ है जो पिछले सत्र में 455.24 लाख करोड़ रहा था. यानि गुरुवार के सत्र में निवेशकों को 90,000 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है.

ब्रीफ खबरें

अखिलेश बोले- '100 लाओ, सरकार बनाओ'

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भाजपा में राजनीतिक चर्चाओं के बीच सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर कहा है 'मानसून पेशकश है-100 लाओ और सरकार बनाओ.' सपा अध्यक्ष ने बृहस्पतिवार को 'एक्स' पर किए गए पोस्ट में किसी का नाम नहीं लिया लेकिन राजनीतिक सूत्रों का कहना है कि अगर भाजपा में कोई भी नेता 100 विधायकों का समर्थन जुटा लेता है तो सपा मुख्यमंत्री पद के लिए उसे समर्थन दे सकती है. अखिलेश के इस पोस्ट को उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य से जोड़कर देखा जा रहा है.

मॉरीशस में विदेशी जन औषधि केंद्र का उद्घाटन

पोर्ट लुई। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने मॉरीशस में पहले विदेशी जन औषधि केंद्र का उद्घाटन किया. जयशंकर 16 से 17 जून तक दो दिवसीय यात्रा पर मॉरीशस में थे. विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि मॉरीशस के प्रधानमंत्री प्रविंद कुमार जगन्नाथ के साथ भारत के पहले विदेशी जन औषधि केंद्र का उद्घाटन "दोनों देशों के बीच विशेष रूप से स्वास्थ्य के महत्वपूर्ण क्षेत्र में घनिष्ठ सहयोग" का प्रमाण है. सभी को सस्ती जेनेरिक दवाइयां उपलब्ध कराने के लिए जन औषधि केंद्र स्थापित किए गए हैं.

भूस्खलन बस हादसे में अभी तक 19 शव बरामद

काठमांडू। नेपाल के चितवन जिले में पिछले सप्ताह दो बसों के भूस्खलन के मलबे के साथ नदी में बहने के बाद बचावकर्मियों ने अब तक 19 शव बरामद किए हैं, जिनमें चार भारतीय भी शामिल हैं. सूत्रों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी. भूस्खलन की यह घटना शुक्रवार को चितवन जिले के नारायणघाट-मुगलिंग मार्ग पर सिमलताल इलाके में हुई थी. 54 लोगों में से तीन लोग घटना के तुरंत बाद तैरकर सुरक्षित निकल गए. बीरगंज से काठमांडू जा रही पहली बस में सात भारतीय नागरिकों समेत 24 यात्री थे.

चीन में एक मॉल में आग लगने से 16 लोगों की मौत

बीजिंग। चीन के दक्षिण पश्चिम में सिचुआन प्रांत में एक 'शॉपिंग मॉल' में आग लगने से कम से कम 16 लोगों की मौत हो गई. चीन के सरकारी मीडिया के अनुसार, बुधवार की शाम करीब छह बजे सिचुआन प्रांत के जिगोंग शहर के 'हाई-टेक जोन' में स्थित 14 मंजिला इमारत में आग लग गई. तस्वीरों और वीडियो में इमारत से धुएं का गुबार उठता दिख रहा है, कई लोग बालकनी पर भी दिखाई दे रहे हैं. स्थानीय अग्निशमन विभाग ने बताया कि बचाव अभियान बृहस्पतिवार को पूरा हो गया.

कोषागार की मूल्यवान सामग्री को कड़ी सुरक्षा के बीच 'खाताशेजा' में स्थानांतरित किया जाएगा

जगन्नाथ मंदिर का रत्न भंडार पुनः खोला गया

एजेंसी। पुरी

पुरी स्थित 12वीं सदी के जगन्नाथ मंदिर के प्रतिष्ठित खजाने 'रत्न भंडार' (कोषागार) में रखी गयी मूल्यवान सामग्री को एक अस्थायी 'स्ट्रांग रूम' में स्थानांतरित करने के लिए बृहस्पतिवार को पुनः खोला गया. अधिकारियों ने बताया कि रत्न भंडार को सुबह नौ बजकर 51 मिनट पर खोला गया. यह एक सप्ताह में दूसरी बार है जब कोषागार को खोला गया है.

भगवान जगन्नाथ और उनके भाई-बहन... भगवान बलभद्र और देवी सुभद्रा की पूजा-अर्चना करने के बाद, रत्न भंडार से मूल्यवान सामग्री को स्थानांतरित करने के लिए ओडिशा सरकार द्वारा गठित पर्यवेक्षण समिति के सदस्यों ने सुबह करीब नौ बजे मंदिर में प्रवेश किया. मंदिर में प्रवेश करने से पहले संवाददाताओं से पर्यवेक्षण समिति के अध्यक्ष एवं उड़ीसा उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश न्यायमूर्ति विश्वनाथ रथ ने कहा, 'हमने भगवान जगन्नाथ से कोषागार के आंतरिक कक्ष में रखी मूल्यवान सामग्री को स्थानांतरित करने के लिए आशीर्वाद मांगा.' इससे पहले, 46 वर्ष बाद 14 जुलाई को 'रत्न भंडार' खोला गया था. उस दिन कोषागार के बाहरी कक्ष से आभूषण और मूल्यवान सामान को 'स्ट्रांग रूम' में स्थानांतरित किया गया था. न्यायमूर्ति रथ ने पुरी के राजा एवं गजपति महाराजा दिव्य सिंह देव से भी अनुरोध किया कि वह 'रत्न भंडार' में उपस्थित रहें और वहां से मूल्यवान सामग्री को स्थानांतरित करने की प्रक्रिया की निगरानी करें. मंदिर परिसर में अस्थायी 'स्ट्रांग रूम' में मूल्यवान सामग्री को स्थानांतरित करने के कार्य की निगरानी करने वाले देव ने कहा, 'खाताशेजा (भंडार कक्ष) का अस्थायी 'स्ट्रांग रूम' के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा है. रत्न भंडार के आंतरिक कक्ष से मूल्यवान सामग्री को कड़ी सुरक्षा के बीच 'खाताशेजा' में स्थानांतरित किया जाएगा.'

उन्होंने कहा, 'आंतरिक कक्ष से मूल्यवान सामग्री को बाहर निकालने का काम शाम तक पूरा होने की उम्मीद है. अस्थायी 'स्ट्रांग रूम' को सील कर दिया जाएगा और रत्न भंडार की मरम्मत का काम भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) द्वारा किया जाएगा. मरम्मत का काम पूरा होने के बाद ही आभूषणों और अन्य मूल्यवान सामग्री की सूची तैयार की जाएगी.' देव ने कहा, 'रत्न भंडार के बाहरी कक्ष को साफ कर दिया गया है और वहां से मूल्यवान सामग्री हटा दी गयी है. आंतरिक कक्ष की मरम्मत की जरूरत है, क्योंकि इसे 46 वर्षों के बाद खोला जा रहा है.' यह पूछे जाने पर कि क्या आंतरिक कक्ष में कोई सुरंग थी जैसा कि कई लोग दावा कर रहे हैं, देव ने कहा कि एएसआई कक्ष की स्थिति का आकलन करने के लिए आधुनिक उपकरणों का उपयोग करेगा और सर्वेक्षक ही इसकी संरचना के बारे में विवरण दे सकते हैं.' पुरी के जिलाधिकारी सिद्धार्थ शंकर स्वैन ने कहा, 'केवल अधिकृत लोगों को पारंपरिक पोशाक के साथ कोषागार में प्रवेश करने की अनुमति है. यदि मूल्यवान सामग्री को स्थानांतरित करने का काम आज पूरा नहीं होता है तो मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) के अनुसार यह आगे जारी रहेगा. पूरी प्रक्रिया की वीडियोग्राफी की जा रही है.' पुरी के पुलिस अधीक्षक पिनाक मिश्रा ने बताया कि 'एसओपी' के अनुसार मंदिर के आसपास सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं और पर्याप्त सुरक्षाकर्मी तैनात किए गए हैं.

प्रशिक्षु आईएएस अधिकारी पूजा की मां हुईं गिरफ्तार

जमीन विवाद में बंदूक दिखाकर कुछ लोगों को धमकाने का मामला

एजेंसी। पुणे

पुणे पुलिस ने विवादों में घिरी प्रशिक्षु आईएएस पूजा खेडकर की मां मनोरमा खेडकर को जमीन संबंधी एक विवाद में कथित तौर पर बंदूक दिखाकर कुछ लोगों को धमकाने के मामले में गुरुवार को गिरफ्तार कर लिया. एक अधिकारी ने बताया कि मनोरमा को तड़के महाराष्ट्र के रायगढ़ जिले के महाड से हिरासत में लिया गया था. पुलिस के अनुसार, मनोरमा खेडकर महाड के हिरकणीवाड़ी स्थित एक लॉज में छिपी थीं. पकड़े जाने के बाद उन्हें पुणे जिले के पौड पुलिस थाने लाया गया.

दरअसल, एक वीडियो सामने आया था जिसमें मनोरमा पुणे के मुलशी तहसील के धडवाली गांव में भूमि विवाद को लेकर कुछ लोगों को कथित तौर पर बंदूक दिखाकर धमकाती नजर आ रही थीं. इसके बाद से पुलिस मनोरमा और उनके पति दिलीप खेडकर की तलाश में जुटी थी. पुणे (ग्रामीण) में पौड पुलिस ने खेडकर दंपति और पांच अन्य के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा-323 (बेईमानी या धोखाधड़ी से संपत्ति हटाना या छिपाना) सहित अन्य धाराओं और शस्त्र अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया था. पुणे (ग्रामीण) के पुलिस अधीक्षक पंकज देशमुख ने बताया, 'मनोरमा खेडकर को रायगढ़ जिले के महाड से हिरासत में लिया गया और उन्हें पुणे लाया गया, जहां औपचारिकताएं पूरी होने के बाद उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया.' आरोपी मनोरमा, उनके पति दिलीप और पांच अन्य लोगों का पता लगाने के लिए कई टीम गठित की गई थीं. पूजा खेडकर आईएएस परीक्षा के समय दिए गए दिव्यांगता और ओबीसी प्रमाण पत्र को लेकर सवालों के घेरे में हैं.

महाराष्ट्र पुलिस ने तीन को किया गिरफ्तार, पूर्व-सक्रिय 779 सिम कार्ड जब्त

साइबर धोखाधड़ी करने वाले बड़े गिरोह का हुआ भंडाफोड़

एजेंसी। ठाणे

ठाणे पुलिस ने शेयर कारोबार से जुड़ी धोखाधड़ी तथा अन्य साइबर अपराधों के लिए कंबोडिया, दुबई और चीन जैसे स्थानों पर ठगों को सिम कार्ड मुहैया कराने वाले एक अंतरराष्ट्रीय गिरोह का भंडाफोड़ किया है. अधिकारियों ने यह जानकारी दी. ठाणे के पुलिस उपायुक्त (साइबर अपराध और आर्थिक अपराध शाखा) पराग मनेरे ने बुधवार को यहां संवाददाताओं को बताया कि इस सिलसिले में तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है जिनमें से दो छत्तीसगढ़ से और एक दिल्ली से है और उनके पास से पूर्व-सक्रिय 779 सिम कार्ड जब्त किए गए हैं.

उन्होंने बताया कि पुलिस को शक है कि करीब तीन हजार सिम कार्ड का इसी तरह इस्तेमाल किया गया है. महाराष्ट्र के ठाणे में दर्ज 16 मामलों की जांच के दौरान पुलिस को यह भी पता चला कि ये अपराध व्हाट्सऐप के जरिए किए जा रहे थे, जिसमें 30 मोबाइल फोन और छत्तीसगढ़, त्रिपुरा और अन्य जगहों से सक्रिय करीब 2,600 सिम कार्ड का इस्तेमाल किया गया था. अधिकारी ने बताया कि सत्यापन के बाद पता चला कि ये नंबर हांगकांग में व्हाट्सऐप आईपी के जरिए सक्रिय किए गए थे. पुलिस को 29.3 लाख रुपये की धोखाधड़ी के एक मामले की जांच करते समय पता चला कि कुछ सिम कार्ड और मोबाइल छत्तीसगढ़ से इस्तेमाल किए जा रहे थे. अधिकारी ने बताया कि पांच जुलाई को पुलिस ने छत्तीसगढ़ निवासी आफताब इरशाद देबर (22) और मनीष कुमार मोहित देशमुख (27) को गिरफ्तार किया और उनके पास से पूर्व सक्रिय 779 सिम कार्ड, एक लैपटॉप, दो वाई-फाई राउटर, 23 मोबाइल फोन, 50 डेबिट/क्रेडिट कार्ड और 20 चेक बुक/पासबुक जब्त कीं.

अलग-अलग राज्य में दर्ज 14 ऐसे ही मामलों का भी पता चला

पूछताछ के दौरान पता चला कि दक्षिणी दिल्ली के रहने वाले भाईजान उर्फ हाफिज लाइक अहमद (48) ने सिम कार्ड खरीदे और उन्हें दुबई में बैठे एक गिरोह को बेच दिया और लोगों को विभिन्न साइबर अपराधों में ठगा. उन्होंने बताया कि पुलिस ने बाद में उसे गिरफ्तार कर लिया. गिरोह के सदस्यों ने एक दुकान पर आने वाले ग्राहकों के बायोमेट्रिक उंगलियों के निशान धोखे से हासिल कर सिम

कार्ड खरीदे थे. पुलिस ने बताया कि इसके बाद सिम कार्ड को सक्रिय कर दिया गया और उन्हें बैंक खातों से जोड़ दिया गया, जिनमें अवैध रूप से अर्जित धन हस्तांतरित किया गया. पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों के सहयोगी रायपुर, बिलासपुर (छत्तीसगढ़) और दिल्ली से सिम कार्ड की आपूर्ति कंबोडिया, दुबई, चीन और अन्य देशों के अपराधियों को करते थे, जो वहां साइबर अपराधों में उनका इस्तेमाल करते थे. गिरफ्तार व्यक्तियों ने पुलिस को यह भी बताया कि इसी तरह से विदेश में करीब 3,000 सिम कार्ड भेजे जा चुके हैं.

बब्बर खालसा समर्थित आतंकी मॉड्यूल का सदस्य गिरफ्तार

चंडीगढ़। पंजाब पुलिस ने बृहस्पतिवार को कहा कि उसने एक आतंकी मॉड्यूल के एक सदस्य की गिरफ्तारी के साथ संभावित रूप से लोगों को निशाना बनाकर की जाने वाली हत्याओं को रोक दिया है. उसने कहा कि इस आतंकी मॉड्यूल को प्रतिबंधित खालिस्तानी संगठन बब्बर खालसा इंटरनेशनल (बीकेआई) का समर्थन प्राप्त है. पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने कहा कि यह मॉड्यूल अमेरिका स्थित वांछित आतंकवादी हरप्रीत सिंह उर्फ हैप्पी पासियां संचालित कर रहा है जो घोषित आतंकवादी हरविंदर सिंह उर्फ रिंडा का करीबी सहायक है. हैप्पी इटली में स्थित अपने साथी रेशम सिंह के साथ मिलकर यह मॉड्यूल संचालित कर रहा है. आरोपी की पहचान बटाला में घणियां के बांगर निवासी विक्रमजत सिंह के रूप में की गयी है. पुलिस ने उसके पास से .32 बोर की पिस्तौल के साथ दो मैगजीन, नौ कारतूस और एक कारतूस का खोखा बरामद किया है. डीजीपी यादव ने बताया कि राज्य विशेष अभियान प्रकोष्ठ (एसएसओसी), अमृतसर को सूचना मिली थी कि हरप्रीत सिंह अपने साथी रेशम सिंह के साथ पंजाब में एक बड़ी आपराधिक वारदात को अंजाम देने की योजना बना रहा है और इसका जिम्मा उन्होंने जमीनी स्तर पर सक्रिय अपने सदस्य विक्रमजीत सिंह को सौंपा है जो अपनी मोटरसाइकिल से अमृतसर के चमरंग रोड की ओर जा रहा है. उन्होंने बताया कि पुलिस दल ने एक विशेष इलाके की घेराबंदी की और आरोपी विक्रमजीत को पकड़ लिया. उन्होंने बताया कि प्रारंभिक जांच से पता चला है कि आरोपी विदेश में स्थित अपने आकाओं के इशारे पर गैरकानूनी गतिविधियों को अंजाम दे रहा था.

आप हरियाणा में सभी 90 विधानसभा सीट पर चुनाव लड़ेगी : संजय सिंह

एजेंसी। चंडीगढ़

आम आदमी पार्टी (आप) के वरिष्ठ नेता संजय सिंह ने बृहस्पतिवार को कहा कि उनकी पार्टी हरियाणा विधानसभा चुनाव में सभी 90 सीट पर चुनाव लड़ेगी. हरियाणा में विधानसभा चुनाव इस वर्ष के अंत में प्रस्तावित हैं. सिंह ने यहां मीडिया से कहा कि 'आप' हरियाणा विधानसभा चुनाव पूरी मजबूती से लड़ेगी. उन्होंने कहा, 'आम आदमी पार्टी सभी 90 सीट पर चुनाव लड़ेगी.' पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान और पार्टी के वरिष्ठ नेता संदीप पाठक भी इस मौके पर मौजूद थे. सिंह ने बेरोजगारी, कानून व्यवस्था और अग्निपथ योजना के मुद्दों पर हरियाणा की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार पर निशाना साधा. उन्होंने कहा, 'आज हरियाणा में जबरन वसूली की जा रही है. हमने देखा कि आंदोलन के दौरान किसानों को कैसे कुचला गया. हरियाणा में बेरोजगारी भी एक बड़ी समस्या है.' उन्होंने कहा कि अग्निपथ योजना 'सेना का अपमान है'. मुख्यमंत्री मान ने कहा कि 'आप' नेताओं के रोहतक, सोनीपत और जींद जैसे हरियाणा के विभिन्न क्षेत्रों के दौरे के दौरान लोगों ने कहा कि वे राज्य में बदलाव चाहते हैं. उन्होंने आरोप लगाया कि हरियाणा की जनता ने कांग्रेस, भाजपा और क्षेत्रीय दलों को मौका दिया लेकिन इन सभी ने राज्य को लूटा. मान ने कहा कि 'आप' विधानसभा चुनाव पूरी मजबूती से लड़ेगी और 'बदलेंगे हरियाणा का हाल, अब लाएंगे केजरीवाल' पार्टी का नारा होगा.

असम कांग्रेस अध्यक्ष बोले, हम संयुक्त विपक्ष के तौर पर 2026 का विधानसभा चुनाव लड़ेंगे

गुवाहाटी। कांग्रेस की असम इकाई के अध्यक्ष भूपेन कुमार बोरा ने गुरुवार को कहा कि पार्टी 16 दलों के संयुक्त विपक्षी मोर्चे के तहत 2026 का विधानसभा चुनाव लड़ेगी. बोरा ने कहा कि उनकी पार्टी के साथ ही मोर्चे के अन्य सदस्य सभी जिलों में अपना आधार मजबूत करने के लिए काम करते रहेंगे. उन्होंने यहां पत्रकारों से कहा, 'यह तय है कि हम 2026 का राज्य विधानसभा चुनाव संयुक्त विपक्षी मोर्चे के साथ मिलकर लड़ेंगे, लेकिन इसका यह मतलब नहीं है कि सभी दल हाथ पर हाथ धरे बैठे रहेंगे. सभी दल अपना संगठनात्मक आधार बढ़ाने पर काम करते रहेंगे और इसमें कोई हर्ज नहीं है.' बोरा ने यह भी कहा कि किसी मोर्चे का हिस्सा होने का मतलब किसी भी चुनाव में सीटों का समान बंटवारा नहीं है. दलों को उनकी संख्या, पृष्ठभूमि व निर्वाचन क्षेत्रों के इतिहास के अनुसार सीटें दी जाती हैं.

राष्ट्रपति बाइडन फिर हुए कोविड-19 से संक्रमित

मिलवाउकी। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन एक बार फिर कोविड-19 से संक्रमित हो गए हैं. हालांकि, उनमें संक्रमण के 'हल्के लक्षण' हैं. व्हाइट हाउस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी. इसके साथ, राष्ट्रपति चुनाव प्रचार के महत्वपूर्ण मोड़ पर उन्हें अपना अभियान रोकना पड़ा है. बाइडन (81) ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, 'मैं बीमार हूं.' बाइडन बुधवार को कोविड-19 से संक्रमित हो गए जिसके कारण लास वेगास में उनका एक महत्वपूर्ण प्रचार अभियान बाधित हो गया. व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरिन जीन-पियरे ने एक बयान में कहा, 'उन्हें कोविड-19 रोधी टीका लगा हुआ है.

नासा ने रद्द किया चंद्रमा पर लैंडर भेजने का मिशन

एजेंसी। वाशिंगटन

अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने कहा कि वह लागत में वृद्धि और प्रक्षेपण में देरी होने के कारण, पानी की खोज के लिए चंद्रमा पर रोवर भेजने के मिशन को रद्द कर रहा है. अंतरिक्ष एजेंसी ने बुधवार को कहा कि 'वाइपर' रोवर को 'एस्ट्रोबोटिक टेक्नोलॉजी' द्वारा उपलब्ध कराए गए एक लैंडर के जरिये 2023 के अंत तक प्रक्षेपित किया जाना था लेकिन अतिरिक्त परीक्षण और लागत बढ़ने के कारण इस मिशन में देरी होती रही, जिससे अन्य परियोजनाओं पर खतरा मंडराने लगा है. नासा ने बताया कि रोवर का उद्देश्य चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर खोजबीन करना था. इसके विकास पर अभी तक करीब 45 करोड़ डॉलर खर्च किए जा चुके हैं. अपोलो 11 मिशन की 55वीं वर्षगांठ से कुछ दिन पहले यह घोषणा की गयी है. अपोलो 11 नील आर्मस्ट्रांग और बज आल्ड्रिन को लेकर 20 जुलाई 1969 को चंद्रमा पर पहुंचा था. नासा ने बताया कि उसकी योजना अन्य परियोजनाओं के जरिए चंद्रमा पर बर्फ की मौजूदगी का अध्ययन करना है. एस्ट्रोबोटिक की अब भी अगले साल के अंत तक अपने ग्रिफिन चंद्रमा लैंडर को प्रक्षेपित करने की योजना है.

बांग्लादेश में आरक्षण को लेकर जारी विरोध प्रदर्शनों में छह की मौत

भारत ने अपने नागरिकों से यात्रा से बचने को कहा

एजेंसी। ढाका

भारत ने बांग्लादेश में हो रहे विरोध-प्रदर्शन के मद्देनजर यहां रहने वाले अपने नागरिकों के लिए बृहस्पतिवार को परामर्श जारी करते हुए कहा कि वे यात्रा करने से बचें और कम से कम बाहर निकलें. सरकारी नौकरियों में आरक्षण प्रणाली में सुधार की मांग को लेकर जारी विरोध प्रदर्शनों में हिंसा फैलने से देशभर में कम से कम छह लोगों की जान जा चुकी है.

हिंसा के कारण सरकार ने मंगलवार देर रात बांग्लादेश में सभी सरकारी और निजी विश्वविद्यालयों के साथ-साथ स्कूलों और कॉलेजों को अनिश्चितकाल के लिए बंद कर दिया तथा छात्रों से छात्रावास खाली करने को कहा गया. भारतीय उच्चायोग ने यहां एक बयान में कहा, 'बांग्लादेश में मौजूदा हालात को देखते हुए बांग्लादेश में रहने वाले भारतीय समुदाय के सदस्यों और भारतीय छात्रों को यात्रा से बचने और अपने निवास स्थान से बाहर कम से कम आवाजाही की सलाह दी जाती है.' मिशन ने किसी भी सहायता के लिए 24 घंटे चालू रहने वाले कई आपातकालीन नंबर भी जारी किए हैं. ये झड़पें सोमवार को शुरू हुईं, जब सत्तारूढ़ अवामी लीग के छात्र मोर्चे के कार्यकर्ता प्रदर्शनकारियों के सामने आ गए. प्रदर्शनकारी इस बात पर जोर दे रहे थे कि मौजूदा आरक्षण व्यवस्था सरकारी सेवाओं में मेधावी छात्रों के नामांकन को काफी हद तक रोक रही है. प्रदर्शनकारियों ने सत्तारूढ़ पार्टी की छात्र शाखा, बांग्लादेश छात्र लीग पर पुलिस के समर्थन से उनके 'शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन' पर हमला करने का आरोप लगाया. छात्र प्रदर्शनकारियों ने बृहस्पतिवार को राष्ट्रव्यापी बंद करने का निर्णय लिया है. मौजूदा आरक्षण प्रणाली के तहत 1971 के बांग्लादेश मुक्ति संग्राम के नायकों की संतानों और पौत्र-पौत्रियों के लिए 30 फीसदी नौकरियां, प्रशासनिक जिलों के लिए 10 प्रतिशत, महिलाओं के लिए 10 प्रतिशत, जातीय अल्पसंख्यक समूहों के लिए पांच प्रतिशत और दिव्यांगों के लिए एक प्रतिशत नौकरियां आरक्षित हैं.

बार एसोसिएशन के पूर्व महासचिव गिरफ्तार

श्रीनगर। वरिष्ठ अधिवक्ता एवं जम्मू-कश्मीर उच्च न्यायालय बार एसोसिएशन के पूर्व महासचिव मोहम्मद अशरफ भट को यहां उनके आवास से गिरफ्तार किया गया और उन पर जन सुरक्षा अधिनियम (पीएसए) के तहत मामला दर्ज किया गया. अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी. भट को बुधवार देर रात शहर के रावलपोरा इलाके में उनके आवास से गिरफ्तार किया गया और उन पर पीएसए के तहत मामला दर्ज किया गया. बार एसोसिएशन के पूर्व महासचिव को जम्मू क्षेत्र की कठुआ जेल में रखा गया है. भट गिरफ्तार होने वाले, बार एसोसिएशन के तीसरे वरिष्ठ पदाधिकारी हैं.

जेएंडके के डोडा में मुठभेड़, दो जवान घायल

एजेंसी। जम्मू

जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले के वन क्षेत्र में बुधवार देर रात आतंकवादियों के साथ हुई मुठभेड़ में सेना के दो जवान घायल हो गए. अधिकारियों ने बताया कि मुठभेड़ कास्तीगढ़ क्षेत्र के जद्दन बाटा गांव में देर रात करीब दो बजे हुई, जब आतंकवादियों ने तलाश अभियान के संचालन के लिए एक सरकारी स्कूल में बनाए गए अस्थायी सुरक्षा शिविर पर गोलीबारी शुरू कर दी.रक्षा मंत्रालय के एक प्रवक्ता ने बताया कि गंभीर रूप से घायल एक सैनिक को चुनौतीपूर्ण मौसम की स्थिति के बावजूद एक हेलीकॉप्टर से उधमपुर स्थित कमांड अस्पताल पहुंचाया गया. प्रवक्ता ने सोशल

घायल जवान को उपचार के लिए ले जाते साथी जवान.

मीडिया मंच 'एक्स' पर कहा, 'उधमपुर स्थित वायुसेना के अड्डे के एक हेलीकॉप्टर से डोडा में गंभीर रूप से घायल एक सैनिक को चुनौतीपूर्ण मौसम के बावजूद कमांड अस्पताल समय पर पहुंचाया गया जिससे उनकी जान बच गई. टीम को उनके समर्पण और बहादुरी के लिए बधाई.' इसके अलावा, बुधवार देर रात राजौरी जिले के सुंदरबनी सेक्टर में नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पास एक अग्रिम चौकी की सुरक्षा में तैनात सुरक्षाबलों ने संदिग्ध गतिविधियां देखने के बाद गोलीबारी की. अधिकारियों ने बताया कि बृहस्पतिवार सुबह इलाके में तलाशी अभियान चलाया गया लेकिन वहां कोई संदिग्ध गतिविधि नहीं दिखी. सोमवार और मंगलवार की दरमियानी रात को आतंकवादियों के हमले में एक कैप्टन सहित सेना के चार जवान शहीद हो गए, जिसके बाद देसा और आसपास के वन क्षेत्रों में व्यापक तलाश अभियान शुरू किया गया. उन्होंने कहा कि सुरक्षा बल आतंकवादियों का सफाया करने और क्षेत्र में शांति बहाल करने के लिए दृढ़ संकल्पित हैं. डोडा-किश्तवाड़ के रामबन रेंज के पुलिस उप महानिरीक्षक श्रीधर पाटिल ने कास्तीगढ़ में संवाददाताओं से कहा, 'सभी सुरक्षा बल आतंकवादियों के खिलाफ एक समन्वित अभियान में जुटे हुए हैं. हमारा उनके साथ कल और आज भी संपर्क हुआ.

बयान उपराष्ट्रपति पद की उम्मीदवारी स्वीकार करते हुए वेंस ने मुश्किलों में बीते अपने बचपन पर प्रकाश डाला

मैंने कभी सपने में भी नहीं सोचा था कि आज रात मैं यहां खड़ा होऊंगा

एजेंसी। मिलवाउकी (अमेरिका)

रिपब्लिकन पार्टी की ओर से उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार के तौर पर नामांकन स्वीकार करते हुए जेडी वेंस ने बुधवार रात को देशवासियों को अपना परिचय दिया और मुश्किलों में बीते अपने बचपन पर प्रकाश डाला. वेंस ने कहा कि उनकी पार्टी संघर्ष कर रहे अमेरिकियों के समक्ष मौजूद चुनौतियों को अच्छी तरह से समझती है. इस बीच, बाइडन के चुनाव प्रचार अभियान दल ने बुधवार को एक वीडियो जारी किया, जिसमें उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने वेंस को ऐसा व्यक्ति बताया जिसे ट्रंप जानते हैं कि 'वह उनके अतिवादी एजेंडे पर बिना सोचे-समझे मुहर लगाएगा.' हैरिस ने वीडियो में कहा, 'कोई गलती न करें : जेडी वेंस केवल ट्रंप के प्रति वफादार होंगे, हमारे देश के प्रति नहीं.'

वेंस अमेरिका के लिए अच्छे उपराष्ट्रपति साबित होंगे : ऊषा वेंस

बुधवार रात को वेंस की पत्नी ऊषा चिलुकुरी वेंस ने उनका परिचय कराया और उनके तथा अपने बीच के पारिवारिक अंतर के बारे में बात की थी. ऊषा सैन डिएगो के एक मध्यमवर्गीय प्रवासी परिवार से ताल्लुक रखती हैं जबकि वेंस एक गरीब परिवार से आते हैं. ऊषा ने कहा कि वेंस अमेरिका के लिए अच्छे उपराष्ट्रपति साबित होंगे और उन्होंने अपने पति के जीवन, उनके शाकाहारी भोजन अपनाने और भारतीय भोजन पकाने के कौशल पर प्रकाश डाला. उन्होंने कहा, 'वह अमेरिका के काफी अच्छे उपराष्ट्रपति बनेंगे.' उन्होंने कहा, 'हालांकि, वह मांसाहारी और आलू किस्म की चीजें खाने वाले व्यक्ति हैं लेकिन उन्होंने मेरे शाकाहारी भोजन को अपनाया तथा मेरी मां के लिए खाना बनाना सीखा.'

'रिपब्लिकन नेशनल कन्वेंशन' (आरएनसी) में दिए गए मुख्य भाषण में वेंस ने केंटुकी और ओहायो में एक गरीब परिवार में पले-बढ़े होने, अपनी मां के नशे की लत के शिकार होने और पिता के न होने की कहानी साझा की. उन्होंने येल लॉ स्कूल से स्नातक किया और फिर अमेरिकी मरीन में शामिल हो गए. बाद में उन्होंने राजनीति की दुनिया में कदम रखा. वेंस ने कहा, 'मैंने कभी सपने में भी नहीं सोचा था कि आज रात मैं यहां खड़ा होऊंगा.' ओहायो के 39 वर्षीय सीनेटर वेंस राजनीति में अपेक्षाकृत कम जाना-पहचाना चेहरा हैं और वह दो साल से भी कम वक्त से सीनेट में हैं. डोनाल्ड ट्रंप द्वारा उपराष्ट्रपति पद का उम्मीदवार नामित किए जाने के बाद से वेंस ने अपने आप को भुलाए जा चुके श्रमिक वर्ग के लिए एक योद्धा बताया. उन्होंने औद्योगिक गिरावट का सामना कर रहे 'रस्ट बेल्ट' मतदाताओं से वोट करने की अपील की जिन्होंने ट्रंप को आश्चर्यजनक रूप से 2016 में जीत दिलाने में अहम भूमिका निभायी थी. उन्होंने कहा, 'आहायो जैसे छोटे शहरों या पेनसिल्वेनिया या मिशिगन, देशभर के हमारे राज्यों में नौकरियों को विदेश भेज दिया गया और बच्चों को युद्ध में भेजा गया.' वेंस ने कहा, 'मिडलटाउन, ओहायो के लोगों और मिशिगन, विसकॉन्सिन, पेनसिल्वेनिया में भुला दिए गए सभी समुदायों तथा हमारे देश के हरेक कोने के लोगों से मैं यह वादा करता हूं, मैं ऐसा उपराष्ट्रपति बनूंगा जो कभी यह नहीं भूलेगा कि वह कहां से आया है.'

रूस संग ऊर्जा सहयोग को लेकर भारत पर दबाव गलत

एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र

रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने कहा कि भारत एक महान शक्ति है, जो अपने राष्ट्रीय हितों का निर्धारण खुद करता है और अपने साझेदार भी खुद चुनता है. उन्होंने मॉस्को के साथ ऊर्जा सहयोग के कारण नयी दिल्ली पर डाले जा रहे 'अत्यधिक दबाव' को 'पूरी तरह से अनुचित' बताया. बुधवार को यहां एक संवाददाता सम्मेलन में लावरोव ने मॉस्को में राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बीच हाल ही में हुई शिखर बैठक पर यूक्रेन की टिप्पणी को 'अपमानजनक' करार दिया. लावरोव ने कहा, 'मेरा मानना है कि भारत एक महान शक्ति है, जो अपने राष्ट्रीय हितों को खुद निर्धारित करता है और अपने साझेदारों को भी खुद चुनता है. हम जानते हैं कि भारत पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अत्यधिक दबाव डाला जा रहा है, जो कि पूरी तरह से अनुचित है.' लावरोव रूस के साथ ऊर्जा सहयोग को लेकर भारत पर डाले जा रहे भारी दबाव से जुड़े सवालों का जवाब दे रहे थे.

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राईवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा 304-305 समृद्धि स्क्वायर, किशोरगंज चौक, हरमू रोड, रांची- 834001, झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - **सुरजीत सिंह**, स्थानीय संपादक - **संजय सिंह***. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - **JHAHIN/2023/84487** (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)